जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

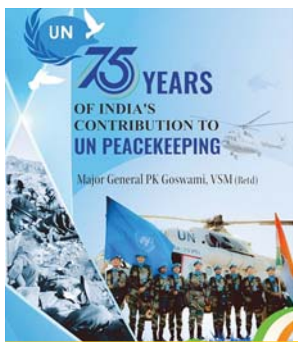

75 YEARS OF INDIA'S CONTRIBUTION... The Blue Helmets play a vital role in preserving peace. India has a remarkable and distinguished legacy as one of the largest troop contributors

Fusion of Eri Silk and Kota Doria

Mumbai's Forgotten Monument of Reform, Education, and Heritage

'दो अविवाहित वयस्कों के बीच सहमति से बना यौन संबंध अनैतिकता का प्रमाण नहीं'

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय समाज की बेहद पुरानी प्राचीन धारणाओं से मेल नहीं खाता है

- न्यायाधीशों ने कहा, लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे दो वयस्कों के बीच शारीरिक संबंध में सहमति शामिल होती है।
- सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय का असर भविष्य के उन मामलों पर पड़ सकता है, जिनमें शादी का वादा कर यौन संबंध बनाने के आरोप लगाए जाते हैं।
- सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय भारत की उस प्राचीन धारणा को चुनौती देता है, जिसमें नैतिकता का आकलन व्यक्ति के रोमांटिक अतीत के आधार पर किया जाता है।
- अदालत का यह फैसला स्त्री और पुरुष, दोनों वर्गों के लिए लाभदायक हो सकता है। इस फैसले ने सामाजिक चर्चा को परस्पर सहमति, निजी स्वतंत्रता और अपने जीवन साथी का चुनाव करने की आज़ादी की तरफ मोड़ दिया है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। दशकों तक भारत में विवाह-पूर्व यौन संबंधों (प्री-मैरिटल सेक्स) को नैतिकता की कसौटी माना जाता रहा है। इसका असर विवाह की संभावनाओं पर पड़ता था। इससे लोगों की सामाजिक छवि बनती-बिगड़ती थी। कुछ मामलों में तो इसका प्रभाव करियर पर भी पड़ता था। किसी व्यक्ति के प्रेम संबंधों के इतिहास को अक्सर उसके चरित्र का पैमाना मान लिया जाता था।

पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट ने इस सोच को चुनौती दी।

तलाक के मामलों की वकील वंदना शाह कहती हैं कि अदालत ने वास्तव में उस सच को स्वीकार किया है, जिसे बहुत से भारतीय पहले से जानते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने में हिचकते हैं। वयस्कों के बीच सहमति से बने संबंध आज के जीवन का हिस्सा है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि सहमति से बने विवाह-पूर्व संबंधों को किसी व्यक्ति के खराब चरित्र का प्रमाण नहीं माना जा सकता। इस प्रकार अदालत ने व्यक्तिगत चुनाव और नैतिकता को अलग-अलग माना है, जिसे बहुत लोग लंबे समय से आवश्यक मानते रहे हैं।

शाह का मानना है कि इस मामले में न्यायपालिका समाज से कुछ कदम आगे दिखाई देती है।

यह अंतर महत्वपूर्ण है, क्योंकि चरित्र और व्यक्तिगत व्यवहार एक ही चीज नहीं हैं। किसी व्यक्ति की ईमानदारी या नैतिकता का आकलन केवल उसके प्रेम संबंधों के इतिहास से नहीं किया जा सकता।

फैसले का शायद सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अदालत ने उस गहरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कमर्शियल जहाज के 3 भारतीय क्रू सदस्य लापता

- ओमान के पास जहाज पर हमला हुआ था। जहाज के 24 भारतीय कर्मियों में से 21 को बचा लिया गया।

मस्कट, 10 जून। ओमान के तट के पास एक कमर्शियल जहाज सेटोबेलो पर हुए हमले में 24 भारतीय क्रू मेंबर्स में से अब तक 21 को बचा लिया गया है और 3 भारतीय लापता बताए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "हम ओमान के तट पर कमर्शियल जहाज सेटोबेलो पर हुए हमले की निंदा करते हैं। जहाज पर मौजूद 24 भारतीय क्रू मेंबर्स में से अब तक 21 को बचा लिया गया है और 3 भारतीय लापता बताए जा रहे हैं।" एमईए ने कहा कि ओमान में हमारा दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और खोज व बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से तालमेल बिठा रहा है।

ममता बनर्जी कांग्रेस में शामिल होंगी?

ममता बनर्जी ने मंगलवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की, वहीं उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी राहुल से मिले, इससे विलय की अटकलें तेज हुईं

- राजनैतिक गलियारों में चर्चा है कि ममता बनर्जी अपने राजनैकि जीवन की सबसे कठिन चुनौती का सामना कर रही हैं, उनकी पार्टी टीएमसी टूट रही है। दो तिहाई से ज्यादा विधायकों ने अलग गुट बना लिया है तथा 20 सांसदों ने भी अलग समूह बना लिया है और ममता बनर्जी की सबसे करीबी सहयोगी सयानी घोष व सुष्मिता देब भी बागियों में मिल गई है।
- पूर्णतया अलग-थलग पड़ चुकी ममता बनर्जी कांग्रेस में जाने पर विचार कर रही हैं, बशर्ते डील अच्छी हो। सूत्रों ने बताया, ममता बनर्जी खुद के लिए उपाध्यक्ष पद और अभिषेक बनर्जी के लिए महासचिव पद मांग रही हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। टीएमसी के विधायक और सांसद बड़ी संख्या में पार्टी छोड़ रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने का एक बड़ा कदम उठाया है।

आठ जून को इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने के बाद ममता बनर्जी ने मंगलवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की। उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी आज राहुल गांधी के साथ बैठक की, जिससे टीएमसी के कांग्रेस में विलय की अटकलें तेज हो गई हैं।

ममता बनर्जी अपने राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रही हैं, क्योंकि टीएमसी टूटने के कगार पर पहुंच गई है। राज्य विधानसभा में चुने गए विधायकों में से दो-तिहाई ने राज्य विधानसभा में अलग गुट बनाने का फैसला कर लिया है, जबकि काकोली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बॉम्बे हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज को हत्या की धमकी

रिटायर्ड जस्टिस गौतम पटेल को दाउदी बोहरा समुदाय के मामले में दिए गए एक निर्णय को लेकर धमकियां मिल रह रही हैं

- जस्टिस गौतम पटेल परिवार सहित लंदन में रहते हैं, वहाँ उनके घर में घुसने की कोशिश भी की गई। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने लंदन में भारतीय हाई कमीशन से इस बारे में वार्ता की और सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा।
- जस्टिस पटेल ने बताया कि धमकियां अप्रैल 2024 के निर्णय से संबंधित हैं जिसमें उन्होंने सैय्यदना मुफाद्दल सैफुद्दीन को दाउदी बोहरा समुदाय का वास्तविक धर्म प्रमुख घोषित किया था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। बॉम्बे हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति गौतम पटेल, जिन्हें देश के सबसे सम्मानित न्यायविदों में गिना जाता है, कथित तौर पर दाऊदी बोहरा मामले में दिए गए अपने 2024 के फैसले के कारण जान से मारे जाने की धमकियों का सामना कर रहे हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मामले को लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग के समक्ष उठाया है।

सूत्रों के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश को आश्वस्त किया गया है कि न्यायमूर्ति पटेल और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। बताया जा रहा है कि दाऊदी बोहरा उत्तराधिकार के लम्बे समय से चल रहे विवाद में दिए गए उनके फैसले के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हम वास्तविक तृणमूल कांग्रेस हैं - ऋतबृत बनर्जी

कोलकाता, 10 जून। पश्चिम बंगाल की राजनीति में जारी उथल-पुथल के बीच विधानसभा में नवगठित तृणमूल विधायक दल के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने बुधवार को बड़ा दावा करते हुए कहा कि उनके साथ अब 64 से अधिक विधायक हैं और उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कांग्रेस के साथ संभावित विलय की सभी अटकलों को खारिज करते हुए स्पष्ट कहा कि उनका समूह ही वास्तविक तृणमूल कांग्रेस है और कांग्रेस में शामिल होने का कोई सवाल नहीं उठता।

विधानसभा के बाहर पत्रकारों से बातचीत में ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि हम ही तृणमूल कांग्रेस हैं। हम किसी दल में विलय नहीं कर रहे हैं। हमारे साथ विधायकों की संख्या 64 पार कर चुकी है। संभव है कि गुरुवार को यह संख्या 65 हो जाए। स्वाभाविक रूप से हम ही तृणमूल हैं। कौन किससे मिल रहा है, इस पर हम टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन पूरी जिम्मेदारी के साथ कह सकते हैं कि हम कांग्रेस में नहीं जा रहे हैं।

आखिर भाजपा को मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ दस्तावेज कैसे मिले?

मध्य प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने दावा किया कि इसमें मदद कांग्रेस के भीतर से मिली है

- कहा यह भी जा रहा है कि तेलंगाना, जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां से ये दस्तावेज भाजपा को कांग्रेस के लोगों ने ही लीक किए।
- बीआरएस के नेता एम. कृषांक ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन ने मुख्यमंत्री रैवंत रेड्डी के कई ड्रीम प्रोजैक्ट्स का विरोध किया था।
- कांग्रेस का कहना है उक्त केस में मीनाक्षी आरोपी नहीं हैं, ना ही एफआईआर उनके खिलाफ है, इसलिए नामांकन पत्र में मामले का उल्लेख करने की जरुरत नहीं थी, रिटर्निंग ऑफिसर का फैसला गलत है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव को पूरी तरह राजनीतिक थ्रिलर में बदल देने वाले एक नाटकीय मोड़ में, कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा ने खारिज कर दिया है। इसका कारण कथित रुप से यह बताया गया कि उन्होंने तेलंगाना में लंबित एक अदालती मामले की जानकारी नहीं दी।

लेकिन सवाल यह है कि भाजपा को मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ तेलंगाना में "लंबित" मामले से जुड़े कागजात कैसे मिले?

इस राजनीतिक थ्रिलर में और मसाला जोड़ते हुए, भाजपा ने दावा किया कि कांग्रेस ने अपने ही उम्मीदवार के खिलाफ आंतरिक साजिश की है।

वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्य के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह इशारा करके राजनीतिक हल्कों में हलचल मचा दी कि नटराजन के खिलाफ कागजात कांग्रेस के भीतर से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मनुष्य का कर्त्तव्य है कि वह उदार बनने से पहले त्यागी बने। -डिकेंस

बारिश में लगाएं औषधीय पौधे – सेहत को मिलेंगे अनगिनत फायदे

देश में मानसून प्रवेश कर चुका है। इसके साथ ही देशभर में जून से सितंबर तक चलने वाले चार महीनों के बरसाती सीजन की आधिकारिक शुरुआत होती है। मानसून अपने साथ अपार खुशियां लेकर आता है। लोगों को पीने के लिए जहाँ पानी मिलता है वहां किसान अपने खेतों में बुवाई शुरू कर देते है। इसी के साथ देशभर में पौधरोपण का कार्य भी शुरू हो जाता है। बरसात का मौसम पौधारोपण के लिए सबसे अनुकूल समय माना जाता है, क्योंकि इस दौरान मिट्टी में नमी भरपूर होती है और पौधों को तेजी से बढ़ने के लिए आवश्यक पोषक तत्व स्वाभाविक रूप से मिल जाते हैं। इस मौसम में लगाए गए पौधे आसानी से जड़ पकड़ लेते हैं और कम देखभाल में भी अच्छी वृद्धि करते हैं। मॉनसून का मौसम औषधीय पौधों को उगाने के लिए सबसे बेहतरीन है। हमारे बुजुर्ग कहते है हमें औषधीय पौधे अपने घरों पर लगाने चाहिए जो हमारे जीवन को नवजीवन प्रदान करेंगे। यह वह समय है जब हम पेड़ पौधे लगाकर देश को हराभरा बना सकते है। आयुर्वेद में बहुत से औषधीय पौधे और जड़ी-बूटियाँ शामिल हैं, जो हमारी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का प्रभावी ढंग से उपचार कर सकते हैं और हमारे समग्र स्वास्थ्य के लिए अच्छे साबित हो सकते हैं। ये पौधे प्राचीन काल से ही विभिन्न औषधीय प्रयोजनों के लिए उपयोग किए जाते रहे हैं। आयुर्वेदिक चिकित्सा में इन पौधों का उपयोग दवाई के रूप में किया जाता रहा है।

बताया जाता है एक वृक्ष अपने पूरे जीवन में हर तरह से मनुष्य के काम आता है। भोजन प्रदान करने, छाँव देने, घर बनाने को लकड़ी देने से लेकर सांसे लेने के लिये जीवनदायिनी ऑक्सीजन भी देता है। पेड़ पौधों को लेकर कई प्रकार के शोध होते रहते है। हर शोध में पेड़ पौधों को जीवनदाई बताया जाता है। हाल ही एक शोध रिपोर्ट में बताया गया की पेड़ पौधे बेहद संवेदनशील होते है। शोर से पेड़ पौधे मुरझा जाते है और उनकी ग्रोथ पर बुरा असर पड़ता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोगों की आयुर्वेदिक पौधों में रूचि बढ़ रही है। मानसून के आते ही लोगों के समक्ष यह दुविधा बन जाती है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए हितकारी हो। औषधीय पौधें इम्युनिटी बढ़ाने के साथ हमें विभिन्न प्रकार के रोगों से घर बैठे बचाता है। हमारे बड़े बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते है। बहुत से बड़े बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दवाओं का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मगर अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें सुनना पसंद नहीं करते। फलस्वरूप विभिन्न शारीरिक रोगों को भोगते हुए जैसे तैसे अपने जीवन की गाड़ी को हांकते है। अपने घरों पर औषधीय पौधे लगाएं तो ये हमें प्राण वायु तो देते ही है साथ ही स्वस्थ जीवन की राह भी दिखाएंगे।

पेड़-पौधे हमारे शरीर में होने वाली विभिन्न बीमारियों से छुटकारा दिलाने के लिए हमें बहुत कुछ दे सकते हैं। प्राचीन काल में मानव ने तरह-तरह के पेड़-पौधों की खोज कर खुद को निरोगी रखा। मानव सभ्यता के विकास के साथ विज्ञान ने हमें नयीनयी ऊंचाइयों तक पहुँचाया, इसमें कोई दो राय नहीं है मगर औषधीय पौधों की महत्ता कभी कम नहीं हुई। भारत में औषधीय गुण वाले असंख्य पेड़-पौधे हैं। भारतीय पुराणों, उपनिषदों, रामायण एवं महाभारत जैसे प्रमाणिक ठांथों में इसके उपयोग के अनेक साक्ष्य मिलते हैं। रामायण में संजीवनी बूटी की चर्चा आज भी घर-घर में सुनी जा सकती है। बहुत सारी अंग्रेजी दवाइयों में आज भी औषधीय पौधों का मिश्रण किया जाता है। सर्दी, जुकाम, बुखार, बीपी, शुगर, उलटी दस्त जैसी सामान्य बीमारियों से लेकर कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का इलाज भी हमारे औषधीय पौधों में है। यदि इन पेड़ पौधों का हम उचित रखरखाव कर विभिन्न रोगों के इलाज में सही ढंग से उपयोग करें तो ये हमारे स्वस्थ जीवन के लिए बेहद लाभदायक हो सकते है।

पेड़-पौधों और वनों से हमें एक नहीं अपितु अनेकों लाभ है। वन और जीवन दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। वनों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है और मनुष्य और अन्य किसी भी प्राणी का जीवन ऑक्सीजन के बिना नहीं चल सकता। वृक्ष और वन भू-जल को भी संरक्षित करते हैं। जैव-विविधता की रक्षा भी वनों की रक्षा से ही संभव है। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए बहुमूल्य वनौषधियां हमें जंगलों से ही मिलती हैं।

औषधीय एवं सुरभित पौधे हमारी धरोहर हैं जिनका वैश्विक महत्व है। विश्व में असंख्य औषधीय एवं सुरभित पौधों की प्रजातियाँ हैं। उनमें से अनेक पौधों का उपयोग हम विभिन्न कारणों से करते हैं और अनेक हमसे अपरिचित हैं। भारत के रेड डाटा बुक में 427 संकटग्रस्त पौधों के नाम दर्ज हैं, इनमें से 28 लुप्त, 124 संकटग्रस्त, 81 नाजुक दशा में, 100 दुर्लभ तथा अन्य पौधे हैं। पारम्परिक औषधि का कोई विपरीत प्रभाव न होने के कारण तथा स्वस्थ जीवन शैली के लिए वर्तमान समय में भी इनका महत्व काफी अधिक बढ़ गया है। अभी भी विकसित देशों में 80 प्रतिशत जनसख्या पारम्परिक औषधीय ज्ञान पर ही निर्भर करती हैं। भारत के पहाड़ी और जंगली इलाकों में उपलब्ध तीन सौ से अधिक औषधीय वनस्पतियों की प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर है। अगर सरकार इनके संरक्षण की दिशा में पहल नहीं करेगी तो आने वाले वर्षों में कई वनस्पतियां विलुप्त हो जाएंगी। सरकार यदि इनके संरक्षण की दिशा में पहल नहीं करेगी तो आने वाले वर्षों में कई वनस्पतियां विलुप्त हो जाएंगी।

हमारे विभिन्न ग्रंथों और प्राचीन पुस्तकों में हजारों ऐसे नुक्खे बताये गए है जो औषधीय पौधों से निकले है। हमारे देश में आज भी लाखों लोग इन नुक्खों का उपयोग करते है। नीम, तुलसी, बेंग साग, ब्राम्ही, हल्दी, चन्दन, चिरायता, अडूसारू, सदाबहार, गुलाब, सहिजन, हडजोरा, करीपत्ता, लहसून, एलोवीरालेवेंडर, जीरा, पुदीना, गिलोय, सूरजमुखी, पीपल, आक, बरगद, आंवला, गूगल, अदरखनीम्बू, पत्थरचूर, शतावर, अजवायन, चुकंदर, चिरचिटी, कुल्थी, घृतकुमारी, करेला, पिपली, मेथी, पुनर्नवा, मदन मस्त, पिपली, चंपा, रजनीगंधा, श्वेत अपराजिता, सर्पगन्धा, अशोक और वलाक आदि औषधीय पौधों में से बहुत से ऐसे भी है जो घरों में लगाए जा सकते है। इनमें बहुत सी प्रजातियां अब लुप्तप्राय है। आवश्यकता इस बात की है इन बहु गुणकारी औषधीय पौधों के विकास की योजनाएं बनाकर आम आदमी को इनके प्रयोग और उपयोग की जानकारी दी जाएं।

पेड़-पौधों और वनों से हमें एक नहीं अपितु अनेकों लाभ है। वन और जीवन दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। वनों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है और मनुष्य और अन्य किसी भी प्राणी का जीवन ऑक्सीजन के बिना नहीं चल सकता। वृक्ष और वन भू-जल को भी संरक्षित करते हैं। जैव-विविधता की रक्षा भी वनों की रक्षा से ही संभव है। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए बहुमूल्य वनौषधियां हमें जंगलों से ही मिलती हैं। दुनिया में जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास और आधुनिक जीवन शैली की वजह से प्राकृतिक वनों पर मानव समाज का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसे ध्यान में रखकर मानव जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से वनों के संतुलित दोहन तथा नये जंगल लगाने के लिए भी विशेष रूप से काम करने की जरूरत है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 11 जून, 2026

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, रेवती नक्षत्र प्रातः 8:16 तक, शोभन योग रात्रि 1:00 तक, बव करण दिन 11:47 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 8:16 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से आरम्भ होगा। आज कमला पुरूषोत्तम एकादशी व्रत है। पंचक प्रातः 8:16 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:19 तक, चर 10:44 से 12:26 तक, लाभ अमृत 12:26 से 3:51 तक, शुभ 5:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:16

मेष

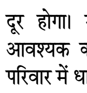

वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

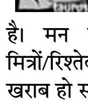

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। मित्रों/रिश्तेदारों अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मिथुन

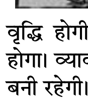

आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क

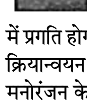

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह

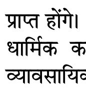

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

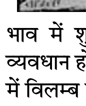

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला

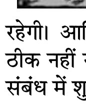

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आज नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

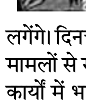

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु

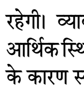

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

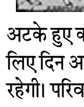

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ

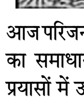

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है।

मीन

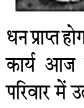

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य आज शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

विश्वास, विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष : विकसित भारत के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आज जब देश ''विकसित भारत-2047'' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब इन 12 वर्षों की उपलब्धियां उसकी मजबूत आधारशिला के रूप में हमारे सामने हैं

भजनलाल शर्मा

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में गत 12 वर्ष एक परिवर्तनकारी युग रहे हैं। यह कालखंड राष्ट्रीय परिवर्तन का पर्याय बन गया है। मई 2014 से प्रारंभ हुई यह यात्रा आज विश्वास, विकास और जनकल्याण की एक ऐसी गाथा बन चुकी है, जिसने भारत को नई ऊर्जा, नई पहचान और नए आत्मविश्वास से भर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार के सफल 12 वर्ष 140 करोड़ भारतीयों के सपनों, आकांक्षाओं और विश्वास की विजय के प्रतीक हैं। इन 12 वर्षों में भारत ने गरीब कल्याण से लेकर वैश्विक नेतृत्व तक, डिजिटल क्रांति से लेकर आधारभूत संरचना के अभूतपूर्व विस्तार तक, आत्मनिर्भरता से लेकर सांस्कृतिक पुनर्जागरण तक अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां अर्जित की हैं। मोदी जी ने शासन को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा और जनभागीदारी का अभियान बनाया। ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' का मंत्र आज देश के विकास का आधार बन चुका है। उन्होंने विकास के केंद्र में गरीब, वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को रखा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से आज 80 करोड़ से अधिक लोगों को प्रतिमाह निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत देशभर में 4 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के घरों की स्वीकृति मिली है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 11 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण से 60 करोड़ से अधिक लोगों को खुले में शौच की विवशता से मुक्ति मिली।

उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए। यह करोड़ों माताओं-बहनों के स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन की गुणवत्ता में सुधार का अभियान बना। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने वित्तीय समावेशन का नया अध्याय लिखा है। आज देश में 55 करोड़ से अधिक जनधन खाते खुल चुके हैं। इन खातों में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है।

जनधन, आधार और मोबाइल की त्रिशक्ति ने शासन व्यवस्था में पारदर्शिता का नया युग प्रारंभ किया। डीबीटी के माध्यम से अब तक 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाई गई है। इससे भ्रष्टाचार, बिचौलियों और फर्जी लाभार्थियों की व्यवस्था पर प्रभावी अंकुश लगा है। मोदी जी ने डिजिटल तकनीक को सामाजिक परिवर्तन का साधन बनाया। यूपीआई के माध्यम से प्रतिमाह 18 अरब डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं और भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल-टाइम डिजिटल भुगतान करने वाला बन चुका है।

भारत की आत्मा गांवों और किसानों में बसती है। भारतनेट परियोजना के माध्यम से 2 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा गया है। डिजिटल शिक्षा, ई-गवर्नेंस, टेलीमेडिसिन और ऑनलाइन सेवाओं ने गांव और शहर के बीच की दूरी को कम किया है। प्रधानमंत्री ने किसानों को सम्मान और सुरक्षा दोनों प्रदान करने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 3.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर रिकॉर्ड खरीद ने किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान की है।

प्रधानमंत्रा मोदी ने महिलाओं को विकास की साझेदार बनाया है। आज 32 करोड़ से अधिक महिलाओं के जनधन खाते हैं। देश की 3 करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' अभियान से जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं। महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन, मातृत्व सुरक्षा, शिक्षा और स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने हेतु ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं।

आयुष्मान भारत योजना विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है। इसके अंतर्गत 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त हुआ है। देश में 19 हजार से अधिक जनऔषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। कोविड सहित राष्ट्रव्यापी निःशुल्क टीकाकरण एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में मेडिकल कॉलेजों और सीटों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है।

पिछले 12 वर्षों को भारत के आधारभूत संरचना विकास का स्वर्णिम काल कहा जा सकता है। राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई लगभग 91 हजार किलोमीटर से बढ़कर 1.5 लाख किलोमीटर से अधिक हो चुकी है। एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है। रेलवे में रिकॉर्ड विद्युतीकरण हुआ है। हजारों किलोमीटर नए ट्रैक बिछाए गए हैं। देशभर में 164 'वंदे भारत और नमो भारत' ट्रेनें आधुनिक भारत की गति और प्रगति का प्रतीक बन चुकी हैं। विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज चिनाब रेल पुल भारत की इंजीनियरिंग क्षमता का गौरवशाली उदाहरण है। देश के 26 शहरों में 1,100 किलोमीटर से अधिक मेट्रो नेटवर्क विकसित किया जा चुका है।

जीएसटी स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा कर सुधार सिद्ध हुआ है। 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने विनिर्माण क्षेत्र को नई गति प्रदान की है। मोबाइल फोन निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात और रक्षा उत्पादन में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। रक्षा निर्यात वर्ष 2014 के लगभग 700 करोड़ रुपये से बढ़कर 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को नए आत्मविश्वास के साथ विश्व के सामने प्रस्तुत किया है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, महाकाल लोक और केदारनाथ धाम का पुनर्विकास भारतीय संस्कृति के गौरवशाली पुनर्जागरण के प्रतीक हैं। यह केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय गौरव के सशक्त माध्यम भी हैं।

आज भारत केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व का केंद्र भी बन रहा है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसी पहलें और वैश्विक मुद्दों पर प्रभावशाली भूमिका इसकी पुष्टि करती हैं। पिछले दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। इन राष्ट्रीय उपलब्धियों के साथ राजस्थान को भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व विकास की सौगातें मिली हैं। आज राजस्थान विकास, निवेश, ऊर्जा और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश में अनेक ऐतिहासिक परियोजनाएं आकार ले रही हैं।

हाल ही में राजस्थान को 92,496 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात मिली है। इनमें 79,459 करोड़ रुपये की एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी और 13,037.66 करोड़ रुपये की जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना उल्लेखनीय हैं। पचपदरा में विकसित हो रही 9 मिलियन मीट्रिक टन क्षमता वाली रिफाइनरी अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगी और हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करेगी। वहीं जयपुर मेट्रो फेज-2 राजधानी की परिवहन व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव लाएगी।

सितंबर 2025 में प्रधानमंत्री मोदी ने माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना सहित एक लाख आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शुभारंभ किया। यह परियोजना राजस्थान की ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास को नई मजबूती प्रदान करेगी। आज राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन में देश का अठाणी राज्य है और भड़ला सौर पार्क विश्व के सबसे बड़े सौर ऊर्जा पार्कों में शामिल है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह मोदी जी की विकासोन्मुख नीतियों और राजस्थान में बढ़ते निवेशक विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत केंद्र सरकार ने हाल ही में 4,800 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराई है। रामजल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से 17 जिलों के लगभग 3.25 करोड़ लोगों को पेयजल और सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। चंबल नदी पर 2,330 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा 2,280 मीटर लंबा रामजल सेतु प्रदेश की जल सुरक्षा का नया अध्याय लिख रहा है।

यमुना जल समझौते को आगे बढ़ाकर मोदी जी ने शेखावाटी क्षेत्र की दशकों पुरानी जल समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त किया है। सीकर, झुंझुनूं और चूरू जिलों के लगभग तीन लाख किसानों को इसका लाभ मिलेगा।

भारतमाला परियोजना और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के माध्यम से राजस्थान में सड़क संपर्क का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। राज्य के प्रमुख रेल मार्गों का विद्युतीकरण, दो वंदे भारत ट्रेनों की सौगात, अमृत भारत स्टेशन योजना से रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण तथा जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़ और जैसलमेर हवाई अड्डों का विस्तार राजस्थान को विकास के नए मानचित्र पर स्थापित कर रहा है।

आज राजस्थान की हजारों ग्राम पंचायतें भारतनेट परियोजना से जुड़ चुकी हैं। डिजिटल कनेक्टिविटी, ई-गवर्नेंस और ऑनलाइन सेवाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं ने राजस्थान के लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्ष भारत के आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास के वर्ष रहे हैं। यह यात्रा केवल योजनाओं और परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जनविश्वास, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की यात्रा है। आज जब देश ''विकसित भारत-2047'' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब इन 12 वर्षों की उपलब्धियां उसकी मजबूत आधारशिला के रूप में हमारे सामने हैं। विश्वास के 12 वर्ष, विकास के 12 वर्ष, जनकल्याण के 12 वर्ष यही नए भारत की पहचान है। मोदी जी के नेतृत्व में भारत आने वाले वर्षों में विश्व की अग्रणी शक्तियों में अपना स्थान सुदृढ़ करेगा।

राजस्थान की 8 करोड़ जनता की ओर से मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देता हूं। उनका दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्र प्रथम का संकल्प और सेवा के प्रति समर्पण विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने की प्रेरक शक्ति बना रहेगा।

–भजनलाल शर्मा,
मुख्यमंत्री, राजस्थान

चरित्र का बाज़ार और सफलता की अंधी दौड़ – कौन बनेगा चरित्रवान ?

प्रो. अशोक कुमार

जहाँ चरित्र की डिमांड ही नहीं है, वहाँ उसकी सप्लाई कैसे होगी, यह कड़वी टिप्पणी दिल को छूने वाली भी है और आज के समाज का एक सच भी। चरित्र के 'बाज़ार' का अर्थशास्त्र है-कि जहाँ डिमांड ही नहीं है, वहाँ सप्लाई कैसे होगी-वह पूरी व्यवस्था पर एक ज़ोरदार तमाचा है।

जब माता-पिता, शिक्षक, छात्र और खुद परीक्षा कराने वाली संस्थाएं शॉर्टकट और कामयाबी के पीछे अंधी हो जाएं, तो यह सवाल उठना लाज़मी है कि ''आखिर चरित्रवान कौन बनेगा और क्यों बनेगा?''

आज के दौर का सबसे बड़ा सच यही है कि चरित्र अब एक आउटडेटेड (पुराना) सिक्का बन चुका है, जो सफलता के आधुनिक मॉल में नहीं चलता। शिक्षा अब ज्ञान की साधना नहीं, बल्कि एक बाज़ार है, और इस बाज़ार का पहला नियम है- वही बेचो जिसकी डिमांड हो। आज डिमांड चरित्र की नहीं है; डिमांड रैंक की है, सरकारी सीट की है, करोड़ों के पैकेज की है। और जब डिमांड केवल परिणाम की हो, तो प्रक्रिया की पवित्रता अपने आप दम तोड़ देती है।

डिमांड और सप्लाई का खेल: जब माता-पिता ही खरीदार हों

एक बच्चा पैदा होते ही चरित्र का पाठ नहीं सीखता, वह अपने आस-पास के माहौल को देखता है। जब नीट जैसी परीक्षाओं के पेपर लीक होते हैं, तो लाखों-करोड़ों रुपये की डील होती है। यह पैसा किसी छात्र की जेब से नहीं आता; यह उसके अभिभावक देते हैं।

जो माता-पिता अपने बच्चे के भविष्य के लिए ईमानदारी की जगह लीक हुआ पेपर खरीदना बेहतर समझते हैं, वे अनजाने में अपने बच्चे को पहला सबक यही सिखाते हैं कि ''बेटा, चरित्र से पेट नहीं भरता, सफलता जैसे भी मिले, खरीद लो।'' ऐसे में वह बच्चा बड़ा होकर डॉक्टर तो बन सकता है, लेकिन इंसान नहीं।

अभिभावक आज इस बाज़ार की व्यवस्था में पूरी भूमिका निभाते हुए 1000 प्रति विषय प्रायोगिक परीक्षा हेतु चुपचाप जमा कर देते हैं ताकि बच्चे के 50 में से 48-49 नंबर आ सकें। अभिभावक शिक्षण संस्थानों से यह कभी पूछते ही नहीं कि प्रयोगशालाओं में साल भर प्रयोग हुए भी हैं या नहीं !

गुरु जब डीलर बन जाए और व्यवस्था की रीढ़ टूटे :-

शिक्षक को कभी राष्ट्र का निर्माता कहा जाता था। लेकिन जब पेपर तक पहुँच रखने वाले शिक्षक ही चंद रुपयों के लिए उसे लीक करने लगें, तो वे शिक्षक नहीं, शिक्षा के दलाल बन जाते हैं। जब गुरु ही चरित्र का सौदा करने लगे, तो शिष्यों से नैतिकता की उम्मीद करना बेईमानी है।

मज़ेदार बात यह है कि कुछ शिक्षक खुद 4 अलग-अलग लेखों की नकल करके एक नया लेख शोध पत्र लिखते हैं और उसी के दम पर उनका प्रमोशन हो जाता है। वहीं दूसरी तरफ, यदि कोई छात्र परीक्षा में नकल करता पकड़ा जाए, तो उसे 2 से 3 वर्ष के लिए परीक्षा से वंचित कर दिया जाता है। राष्ट्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों में नैक के एक्रेडिटेशन में अच्छा ठोड पाने के लिए जब शिक्षक, अधिकारी और प्रशासन खुद नकली डॉक्यूमेंट तैयार करके जमा करते हैं, तब वे विद्यार्थियों को चरित्रवान होने का पाठ कैसे पढ़ाएंगे?

जब कुलगुरुओं / कुलपतियों की नियुक्ति का आधार आर्थिक, राजनीतिक या धार्मिक होगा तब वह छात्रों को चरित्र का क्या ज्ञान देंगे ।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी जैसी सरकारी संस्थाओं का काम सिर्फ परीक्षा कराना नहीं, बल्कि देश के युवाओं में व्यवस्था के प्रति विश्वास पैदा करना था। लेकिन बार-बार होने वाले पेपर लीक और ढुलमुल रवैये ने यह साबित कर दिया है कि सिस्टम की रीढ़ टूट चुकी है। जब सरकारी तंत्र ही शुचिता को बनाए रखने में नाकाम या उदासीन हो, तो आम नागरिक का चरित्र पर से विश्वास उठना स्वाभाविक है।

लाजवाब सवाल: चरित्र आखिर है क्या? (एक वैज्ञानिक और दार्शनिक दृष्टिकोण)

चरित्र वस्तुगत है या विषयगत ? क्या हर आदमी के लिए चरित्रवान की परिभाषा एक ही है? क्या यह पूरी तरह वैज्ञानिक है? या फिर व्यक्ति-व्यक्ति के लिए चरित्र की परिभाषा बदल जाती है? क्या अलग-अलग समाजों के लिए और समय-समय के साथ चरित्र की परिभाषा बदल जाती है?

इन सवालों की गहराई को समझें तो सच यही है कि चरित्र कोई स्थिर या ठोस वस्तु नहीं है जिसे तराजू पर तोला जा सके। जो बात एक समाज में चरित्रहीनता मानी जा सकती है, वही दूसरे समाज में सामान्य व्यवहार हो सकती है।

जो नियम सदियों पहले चरित्र का मापदंड थे, आज के आधुनिक और वैज्ञानिक युग में वे प्रासंगिक नहीं रहे।

यहाँ तक कि एक ही व्यवस्था में, एक गरीब के लिए भूख मिटाने के लिए की गई चोरी उसकी मजबूरी है, जबकि एक अमीर द्वारा करोड़ों का पेपर खरीदना उसका लालच है। दोनों के चरित्र को एक ही चश्मे से नहीं देखा जा सकता।

जब चरित्र की परिभाषा ही इतनी लचीली, समय-सापेक्ष और समाज-सापेक्ष हो, तो इस गिरते हुए दौर में यह और भी उलझ जाती है।

तो फिर चरित्रवान बनेगा कौन? और क्यों बने कोई?

जब परिभाषाएं इतनी जटिल हों और चारों तरफ गिरावट हो, तो सवाल फिर वही आता है: ''जब कोई नहीं चाहता, तो मैं खुद चरित्रवान क्यों बनूँ?'' इसका जवाब यह है कि चरित्र की ज़रूरत समाज के लिए बाद में है, खुद के वजूद के लिए पहले है।

खोखली सफलता का डर : जो डॉक्टर पेपर खरीदकर बनेगा, वह कभी आत्मविश्वास से किसी मरीज का इलाज नहीं कर पाएगा। उसके भीतर का डर और अयोग्यता उसे हमेशा कचोटती रहेगी। चरित्रवान इंसान को किसी बाहरी सर्टिफिकेट की ज़रूरत नहीं होती, उसका खुद का ज़मीर उसका सबसे बड़ा जज होता है। अगर हर कोई यह सोचकर बेईमान हो जाए कि बाकी सब भी तो कर रहे हैं, तो समाज समाज नहीं, एक खूंखार जंगल बन जाएगा।

खुद से आँखें मिलाने की हिम्मत: सफलता आज है, कल नहीं। पैसा आज है, कल जा सकता है। लेकिन जब आप रात को आईने में खुद को देखें, तो अपनी आँखों में आँखें डालकर कह सकें कि ''मैंने जो भी हासिल किया, अपने दम पर किया, किसी का हक मारकर नहीं।'' यही चरित्र की असली कमाई है, चाहे इसकी परिभाषा समय के साथ कितनी भी बदल जाए।

निष्कर्ष :- बाज़ार बंद हो सकता है, आत्मा नहीं

यह बात शत-प्रतिशत सही है कि शिक्षा के इस बाज़ार में आज चरित्र की कोई डिमांड नहीं है। संस्थान रैंक बेच रहे हैं, चालाक लोग पेपर बेच रहे हैं, और अमीर लोग उसे खरीद रहे हैं।

लेकिन याद रखिए, बाज़ार वस्तुओं का होता है, इंसानी मूल्यों का नहीं। यदि व्यवस्था चरित्रवान नागरिक नहीं बनाना चाहती, तो यह ज़िम्मेदारी अब पूरी तरह व्यक्तिगत हो जाती है। चरित्रवान वह बनेगा, जिसके भीतर अभी भी थोड़ी सी गैरत बाकी है। जो भीड़ का हिस्सा बनकर सफल होने से बेहतर, अकेले खड़े होकर सच्चा रहना पसंद करता है।

शायद आज ऐसे लोगों की संख्या मुट्ठी भर हो, और समय व समाज के हिसाब से उनकी परिभाषाएं अलग हों, लेकिन दुनिया इन्हीं मुट्ठी भर ईमानदार लोगों के भरोसे टिक सकती है, उन कागज़ी डॉक्टरों, शिक्षकों या अफ़सरों के भरोसे नहीं जो मर्यादाएं बेचकर कुर्सियों पर बैठे हैं।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय

फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण पत्र बेचने वाले गिरोह का दलाल और सर्टिफिकेट सप्लायर गिरफ्तार

थर्ड ग्रेड शिक्षक भर्ती परीक्षा 2021-22 के खेल कोटे में धांधली करने वालों को एस.ओ.जी. ने दबोचा

■ एसओजी ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर 11 जून तक पुलिस रिमांड पर लिया है।

■ पूछताछ में सामने आया कि आरोपी कप्तान सिंह ने फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी पाने वाले अभ्यर्थियों मनोज कुमार गुर्जर, हेमलता गुर्जर और सियाराम गुर्जर से प्रति व्यक्ति 40 हजार रुपए के हिसाब से कुल 1.20 लाख रुपए वसूले थे। इन तीनों अभ्यर्थियों को एसओजी पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है।

-कार्यालय संवाददाता -

जयपुर। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा (लेवल-1) वर्ष 2021-22 में खेल कोटे के तहत फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण पत्र लगाकर सरकारी नौकरी दिलाने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दस हजार रुपए के इनामी मुख्य दलाल कप्तान सिंह उर्फ गुर्जर कप्तान सिंह और उसके साथी विष्णु भाखरीवाल को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर 11 जून 2026 तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा में ताइक्वांडो खेल के 2 प्रतिशत आरक्षण का लाभ लेने के लिए फर्जी खेल प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए गए थे। इस मामले की जांच के दौरान दो वर्षों से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी कप्तान सिंह (22) निवासी सागरपुर, करौली को करौली जिले से गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई डीआईजी भुवन भूषण यादव के निर्देशन तथा ऑपरेशन्स विंग के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में की गई।

कप्तान सिंह उर्फ गुर्जर विष्णु भाखरीवाल

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी कप्तान सिंह ने फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी पाने वाले अभ्यर्थियों मनोज कुमार गुर्जर, हेमलता गुर्जर और सियाराम गुर्जर से प्रति व्यक्ति 40 हजार रुपए के हिसाब से कुल 1.20 लाख रुपए वसूले थे। इन तीनों अभ्यर्थियों को एसओजी पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है।

आरोपी ने खुलासा किया कि उसने अपने रिश्ते के जीजा मनोज कुमार गुर्जर के कहने पर फर्जी प्रमाण पत्रों की व्यवस्था की थी। इसके लिए उसने अपने दोस्त विष्णु भाखरीवाल (25) निवासी लालचंदपुरा, जयपुर से संपर्क किया और उसे 60 हजार रुपए ऑनलाइन व नकद भुगतान किए। विष्णु को एसओजी ने 9 जून को गिरफ्तार किया था।

जांच में सामने आया कि कप्तान सिंह और विष्णु भाखरीवाल की दोस्ती सेना भर्ती की तैयारी के दौरान निवारू रोड स्थित एक अकादमी में हुई थी। बाद में विष्णु ने निवारू रोड बाईपास स्थित मदर डेयरी स्कूल में ताइक्वांडो अकादमी संचालित करने वाले बालकंवर सैनी से संपर्क किया। बालकंवर सैनी ने 20 हजार रुपए लेकर "थर्ड भगवान महावीर ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप-2017" के खाली मुद्रित प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए। बाद में इन प्रमाण पत्रों पर अभ्यर्थियों के नाम और श्रेणी भरकर उन्हें असली दर्शाने का प्रयास किया गया।

एसओजी जांच में सामने आया कि प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने वाला आरोपी बालकंवर सैनी वर्तमान में छेड़छाड़ और दुष्कर्म के एक अन्य मामले में पिछले 15 माह से जयपुर केंद्रीय कारागार में न्यायिक अभिरक्षा में बंद है। एसओजी उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ करेगी।जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि गिरोह ने ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया, धनबाद के नाम से फर्जी ईमेल आईडी तैयार कर प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर को कूटरचित सत्यापन रिपोर्ट भेजी थी। इसी फर्जी सत्यापन के आधार पर अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी मिल गई।

एसओजी ने इस मामले में दर्ज प्रकरण में अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इनमें फर्जी ईमेल आईडी तैयार करने वाला बिमलेन्दु कुमार झा, उसका सहयोगी कमल सिंह, दलाल हितेश भादू, नारायण सिंह, रंगलाल रेगर, प्रद्युम्न गुर्जर तथा राजस्थान ताइक्वांडो एसोसिएशन के महासचिव दिनेश जगरवाल शामिल हैं।

एसओजी अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों, फर्जी प्रमाण पत्रों के नेटवर्क तथा भर्ती घोटाले से जुड़े अन्य मामलों की जांच में जुटी हुई है।

खनिज के मलबों से मिलेंगे निकेल, कोबाल्ट, क्रोमियम और गैलियम जैसे क्रिटिकल मिनरल्स

रक्षा, ग्रीन एनर्जी, एयरोस्पेस और एयरोनॉटिकल उद्योगों की आवश्यकता हो सकेगी पूरी

■ देश-प्रदेश की ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ सामरिक और आर्थिक सुरक्षा होगी मजबूत

■ प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर शुरू किया गया "नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन" राजस्थान में तेजी से अग्रसर

■ आरएसएमईटी और आईआईटी धनबाद के बीच हुआ करार, मलबे से निकले खनिजों का हो सकेगा व्यावसायिक उत्पादन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में क्रिटिकल मिनरल के एक्सप्लोरेशन और अध्ययन को नई गति प्रदान की जा रही है। हाल ही में प्रदेश में पिंक मार्बल और हरे मार्बल के मलबों के ढेर (अपशिष्ट) के अध्ययन में निकेल, कोबाल्ट, क्रोमियम और गैलियम जैसे क्रिटिकल मिनरल्स की गुणवत्तापूर्ण मात्रा के सकारात्मक संकेत मिले हैं। इन मिनरल्स से रक्षा, ग्रीन एनर्जी, एयरोस्पेस और एयरोनॉटिकल उद्योगों की आवश्यकता की पूर्ति हो सकेगी, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ सामरिक और आर्थिक सुरक्षा मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री की पहल पर खान विभाग के आरएसएमईटी और आईआईटी धनबाद के बीच राजस्थान के खनिज डम्प्स के संबंध में एक समझौता संपन्न हुआ है। इस समझौते के अनुरूप प्रदेश में खनिजों के विशाल ढेरों (ह्यूज डम्प्स ऑफ मिनरल्स), जिनका कोई उपयोग भी नहीं है, में उपलब्ध बेशकीमती क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक खनिजों का पुनर्चक्रण कर इसे व्यावसायिक उत्पादन में उपयोग करने के लिए अध्ययन किया जा रहा है। यह अध्ययन अभिनव प्रयास है।

इस समझौते के अंतर्गत खान विभाग द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 78 डम्प्स चिन्हित कर 10-10 डम्प्स का कलस्टर बनाया गया। इनमें से उदयपुर जिले और आसपास के कलस्टर में पिंक मार्बल के 8 डम्प्स और ग्रीन मार्बल (सर्पेंटिनाइट) के 2 डम्प्स का अध्ययन किया गया । इन डम्प्स में निकेल, कोबाल्ट, क्रोमियम और गैलियम की बड़ी मात्रा पाई गई है। आरंभिक अनुमान के अनुसार यह मात्रा पृथ्वी की पपड़ी (क्रस्ट) में इनकी सामान्य उपलब्धता से 25 से 40 गुना अधिक है।

खान विभाग द्वारा चिन्हित 78 डम्प्स में से शेष 68 डम्प्स और टेलिंग्स का भी वैज्ञानिक मूल्यांकन आईआईटी आईएसएम धनबाद के सहयोग से किया जा रहा है। जिसमें खदान डम्प्स का जियो रेफरेन्सड डेटाबेस, मेपिंग, सैंपलिंग, निष्कर्षण, मिनरालॉजिकल एनालिसिस व उपलब्ध संसाधनों का आकलन करते हुए टंगस्टन, लिथियम, कोबाल्ट, निकल, आरईई के रिसोर्सेज जैसे महत्वपूर्ण खनिज की उपलब्धता का पता लगाया जा सकेगा। उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर, ऋषभदेव, अजमेर, ब्यावर, सावर, नागौर, सिरोही, जोधपुर, बालेसर, सोजत सिटी और जालौर में अलग-अलग खनिजों के ढेर चिन्हित किये जा चुके हैं। हाल ही में अतिरिक्त मुख्य सचिव खान और पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा से आईआईटी धनबाद के प्रो. धीरज कुमार, आईआईटी आईएसएम के एमेरिट्स प्रो. एएस वैंकटेश, टेक्समिन के दानिश और ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आईआईटी दिल्ली के विक्रम केवाई ने मुलाकात कर डम्प्स में क्रिटिकल मिनरल्स की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता की संभावना व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन और खनन पर विशेष फोकस है। इसी क्रम में उन्होंने नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन की घोषणा की जिसके अंतर्गत रेयर अर्थ मिनरल्स, हेवी रेयर अर्थ मिनरल्स और क्रिटिकल रेयर मेटल्स पर तेजी से काम किया जा रहा है। राजस्थान ने इस दिशा में नवाचार करते हुए खनिजों के डम्प्स से क्रिटिकल मिनरल का एक्सप्लोरेशन का काम शुरु किया है। वहीं, प्रदेश ने रेयर अर्थ मिनरल्स और हेवी रेयर अर्थ मिनरल्स क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक मिनरल्स आरईई के डिपोजिट्स मिले हैं जिनका केंद्र सरकार द्वारा खनिज ब्लॉकों का ऑक्शन भी किया जा रहा है।

हाईकोर्ट से रीको को मिली बड़ी जीत

बोरानाड़ा, जोधपुर में उद्योगों को मिलेगी भूमि, निवेश-रोजगार के अवसर सृजित होंगे

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर ने राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) द्वारा जोधपुर के बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्र के लिए किए गए भूमि अधिग्रहण को वैध ठहराया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा एवं न्यायाधीश चंद्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने राज्य सरकार और रीको की विशेष अपीलें स्वीकार करते हुए 8 सितंबर 2017 को एकल पीठ की ओर से दिए गए उस फैसले को निरस्त कर दिया, जिसमें 33 याचिकाएं स्वीकार कर अधिग्रहण प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि भूमि अधिग्रहण अधिकारी की ओर से भूमि स्वामियों की आपत्तियों पर विधिसम्मत विचार किया गया था तथा सुनवाई का अवसर भी दिया गया था।

कोर्ट ने माना कि एकल पीठ ने तकनीकी आधारों पर अत्यधिक हस्तक्षेप किया और संपूर्ण अधिग्रहण प्रक्रिया को समग्रता में देखने के बजाय अलग पहलुओं पर निर्णय दिया। खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण जैसे मामलों में न्यायिक समीक्षा का दायरा केवल निर्णय लेने की प्रक्रिया तक सीमित है।

उच्च न्यायालय के खंडपीठ द्वारा दिये गये इस निर्णय से पूर्व में अवाप्त की गई भूमि में से यथास्थिति के कारण शेष रही 1700 बीघा भूमि पर भी अब रीको द्वारा औद्योगिक विकास हेतु कार्य योजना बनाकर कार्यवाही की जा सकेगी। बोरानाडा में हो रहे औद्योगिक विकास की दृष्टि से इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि उक्त भूमि के पास ही पूर्व में ही रीको द्वारा बोरानाडा में बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्र, एग्रो फूड पार्क, ई.पी.आई.पी. एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्र विकसित किये जा चुके हैं, जिसमें लगभग 1500 औद्योगिक इकाइयां कार्यरत है।

तत्पश्चात् इसी आवाप्तशुदा भूमि में से कुछ भू-भाग पर रीको द्वारा हाल ही में नये औद्योगिक क्षेत्रों मेडिकल डिवाईस पार्क, हैण्डीक्राफ्ट एवं फर्नीचर पार्क तथा सामान्य श्रेणी के इकाइयों के लिये कार्ययोजना बनाकर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किये गये जिसे राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजना राईजिंग राजस्थान के तहत औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने की दृष्टि से एमओयू धारकों के लिये रीको द्वारा विशेष प्रत्यक्ष आवंटन योजना लागू की गई थी, जिसमें इन नये औद्योगिक क्षेत्रों में अधिकाधिक रूझान देखने को मिला है। इस रूझान को देखते हुये उक्त शेष भूमि 1700 बीघा पर भी औद्योगिक निवेश आने से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। रीको प्रशासन का कहना है कि जल्द से जल्द इस भू-भाग पर विकास कार्यों को प्रारम्भ करने तथा भूखण्डों के शीघ्र आवंटन के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

पुलिस कमिश्नर कल करेंगे जनसुनवाई

जयपुर । आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल 13 जून (शनिवार) को दोपहर 11.30 से 01.30 बजे तक पुलिस थाना मालवीय नगर पर जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान मालवीय नगर सर्किल के मालवीय नगर, एयरपोर्ट, जवाहर सर्किल, खो नागोरियान एवं बजाज नगर थानों के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुँचाना है। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस कमिश्नर द्वारा झोटवाड़ा, सांगानेर, पुलिस थाना शिप्रापथ, विद्याधर नगर, भांकरोटा, शिवदासपुरा, आमेर, रामगंज,चित्रकूट एवं बस्सी थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

देवनानी और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की शिष्टाचार भेंट

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिमला स्थित लोकभवन में आज बुधवार को हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर स्पीकर देवनानी ने राज्यपाल गुप्ता को राजस्थान विधानसभा का स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। दोनों गणमान्य जनों के मध्य आत्मीय वातावरण में विभिन्न समसामयिक विषयों, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

राज्यपाल गुप्ता ने राजस्थान विधानसभा द्वारा संसदीय परंपराओं को सुदृढ़ करने तथा जनप्रतिनिधियों की सकारात्मक भूमिका को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और जनविश्वास को बनाए रखने में विधानसभाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। देवनानी ने राजस्थान विधानसभा की विभिन्न गतिविधियों एवं जनजागरूकता से जुड़े नवाचारों की जानकारी साझा की। इस दौरान सुशासन, पारदर्शिता, संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका तथा राष्ट्र निर्माण में जनप्रतिनिधियों के दायित्वों पर भी विचार-विमर्श हुआ।भेंट के दौरान दोनों गणमान्य जनों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक प्रभावी, उत्तरदायी एवं जनोन्मुखी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

नाबालिग से बलात्कार के दोषी शिक्षक और उसके सहयोगी को 20 साल कारावास की सजा

जयपुर । जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग पीडिता को बहला फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त अफजल खान को बीस साल की सजा सुनाई है। वहीं अदालत ने मामले में सहयोगी रहे अभियुक्त रामस्वरूप को भी बीस साल की कैद सुनाई है। पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि यौन अपराध बच्चे के मानस पर गहरा असर डालता है। जिससे उसे जीवन भर मानसिक पीडा और अवसाद होता है। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

मामले में नियुक्त विशेष लोक अभियोजक महावीर सिंह किशनावत ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता के पिता ने 2 जनवरी, 2024 को जोबनेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी पन्द्रह साल की बेटी रात करीब 11 बजे बिना बताए कहीं चली गई है। उसे आसपास और रिश्तेदारों के तलाश किया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। रिपोर्ट में अफजल खान पर शक जाहिर करते हुए कहा गया कि वह उसे अपने साथ बहला फुसलाकर ले जा सकता है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पीडिता को हरियाणा के सिरसा से बरामद किया और मुख्य अभियुक्त अफजल और सहयोगी रामस्वरूप को गिरफ्तार किया। सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि अभियुक्त अफजल निजी स्कूल में शिक्षक था और पीडिता को पढाता था। वहीं दूसरे अभियुक्त ने अपराध में उसका सहयोग किया है।

एवलोन रॉयल पार्क आवासीय प्रोजेक्ट के खातों की फॉरेंसिक ऑडिट के आदेश

रेरा अध्यक्ष ने भिवाडी स्थित इस आवासीय परियोजना में वित्तीय अनियमितताओं और गंभीर विसंगतियों को देखते हुए आदेश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी ने भिवाडी स्थित एवलोन रॉयल पार्क आवासीय परियोजना में वित्तीय अनियमितताओं और गंभीर विसंगतियों को देखते हुए परियोजना के खातों की फॉरेंसिक ऑडिट कराने के आदेश दे दिए हैं। रेरा अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने अपने आदेश में कहा कि परियोजना की लागत, प्राप्त राशि, खर्च और निर्माण की वास्तविक स्थिति के रिकॉर्ड में गंभीर विरोधाभास पाए गए हैं। ऐसे में इनकी स्वतंत्र फॉरेंसिक जांच की जरूरत है।

रेरा ने यह आदेश एवलोन रॉयल पार्क होम बायर्स एसोसिएशन की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर दिए। एसोसिएशन के अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि मैसर्स जीआरजे डिस्ट्रीब्यूटर्स एंड डेवलपर्स प्रा. लि. की ओर से साल 2012 में आरंभ की गई इस परियोजना में 1000 से अधिक फ्लैट बनाने का दावा किया गया था। बिल्डर ने वर्ष 2012 से 2016 के बीच आवंटियों से लगभग 300 करोड़ रुपये जमा किए और बैंक से 30 करोड़ रुपये का लोन भी लिया। आवंटियों का आरोप है कि प्रत्येक फ्लैट के लिए औसतन 90 प्रतिशत से अधिक राशि वसूल कर ली गई, लेकिन 22 टावर्स में से केवल 5 टावर्स का ही निर्माण पूरा किया गया है। वहीं साल 2020 के बाद से परियोजना में कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ है।

आवंटियों का आरोप है कि बिल्डर और भूमि मालिक ने उनके साथ धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपये का गबन किया है। जिस पर सुनवाई करते हुए रेरा ने माना कि दिवालिया कार्यवाही के दौरान भी प्राधिकरण को परियोजना की वित्तीय अनियमितताओं की जांच करने का अधिकार है। इसके साथ ही प्राधिकरण ने रेरा रजिस्ट्रार को निर्देश दिए गए हैं कि दो माह के अंदर स्वतंत्र ऑडिटर नियुक्त कर फॉरेंसिक ऑडिट पूरा कराए।

राहगीरों से मोबाइल छीनने वाला दबोचा

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए राहगीरों से मोबाइल छीनने वाले एक शातिर मोबाइल स्नैचर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ पहले से विभिन्न थानों में आठ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि श्याम नगर थाना पुलिस और डीएसटी ने कार्रवाई करते हुए राहगीरों से मोबाइल छीनने वाले एक शातिर मोबाइल स्नैचर आकाश मेहरा (21) निवासी कोतवाली जिला टोंक हाल मुहाना को गिरफ्तार किया है। श्याम नगर थानाधिकारी दलबीर सिंह ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि आकाश मेहरा आदतन अपराधी है।

1359 करोड़ रुपये की एनएच-62 फोरलेन परियोजना को मंजूरी

■ नागौर-बीकानेर फोरलेन मार्ग से विकास को मिलेगा नया आयाम

■ सुगम कनेक्टिविटी से निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, उद्योग-पर्यटन को गति मिलेगी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में सड़क तंत्र का तेजी से सुदृढ़ीकरण हो रहा है। इसी दिशा में उनके प्रयासों से केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने नागौर-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-62) के फोरलेन निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना को लगभग 1359.33 करोड़ रुपये की लागत से बीओटी (टोल) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। इससे पश्चिमी राजस्थान की कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिलने के साथ ही निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही, औद्योगिक एवं पर्यटन गतिविधियों को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने नागौर-बीकानेर फोरलेन परियोजना को स्वीकृति मिलने पर कहा कि डबल इंजन सरकार के विजन और सशक्त नेतृत्व में राजस्थान में आधारभूत संरचनाओं के विकास को निरंतर बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही, आधुनिक, सुरक्षित और सुगम सड़क नेटवर्क का प्रदेश में विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से नागौर और बीकानेर सहित नजदीकी क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी। साथ ही, यह परियोजना विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के 4399 दिन पूर्ण होने पर भाजपा नेताओं ने की विशेष पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने झारखंड महादेव मंदिर की पूजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 4399 दिन का कार्यकाल पूर्ण होने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने झारखंड महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की।

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीएम पद पर 4399 दिन पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा द्वारा प्रदेशभर में विशेष पूजा-अर्चना कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जयपुर स्थित झारखंड महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनसेवा की कामना की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूजन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं।

रेलवे के सुदृढ़ीकरण गरीबों के लिए आवास, रोजगार सृजन, पेयजल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, किसानों की समृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण तथा विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने जैसे अनेक ऐतिहासिक कार्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुए हैं। झारखंड महादेव मंदिर में आयोजित पूजा-अर्चना कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री डॉ. अपूर्वा सिंह तथा भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर स्थित मोती डूंगरी गणेश मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर जनसेवा की कामना की। पूजा-अर्चना के उपरांत मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. अलका गुर्जर, भाजपा कार्यालय सचिव मुकेश पारीक, विधायक कालीचरण सराफ सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने जयपुर स्थित गोविंद देवजी मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल, विधायक बालमुकुंदाचार्य तथा जिला अध्यक्ष अमित गोयल सहित अनेक नेताओं ने पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं सफल नेतृत्व की कामना की।

नाबालिगों की बरामदगी नहीं होने पर हाईकोर्ट सख्त

अजमेर पुलिस अधीक्षक और चौमूं थानाधिकारी को तलब किया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग किशोरियों की बरामदगी नहीं होने के दो अलग-अलग मामलों में अजमेर एसपी और चौमूं थानाधिकारी को अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने एसपी को 23 जून को पेश होकर बताने को कहा है कि मामले में अब तक क्या कार्रवाई की गई। वहीं अदालत ने लापता की बरामदगी नहीं होने पर चौमूं थानाधिकारी को 22 जून को हाजिर होने को कहा है। अदालत ने कहा है कि मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश कर थानाधिकारी का शपथ पत्र पेश कर बताए कि लापता की बरामदगी करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। जस्टिस उमाशंकर व्यास और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश लापताओं की मां पुष्पा व सुनीता की ओर से दायर अलग-अलग बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

पुष्पा की ओर से अधिवक्ता एएस शेखावत ने याचिका दायर कर कहा कि उसने अपने 19 साल की दिव्यांग बेटी की गुमशुदगी को लेकर 7 अगस्त, 2025 को अजमेर के क्लॉक टावर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले में पड़ोसी पर शक जताया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर अदालत ने आश्चर्य जताया की दिव्यांग किशोरी होने से जुडे अपराध में एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। इसके साथ ही अदालत ने मामले में एसपी को तलब किया है। जबकि दूसरे मामले में सुनीता कुमावत ने 3 नवंबर, 2025 को चौमू थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी को संबंधित व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया है।

अलवर में नाबालिग बेटे ने हथियार से गला काटकर पिता की हत्या की

बेटे ने पिता पर एक के बाद एक छह वार किए, पुलिस ने बेटे को डिटेन किया

- वारदात को अंजाम देने के बाद नाबालिग बेटे ने अपने मामा को फोन कर कहा कि घर जाकर पापा को बचा लो
- लड़के की मां अपने भाई की शादी में अपने पीहर गई हुई थी, घर पर सिर्फ पिता और बेटा ही थे
- पुलिस की मानें तो पिता शराब का आदी था, वह ई-रिक्शा चलाता था और किराये के मकान में रहता था

अलवर, (निसं)। 17 साल के बेटे ने गंडासे (लकड़ी काटने वाला धारदार हथियार) से अपने पिता की गला काटकर हत्या कर दी। उसने एक के बाद एक 6 वार किए। मौके पर ही पिता ने दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद नाबालिग बेटे ने अपने मामा को फोन कर कहा- घर जाकर पापा को बचा लो। पुलिस ने बेटे को डिटेन कर लिया है। यह मामला अलवर के अरावली विहार थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार बेटे ने पिता पर हमला उस समय किया, जह वह गहरी नींद में थे। पुलिस की मानें तो शुरुआती पूछताछ में उसने हत्या के कारणों का कोई खुलासा नहीं किया है। लड़के की मां अपने भाई की शादी में पीहर गई हुई थी। घर पर सिर्फ पिता और बेटा थे। 7 जून को साले की शादी थी। पूरा परिवार शादी समारोह में गया था। 8 जून को बेटा और पिता अलवर लौट आए थे। पुलिस की मानें तो पिता शराब का आदी था। वह ई-रिक्शा चलाता था। हत्या करने के बाद घबराए या गुमराह करने के लिए नाबालिग ने पास ही मौजूद अपने मामा को फोन कर पिता को बचाने की गुहार लगाई।

अरावली विहार थाने के एसएचओ रामेश्वर दयाल ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10 बजे पुलिस को इस घटना की सूचना मिली थी। पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे, तो कमरे का नजारा देखकर सन्न रह गए। बिस्तर पर लहूलुहान शव पड़ा था। उसका गला बुरी तरह कटा हुआ था। पुलिस ने तुरंत शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां बुधवार सुबह पोस्टमॉर्टम किया गया।

मामा ने पुलिस को बताया कि भांजे का फोन आया कि मामा घर जाओ और पापा को बचा लो। मैं जब भागकर वहां पहुंचा, तो जीजाजी खून से सने पड़े थे। उनकी सांसें थम चुकी थीं। हमें अंदाजा भी नहीं था कि वो ऐसा कुछ कर देगा।

पुलिस जांच में सामने आया है कि पिता मूल रूप से डीग जिले का रहने वाला था। वह अपने परिवार के साथ अलवर में किराए के मकान में रहता था। 9 जून की रात करीब 9 बजे वह घर आया और सो गया था। इसके कुछ देर बाद ही बेटे ने उसकी हत्या कर दी।

पोकरण में सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने रिश्वत ली

- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब तैयार कर फाइल में लगाने की एवज में आरोपित रिश्वत मांग रहा था

जयपुर/पोकरण। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वतखोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जैसलमेर जिले के पोकरण में बाल विकास परियोजना कार्यालय के एक सहायक प्रशासनिक अधिकारी को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब तैयार कर फाइल में लगाने की एवज में आरोपित रिश्वत मांग रहा था।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार एसीबी कार्यालय में बाल विकास परियोजना अधिकारी साकड़ा मुख्यालय पोकरण में कार्यरत सहायक प्रशासनिक अधिकारी भवानीसिंह के खिलाफ शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत में बताया गया कि परिवादी की माता आंगनबाड़ी केंद्र रामपुरा में कार्यरत है, जहां बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) साकड़ा द्वारा 3 जून को आंगनबाड़ी केंद्र रामपुरा चौक का औचक निरीक्षण किया गया था, जिसमें परिवादी की माता अनुपस्थित मिली। इसके बाद उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। शिकायत के अनुसार नोटिस का जवाब प्रस्तुत करने के लिए परिवादी कार्यालय पहुंचा तो सहायक प्रशासनिक अधिकारी भवानीसिंह ने नोटिस का जवाब तैयार करवाने, उसे सीडीपीओ के समक्ष प्रस्तुत करने तथा नोटिस को फाइल करवाने के बदले पांच हजार रुपये रिश्वत की मांग की। रिश्वत नहीं देने पर परिवादी को परेशान किया जा रहा था। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी ने कार्रवाई की योजना बनाई। एसीबी चौकी जैसलमेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपतचंद के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान आरोपित भवानी सिंह को परिवादी से पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

म्यूटेशन भरने की एवज में चार हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

आरोपी पटवारी।

- परिवादी ने एसीबी मुख्यालय जयपुर की हेल्पलाइन 1064 पर शिकायत दर्ज कराई थी

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जालोर इकाई ने बुधवार को सायला तहसील की एलआर शाखा में कार्यरत तथा पटवार हल्का सांगाणा का अतिरिक्त चार्ज संभाल रहे पटवारी बंटी मीणा को चार हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

एसीबी के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि आरोपी पटवारी परिवादी की कषि भूमि का म्यूटेशन भरने के बदले दस हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा था। इस संबंध में परिवादी ने एसीबी मुख्यालय जयपुर की हेल्पलाइन 1064 पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर जालोर इकाई ने ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि जोधपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरवीजन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। ट्रैप के दौरान आरोपी पटवारी से चार हजार रुपये की रिश्वत राशि बरामद की गई। जांच में यह भी सामने आया कि मांग सत्यापन के दौरान आरोपी पहले ही दो हजार रुपये रिश्वत के रूप में प्राप्त कर चुका था। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव तथा महानिरीक्षक एस. परिमाला के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ की जा रही है। साथ ही उसके ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई भी की जा रही है। एसीबी द्वारा आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

विराटनगर के नवरंगपुरा गांव में पिंजरे में कैद हुई मादा पैंथर

वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में पिंजरा लगाकर पैंथर को रेस्क्यू किया।

- वन विभाग ने मादा पैंथर को सफल रेस्क्यू कर सन लेपर्ड कंजर्वेशन सेंटर, बूचारा में सुरक्षित छोड़ा

पावटा, (निसं)। विराटनगर की ग्राम पंचायत नवरंगपुरा क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से पैंथर की लगातार आवाजाही देखी जा रही थी, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को सूचना देने पर विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में पिंजरा लगाया। वन विभाग के अनुसार 9 जून को दोपहर नवरंगपुरा गांव के पास पिंजरा लगाया गया था। रात करीब 10:05 बजे एक पैंथर पिंजरे में कैद हो गया। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय वन अधिकारी विराटनगर वीरेन्द्र सिंह भावरिया, फॉरेस्टर चैतन्य चान्दोलिया तथा बीट अधिकारी आँचल वर्मा के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। वन विभाग की टीम ने पिंजरे में कैद पैंथर को सुरक्षित रेस्क्यू कर सन लेपर्ड कंजर्वेशन सेंटर, बूचारा में छोड़ दिया।

विभाग के अनुसार पकड़ी गई पैंथर मादा थी, जिसकी आयु लगभग डेढ़ से दो वर्ष आंकी गई है। अधिकारियों ने बताया कि रेस्क्यू अभियान चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन ग्रामीणों के सहयोग से इसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि नवरंगपुरा तथा आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में लंबे समय से बघेरों की आवाजाही बनी हुई है। इससे पहले भी गांव में एक बघेरे के बच्चे को पिंजरे की सहायता से पकड़ा गया था, लेकिन क्षेत्र में वन्यजीवों की गतिविधियां लगातार जारी है। बघेरों के बार-बार दिखाई देने से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार आसपास के पहाड़ी इलाकों में बघेरे अक्सर घूमते रहते हैं और कई बार पालतू पशुओं तथा जंगली जानवरों का शिकार भी कर चुके हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि अब तक क्षेत्र में किसी व्यक्ति पर बघेरे द्वारा हमले की कोई घटना सामने नहीं आई है। वन विभाग ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वन्यजीव दिखाई देने पर स्वयं कोई जोखिम न उठाएं और तुरंत विभाग को सूचना दें।

टोंक में चार करोड़ की हेरोइन जब्त, दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। थाना पीपलू पुलिस व जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पीपलू थाना क्षेत्र के ग्राम अनवरनगर उर्फ भूरावाली के पास ग्रेवल रोड पर भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 49 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है।

पीपलू थानाधिकारी ने बताया कि संयुक्त टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम अनवरनगर से आरोपी हनुमान प्रसाद शर्मा पुत्र रामसहाय शर्मा निवासी हरिपुरा व अमन कुमार शर्मा पुत्र छोटूलाल शर्मा निवासी हरिपुरा पुलिस थाना पीपलू को संदिग्ध पाये जाने पर तलाशी के दौरान उनके कब्जे से भारी मात्रा में 2 किलो 49 ग्राम अवैध मादक पदार्थ हैरोइन को जब्त की गई है। वहीं मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त वाहन बोलेरो व दो स्मार्टफोन भी जब्त किये गये हैं। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट थाने में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। पुलिस ने बताया कि जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थ हैरोईन की अनुमानित कीमत 4 करोड 9 लाख 80 हजार रूपये आंकी गई है। प्रकरण में आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है।

एमडीएमए फैक्टरी प्रकरण का फरार मुख्य आरोपी गिरफ्त में

- फलोदी डीएसटी और बाप थाना पुलिस ने मोडकिया गांव में एक ट्ययूबवेल पर चल रही अवैध एमडीएमए ड्रग्स फैक्टरी का भंडाफोड़ किया था

जोधपुर, (कासं)। फलोदी की जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने एमडीएमए फैक्टरी प्रकरण के मुख्य आरोपी और सरगना धर्माराम डारा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी 21 मई को हुए फैक्टरी खुलासे के बाद से फरार चल रहा था।

एसपी सतनाम सिंह ने बताया कि गत 21 मई को फलोदी डीएसटी और बाप थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मोडकिया गांव में एक ट्ययूबवेल पर चल रही अवैध एमडीएमए ड्रग्स फैक्टरी का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान मौके से आरोपी सुखराम को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। मुख्य आरोपी डारों की ढाणी डाबलिया, विश्नावास, थाना लोहावट निवासी धर्माराम डारा पुत्र राजूराम की तलाश जारी थी। हाल ही में उसके घर आने की सूचना मिली। इस पर एएसपी फलोदी ब्रजराजसिंह चारण और सीओ लोहावट नगेन्द्र कुमार के सुपरविजन में डीएसटी फलोदी प्रभारी प्रदीप एएसआई के नेतृत्व में एक टीम ने धर्माराम के घर दबिश दी। आरोपी को वहीं से पकड़ लिया गया। गिरफ्तार धर्माराम को जांच अधिकारी भोजासर थानाधिकारी जमील खान को सौंप दिया गया है। पुलिस उससे आगे की पूछताछ कर रही है और मामले में जांच जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी धर्माराम का आपराधिक रिकॉर्ड भी है। वह पहले भी मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त रहा है। उसके खिलाफ पुलिस थाना रानी में अवैध डोडा-पोस्त परिवहन का एक मामला दर्ज है। कार्रवाई में डीएसटी फलोदी प्रभारी प्रदीप एएसआई की विशेष भूमिका रही।

कार में एसी चलाकर सोये बैंक मैनेजर की मौत

- श्रीगंगानगर स्थित निजी बैंक शाखा में लोन मैनेजर पद पर कार्यरत था

श्रीगंगानगर, (निसं)। कार में एसी चलाकर सोए प्राइवेट बैंक के लोन मैनेजर की मौत हो गई। घरवालों ने शीशे तोड़कर बॉडी को बाहर निकाला। प्राथमिक जांच में दम घुटने की बात सामने आई है। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस को कार से बीयर के कैन मिले हैं। मैनेजर दो दिन से लापता था। फोन बंद आने से परिवार वाले कॉन्टेक्ट नहीं कर पा रहा था।

जवाहर नगर एसएचओ देवेंद्र सिंह ने बताया कि मुकेश सुथार (32) पुत्र बलराम सुथार, श्रीगंगानगर जिले के 42 एनपी रायसिंहनगर के रहने वाले थे। श्रीगंगानगर के मीरा चौक स्थित निजी बैंक शाखा में लोन मैनेजर के पद पर पोस्टेड थे। करीब पांच साल पहले बैंक की नौकरी जॉइन की थी। शादी चार साल पहले हुई थी। एक बेटी है। मुकेश सोमवार सुबह घर से निकले थे। शाम तक वापस नहीं लौटे और मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था। परिजन लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। मंगलवार रात सर्च के दौरान गगनपथ पर बिहानी चिल्ड्रन्स एकेडमी स्कूल के पास आइसक्रीम पार्लर के बाहर खड़ी उनकी कार दिखाई दी। कार बंद थी और मुकेश कार की स्टेयरिंग सीट पर ही थे। कार के गेट लॉक थे, ऐसे में परिजनों ने शीशे तोड़कर बाहर निकाला। प्रथम दृष्टया सामने आया कि कार का एसी ऑन था, कार कैसे बंद हुई इसकी भी जांच की जा रही है।

जवाहर नगर एसएचओ देवेंद्र सिंह ने बताया कि रात करीब 8.30 बजे जवाहरनगर थाने में मामले की सूचना परिजनों ने दी। हैड कॉन्स्टेबल हरदेव मौके पर पहुंचे। पुलिस को कार के अंदर से बीयर के 4 खाली और दो भरे हुए कैन मिले हैं। शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दम घुटने से मौत हुई है। हालांकि मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

परिजनों का कहना है कि मुकेश का काम लोन से जुड़ा होने के कारण उन्हें अक्सर बाहर जाना पड़ता था और कई बार देर रात घर लौटते थे। परिवार ने आशंका जताई है कि उनकी कार सीएनजी से चलती थी और कार में एसी चालू कर कार में सो गए होंगे। गर्मी और दम घुटने से उनकी मौत हुई हो सकती है। परिवार में कोई विवाद नहीं है।

महिला तांत्रिक पर लाखों के जेवर और नगदी ठगने का आरोप

- कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से केस दर्ज, आरोपी कथित महिला तांत्रिक, उसके बेटे और पति को नामजद किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा एरिया में रहने वाले एक व्यक्ति की पत्नी को किसी कथित महिला तांत्रिक द्वारा लाखों की रकम ठगने का केस दर्ज हुआ है। पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी को कथित महिला तांत्रिक ने जादू टोने के नाम पर फंसाया और जेवर व नगदी ठग ली।

पीड़ित ने कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से केस दर्ज कराया है। आरोपी कथित महिला तांत्रिक, उसके बेटे और पति को नामजद किया गया है। इनके खिलाफ चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में भी प्रकरण दर्ज हो रखा है। आरोपी पहले भी पुलिस में शिकायत दी गई, मगर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

रातानाडा पुलिस ने बताया कि उम्मेद हेरिटेज निवासी नगेंद्र पुरोहित ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी शादी वर्ष 2022 में हुई थी। वर्ष 2023 में उसकी पत्नी गांगाणा की एक महिला जोकि खुद को तांत्रिक बताती थी उसके संपर्क में आ गई। जिसके बाद उसकी पत्नी को कथित महिला तांत्रिक द्वारा घर में क्लेश दूर करने, पति से संबंध विच्छेद आदि की धमकियां देकर जादू टोना एवं तांत्रिक क्रियाएं करवाने लगी।

पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी को कथित महिला तांत्रिक ने वशीभूत कर लिया। उसके पति और पुत्र ने भी इसमें सहयोग दिया। उसकी पत्नी से घर में रखे लाखों के जेवर और नगदी मंगवाकर ठग लिए। गहनों को तांत्रिक क्रिया द्वारा पूजन-पाठ के लिए कहा गया, जोकि हड़प लिए गए। उसके बच्चें को भी दादा-दादी से यह कहकर दूर कर दिया गया कि उनकी छाया नहीं पड़नी चाहिए। उसकी पत्नी खुद बीमार रहने लगी है।

उसके एक मित्र हेमंत से जानकारी मिली कि गांगाणा की इस महिला ने उसकी पत्नी को भी वशीभूत कर लाखों के जेवरात आदि हड़प लिए हैं। हेमंत की तरफ से चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में कथित महिला तांत्रिक, उसके बेटे और पति के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने महिला से बात की तो उसने धमकाया कि उसकी पुलिस और राजनीतिक पहुंच है वह उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता है।

रातानाडा पुलिस ने कथित महिला तांत्रिक, उसके बेटे और पति को नामजद कर अब केस दर्ज किया है। अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

कार्रवाई के विरोध में जोधपुर के शराब ठेकेदारों का प्रदर्शन

कमिश्नर के नहीं मिलने पर वापस लौटे

- आरोप है कि कई जगह अवैध शराब व अन्य नशीले पदार्थों की भी बिक्री हो रही है

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा शराब की दुकान पर की जा रही कार्रवाई के विरोध में ठेकेदारों ने कमिश्नर ऑफिस पहुंचकर विरोध जताया। शराब ठेकेदार दुकानों की चाबी लेकर बुधवार को पहुंचे। उन्होंने सारी चाबियां एक प्लास्टिक के कट्टे में भरकर पुलिस कमिश्नर को सौंपने की बात कही, लेकिन कमिश्नर के नहीं होने के चलते हुए वह चले गए।

जोधपुर लिकर एसोसिएशन के संभागीय अध्यक्ष मुकेश चौधरी ने बताया कि जोधपुर कमिश्नरेट के तहत आने वाली शराब दुकानों के ठेकेदार समयावधि में पुलिस कार्रवाई के चलते ठेके चलाने में असमर्थ हैं। इसलिए चाबियां सौंपने यहां पहुंचे। मुकेश चौधरी ने आरोप लगाया कि शहर में जगह-जगह अवैध शराब बिक रही है। अन्य नशीले पदार्थों की भी बिक्री हो रही है, लेकिन पुलिस सिर्फ शराब की दुकानों पर कार्रवाई कर रही है, क्योंकि वे आसानी से ट्रेसेबल हैं। पुलिस अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही। चौधरी ने आरोप लगाया कि शराब दुकानों पर पुलिस ग्राहकों को पीटती है और उन्हें पकड़कर ले जाती है। साथ ही ठेके के बाहर जो वाहन खड़े रहते हैं, उनके चालान काट दिए जाते हैं। हमें सरकार द्वारा निर्धारित गारंटी के तहत ठेके दिए गए हैं और निर्धारित मात्रा में शराब नहीं बेचने पर 150 फीसदी पेनल्टी नकद भरनी होती है। पुलिस शहर की 60 से 70 फीसदी दुकानों के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। वहां से ग्राहकों को पकड़ कर ले जाती है और उन्हें आगे ले जाकर छोड़ दिया जाता है। कोई केस भी दर्ज नहीं करते हैं।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड करौली

क्रमांक राजकाज-574-92 दिनांक- 03.06.2026

ई-निविदा सूचना संख्या-03/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर सांर विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE: WD2627A0891, UBN NO.: 1. WD2627WSOB03829, 2. WD2627WSOB03831

(ई-हस्ताक्षर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड करौली

DIPR/C/10023/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN

File No. 483-91 Date: 03.06.2026

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 04/2026-27) for Repair & Maintenance work of Court Building at Hindaun City" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 18.06.2026. procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 48.39 lacs.

UBN NO. PWD2627A0892, 1. PWD2627WSOB03832

(Lalit Kumar Meena)
Executive Engineer
PWD Division Hindaun

DIPR/C/10014/2026

श्रीगंगानगर में पारा 46.4 डिग्री दर्ज, कई जिलों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट

श्रीगंगानगर, (निसं)। प्रदेश में दूसरे दिन भी सबसे गर्म जिला श्रीगंगानगर रहा। यहां अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री रिकार्ड किया गया। बुधवार सुबह से धूलभरी आंधी व गर्म हवाओं का दौर जारी है। 11 बजे ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। लोग गर्मी से बेहाल हैं। मौसम विभाग ने 11 जून को जिले में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर बुधवार सुबह न्यूनतम तापमान 32.6 डिग्री रिकार्ड किया गया। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री और अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री रिकार्ड किया गया। वहीं, सोमवार को यहां न्यूनतम तापमान 29.8 डिग्री और अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार 11 जून को प्रदेश में एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इसके प्रभाव से कई जिलों में आंधी बारिश व ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार से हवाएं चलेगी और बारिश होगी।

हनुमानगढ़ में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में बुधवार को भीषण गर्मी और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। दोपहर साढ़े चार बजे तक जिले का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सुबह से तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित रहा, जिससे सड़कों पर आवाजाही और बाजारों में चहल-पहल कम दिखाई दी। रात के समय भी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि न्यूनतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे तापमान और उमस के कारण गर्मी का असर अधिक महसूस हो रहा है। दिनभर चलने वाली गर्म हवाओं के साथ उमस भी लोगों को परेशान कर रही है। डॉक्टरों ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की साप्ताहिक मौसम पूर्वानुमान रिपोर्ट के अनुसार 11 जून से मौसम में बदलाव की संभावना है। गुरुवार को आंशिक रूप से बादल छाने के साथ कहीं-कहीं गरज के साथ हल्की बारिश और धूलभरी आंधी चलने के आसार हैं। 12 जून को भी इसी तरह की स्थिति बनी रह सकती है।

मौसम विभाग ने बताया कि 13 जून से 15 जून के बीच जिले में गर्जना के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान कई स्थानों पर आंधी, बिजली चमकने और वर्षा होने की संभावना जताई गई है। लगातार मौसम परिवर्तन के कारण अधिकतम तापमान में भी गिरावट आने की उम्मीद है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर नजर रखने की सलाह दी है।

बीकानेर की नहर में डूबे दो युवकों में से एक का शव मिला

- -दूसरे की तलाश जारी, रेस्क्यू ऑपरेशन दोबारा शुरू किया

बीकानेर, (निसं)। महाजन में कंवरसेन वितरिका नहर में डूबे दो युवकों में से एक का शव बुधवार सुबह बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरे युवक की तलाश अभी भी जारी है। घटना के बाद से प्रशासन, पुलिस और एसडीआरएफ की टीम लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है।

जानकारी के अनुसार, महाजन निवासी 2 युवक मंगलवार दोपहर नहर में नहाने के लिए उतरे थे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। देर शाम तक नहर में तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन अंधेरा होने के कारण कोई सफलता नहीं मिल सकी। बुधवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अभियान के दौरान दिनेश मेघवाल पुत्र सुरजाराम मेघवाल का शव नहर से बरामद कर लिया गया। शव मिलने के बाद परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। एसडीआरएफ की टीम अब भी दूसरे युवक जगदीश मेघवाल की तलाश में जुटी हुई है। नहर के विभिन्न हिस्सों में लगातार खोजबीन की जा रही है। प्रशासन को उम्मीद है कि जल्द ही युवक का पता लगाया जा सकेगा। घटना स्थल पर उपतहसीलदार सुंदरपाल गोदारा, महाजन पुलिस के अधिकारी तथा एसडीआरएफ की टीम मौजूद है। प्रशासन द्वारा पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है और राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त बून्दी

क्रमांक- केशियर/डी-442 दिनांक02.06.2026

निविदा सूचना संख्या 03/2026-27

NIB CODE: PWD2627A0869

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से ''मेणोली से हरिपुरा उर्फ काली तलाई तक सड़क'' के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त पात्र श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष से पांच/दस वर्ष की गारण्टी अवधि सहित निम्न कार्यो की निर्धारित प्रपत्र में ईप्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "www.dippr.rajasthan.gov.in", http://eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है। निविदा अपलोड करने की तारीख 12.06.2026 (शुक्रवार) से 02.07.2026 (गुरूवार) को सायं 6.00 बजे तक।

UBN is: PWD2627WSOB03769

(मुकेश कुमार गुप्ता)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त बूंदी

DIPR/C/9907/2026

खोह-नागोरियान क्षेत्र में 5 अवैध पटाखा फैक्ट्री और गोदाम सील, भारी मात्रा में बारूद-कैमिकल बरामद

पटाखा फैक्ट्री अग्निकांड में 8 मौतों के बाद जागा पुलिस प्रशासन, फरार आरोपियों की तलाश शुरू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण अग्निकांड में आठ लोगों की मौत के बाद पुलिस-प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। पुलिस ने इलाके में व्यापक सर्च अभियान चलाकर अब तक 5 अवैध पटाखा फैक्ट्री-गोदामों को सील किया है। बताया जा रहा है कि खोह नागोरियान, आयशा कॉलोनी और जावेद विहार क्षेत्र में अवैध पटाखा निर्माण और भंडारण स्थल मिले हैं। जहां पर भारी मात्रा में बारूद, पोटाश, केमिकल, पटाखों के खाली खोल तथा अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। जावेद विहार स्थित फैक्ट्रियों से पटाखा निर्माण में उपयोग होने वाली दो मशीनें भी जब्त की हैं। पुलिस कार्रवाई के बाद क्षेत्र की कई अन्य अवैध फैक्ट्रियां बंद मिलीं।

5 फैक्ट्री-गोदाम सील, कई मुकदमे होंगे दर्ज

पुलिस ने बताया कि आयशा कॉलोनी स्थित मुख्य गोदाम के अलावा जावेद विहार में संचालित तीन अन्य गोदामों सहित कुल पांच अवैध फैक्ट्री-गोदामों को सील किया गया है। ये गोदाम मुख्य आरोपी याकूब खान और उसके भतीजे कयूम खान से जुड़े बताए जा रहे हैं। विभिन्न स्थानों से अवैध विस्फोटक सामग्री मिलने के कारण आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम सहित अन्य गंभीर धाराओं में एक से अधिक प्रकरण दर्ज किए जाएंगे।

भू-माफिया निकले मकान मालिक

जांच में सामने आया है कि जिस मकान में विस्फोट हुआ, उसके मालिक याकूब और कयूम रिश्ते में चाचा-भतीजा हैं। दोनों पर इलाके में जमीन कब्जाने के कई आरोप हैं और इनके खिलाफ पहले से भी मुकदमे दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि सितंबर माह में एक महिला ने भी इनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था, लेकिन उस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

एक मीटर से चल रही थी दो मकानों की बिजली

हादसे की जांच में एक और गंभीर तथ्य सामने आया है। याकूब और कयूम के दो अलग-अलग मकानों में एक ही बिजली मीटर से अवैध रूप से सप्लाई ली जा रही थी। इसी बिजली का उपयोग व्यावसायिक स्तर पर बारूद पीसने और पटाखे बनाने के लिए किया जा रहा था। इससे स्थानीय स्तर पर निगरानी व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

अग्निकांड के बाद सबूत मिटाने की कोशिश

घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल टीम ने नमूने एकत्र कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हादसे के बाद आरोपियों ने फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरे और इंटरनेट राउटर तोड़कर सबूत मिटाने का प्रयास किया। जांच में यह भी पता चला है कि यहां शादियों और आयोजनों में उपयोग होने वाले 'कोल्ड फायर' पटाखों का निर्माण किया जा रहा था। मुख्य आरोपी ने करीम नगर-बी स्थित मकान संख्या 88 को बीच में दीवार खड़ी कर दो हिस्सों में बांट रखा था।

दिल्ली का फिरोज चला रहा था अवैध फैक्ट्री

पुलिस जांच में सामने आया है कि करीम नगर-बी स्थित मकान याकूब पुत्र नजीर खान का है, जिसने इसे दिल्ली निवासी फिरोज को किराए पर दे रखा था। आरोप है कि फिरोज बिना किसी वैध अनुमति और सुरक्षा मानकों के यहां अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालित कर रहा था। हादसे के बाद से फिरोज, याकूब खान और कयूम खान फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

बिजली कनेक्शनों की जांच में जुटा विभाग

बिजली विभाग के सहायक अभियंता सुधीर कुमार चौधरी ने मौके का निरीक्षण कर बताया कि याकूब खान के नाम दो बिजली कनेक्शन दर्ज हैं। एक कनेक्शन घटना स्थल के पास जबकि दूसरा दाऊद नगर में है। दाऊद नगर स्थित मकान बंद मिला और वहां किसी प्रकार की औद्योगिक गतिविधि नहीं पाई गई।

दिल्ली से आता था पटाखों का कच्चा माल

स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में कई वर्षों से पटाखों के निर्माण और पैकिंग का अवैध कारोबार संचालित हो रहा था। इसके लिए कच्चा माल दिल्ली से ट्रकों के जरिए लाया जाता था। पुलिस ने आयशा कॉलोनी के कई घरों में भी छापेमारी की है, जहां घरेलू स्तर पर पटाखों की पैकिंग और निर्माण का काम किए जाने की आशंका है।

थानाधिकारी समेत 9 पुलिसकर्मी सस्पैंड

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने खोह-नागोरियान क्षेत्र में संचालित अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए अग्निकांड की घटना को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए प्रारंभिक जांच में लापरवाही के लिए जिम्मेदार पाए गए थानाधिकारी सहित 9 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पैंड) कर दिया है।

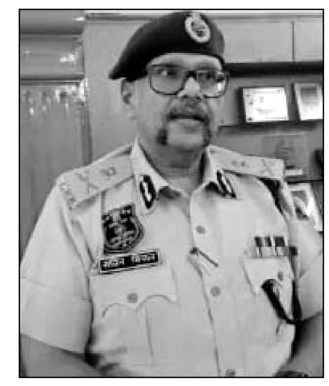

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल

पुलिस कमिश्नर मित्तल ने बताया कि

- जयपुर में अवैध विस्फोटक सामग्री और पटाखे रखने वालों की सघन जांच के आदेश

अंतरिम जांच रिपोर्ट के आधार पर थानाधिकारी खोह-नागोरियान ओमप्रकाश मातवा सहित हैड कांस्टेबल अशोक, रामावतार, दिनेश, आसिफ, हरेन्द्र और अशोक को निलंबित कर दिया है। साथ ही पुलिस उपायुक्त पूर्व रंजीता शर्मा ने भी घटना के तुरंत बाद एएसआई अमर सिंह और हेड कांस्टेबल पप्पू राम को सस्पेंड किया है।

पुलिस कमिश्नर मित्तल ने घटना की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गहन जांच की जिम्मेदारी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) अजय सिंह को सौंपी है। उनके निर्देशन में एक जांच समिति का गठन किया गया है, जो घटना के सभी पहलुओं, संबंधित अधिकारियों की भूमिका तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन की विस्तृत जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कमिश्नर ने जयपुर शहर में अवैध रूप से संचालित कारखानों, गोदामों, पटाखा भंडारण स्थलों का सर्वे-निरीक्षण करके रिपोर्ट पेश करने को कहा है, ताकि इन पर कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि थाना स्तर पर बीट अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों के माध्यम से डोर-टू-डोर सर्वे कर अवैध रूप से संचालित विस्फोटक सामग्री एवं पटाखों के भंडारण स्थलों की पहचान की जाए।

मंगलवार को विस्फोट में 8 लोगों की मौत हुई थी

गौरतलब है कि मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुए भीषण विस्फोट और आगजनी में एक बच्चे और दो सगे भाइयों सहित कुल आठ लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे थे। इसके बाद संबंधित पुलिसकर्मियों को निलंबित कर अवैध फैक्ट्रियों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया गया। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में यह गोदाम अवैध रूप से चल रहा था। फॉरेंसिक जांच के बाद मकान मालिक और इस धंधे से जुड़े सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

140 करोड़ रुपए की 70 बीघा सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध कॉलोनियों एवं अतिक्रमणों के विरुद्ध व्यापक अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में प्रवर्तन शाखा द्वारा बुधवार को विभिन्न जोनों में बड़ी कार्रवाई कर लगभग 140 करोड़ रुपये की 70 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया तथा करीब 42 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर विकसित की जा रही तीन नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारम्भिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त कर दिया गया।

उप महानिरीक्षक पुलिस एवं मुख्य प्रवर्तन अधिकारी आनन्द शर्मा ने बताया कि जोन-10 क्षेत्र में ग्राम गोविन्दपुरा उर्फ रोपाड़ा, सुमेल एवं बगराना में स्थित लगभग 70 बीघा बेशकीमती चरागाह सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इन स्थलों पर प्लॉटों की बाउंड्रीवाल, टीनशेडनुमा निर्माण, निर्माणाधीन ढांचे एवं अन्य अवैध निर्माणों को जेसीबी मशीनों एवं मजदूरों की सहायता से हटाया गया। मुक्त कराई गई भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 140 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त जोन-12 के ग्राम सरना डूंगर में लगभग 10 बीघा, जोन-17 के ग्राम खोरा बिसल में लगभग 4 बीघा तथा जोन-19 के ग्राम बोराज, जोबनेर रोड पर लगभग 28 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन एवं बिना भू-रूपान्तरण के विकसित की जा रही नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया। इन स्थलों पर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल की सड़कें तथा अन्य अवैध निर्माणों को हटाकर अवैध कॉलोनियां बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

सार-समाचार

रंजिश और कब्जे के विवाद में फायरिंग

जयपुर । राजधानी जयपुर में बुधवार को आपसी रंजिश और कब्जे के विवाद को लेकर फायरिंग की घटना सामने आई है। घटना में शाहिद नामक युवक के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। घायल को तत्काल उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। पुलिस के अनुसार घायल शाहिद भट्टा बस्ती क्षेत्र का निवासी है। फायरिंग की यह घटना अशोक नगर थाना क्षेत्र में हुई। घटना की सूचना मिलते ही अशोक नगर थाना पुलिस और एसएमएस थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फायरिंग के पीछे आपसी रंजिश और कब्जे को लेकर चल रहा विवाद कारण हो सकता है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस घटना में शामिल आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। इसके लिए आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों और संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े सभी तकनीकी और भौतिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय गौ सम्मान संकल्प यात्रा रवाना

जयपुर । अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय गौ सम्मान संकल्प यात्रा "11 ज्योतिर्लिंग पीठाधीश्वर संवाद अभियान" श्रद्धा, उत्साह और जयघोष के वातावरण में रवाना हुई। यात्रा के शुभारंभ पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं गौभक्तों ने यात्रा दल पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया तथा गौ संरक्षण एवं राष्ट्रहित के इस अभियान की सफलता के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। यात्रा की रवानगी से पूर्व सभी श्रद्धालुओं एवं यात्रा दल के सदस्यों ने टोंक रोड सांगानेर स्थित श्री पिंजरापोल गौशाला में भगवान काल भैरव की विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में परिषद की संयुक्त सचिव मोनिका चतुर्वेदी गुप्ता सहित गौसेवा, कृषि, ग्रामीण विकास एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हैं। 15 जून तक चलने वाली यह यात्रा देश के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों, संतों और धर्माचार्यों से संवाद स्थापित कर राष्ट्रीय गौ सम्मान घोषणा-पत्र तैयार करेगी, जिसे केंद्र एवं राज्य सरकारों को सौंपा जाएगा। यात्रा के प्रमुख पडावों में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं कालभैरव मंदिर (उज्जैन), ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, शिर्डी साईं बाबा समाधि मंदिर, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, शनि शिंगणापुर तथा पंचवटी (नासिक) शामिल हैं। यात्रा के दौरान ज्योतिर्लिंग पीठाधीश्वरों, संत-महात्माओं, गौशाला संचालकों, कृषकों और सामाजिक संगठनों से संवाद कर गौ संरक्षण, गौ संवर्धन, प्राकृतिक कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण से जुडे सुझाव एकत्र किए जाएंगे। डॉ. अतुल गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय गौ सम्मान संकल्प यात्रा का उद्देश्य गौमाता को राष्ट्रीय सांस्कृतिक धरोहर घोषित कराने के लिए जनमत तैयार करना, गौहत्या निषेध कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय सहमति विकसित करना तथा गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस पहल करना है।

कांग्रेस ने कृषि मंत्री से इस्तीफा मांगा

जयपुर । बीज कंपनियों के सैंपल पास कराने के बदले कथित रिश्वत लेने के मामले में एसीबी की कार्रवाई के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट जारी कर कहा कि अब सफाई देने का नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने का समय है। पार्टी ने कहा कि यदि मंत्री के पास नैतिकता बची है तो उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए, अन्यथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सीकर में संदीप नामक व्यक्ति पर मंत्री के नाम से लाखों रुपए की उगाही करने के आरोप लगे थे और पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया था। पार्टी का दावा है कि इसके बावजूद मंत्री उसके बचाव में सामने आए। कांग्रेस के अनुसार अब उसी व्यक्ति का नाम एसीबी जांच में है।

हाऊसिंग बोर्ड की बैठक में हुए अहम निर्णय

जयपुर । राजस्थान आवासन मंडल की 255वीं बोर्ड बैठक एवं परियोजना समिति की 176वी बैठक बुधवार को मुख्यालय में हुई। यूडीएच के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं आवासन मंडल के अध्यक्ष आलोक गुप्ता की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आवासीय विकास, आधारभूत संरचना विस्तार तथा जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता ने बताया कि उदयपुर की पानेरियों की मादड़ी आवासीय योजना में एलआईजी श्रेणी के 144 (ज़ी3) फ्लैट्स के निर्माण कार्य के लिए 16.91 करोड़ रुपये तथा ईडब्ल्यूएस श्रेणी के 160 (ज़ी3) फ्लैट्स निर्माण के लिए 14.82 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। बाड़मेर-लंगेरा आवासीय योजना, जोधपुर में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 80 तथा अल्प आय वर्ग के 120 आवासों के निर्माण कार्य के लिए 14.84 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति को भी अनुमोदन दिया गया। परियोजना समिति की बैठक में प्रताप नगर जयपुर के सेक्टर-22 स्थित सामुदायिक केंद्र के संशोधित मानचित्र को अनुमोदित किया गया। अलवर की एन.ई.बी. विस्तार आवासीय योजना के सेक्टर-06 में ग्रुप हाउसिंग के लिए आरक्षित भूखंड पर एमआईजी-1 तथा एलआईजी श्रेणी के 64 फ्लैट्स के नियोजन को स्वीकृति दी गई। जयपुर की इंदिरा गांधी नगर आवासीय योजना के सेक्टर-09 में ग्रुप हाउसिंग के लिए आरक्षित ब्लॉक-ए एवं ब्लॉक-बी के पुनर्गठन के बाद एमआईजी-बी श्रेणी के 176 फ्लैट्स के भवन मानचित्र को मंजूर किया।

ऑन डिमांड बाइक चोरी करने वाली गैंग के 5 बदमाश दबोचे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी में बढ़ती वाहन चोरी की वारदातों पर लगाम लगाने के लिए प्रताप नगर और बजाज नगर थाना पुलिस ने जिला विशेष टीम (डीएसटी) के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए ऑन डिमांड बाइक चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की 45 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। पूछताछ में आरोपियों ने जयपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से 60 से अधिक दोपहिया वाहन चोरी करना स्वीकार किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में रणजीत भील (23) निवासी सुल्तानपुर, कोटा हाल शिवदासपुरा, विवेक कुमार उर्फ लाला मीणा (22) निवासी टोडाभीम जिला करौली, किरोड़ी मीणा (43), रामसिंह मीणा (37) और रामकेश मीणा (25) निवासी रैणी जिला अलवर शामिल हैं। गिरोह में शामिल एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया गया है। डीसीपी (पूर्व) ने बताया कि प्रताप नगर थाना क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरी और नकबजनी की घटनाओं को देखते हुए थानाधिकारी पूरणमल यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। वहीं बजाज नगर में थानाधिकारी रामधन डोभाल के नेतृत्व में अलग टीम बनाई गई। दोनों टीमों ने डीएसटी प्रभारी एसआई बन्ना लाल की टीम के साथ मिलकर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्धों की पहचान की। इसके बाद विभिन्न ठिकानों पर दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इंदिरा नगर क्षेत्र से किरोड़ी, रामसिंह और रामकेश को पकड़ा गया, जबकि प्रताप नगर क्षेत्र से विवेक और रणजीत को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी विवेक कुमार उर्फ लाला मीणा पिछले तीन वर्षों से खो नागोरियान थाने में दर्ज पॉक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 3 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले वाहन मालिकों और पार्किंग स्थलों की रेकी करते थे। इसके बाद मांग के अनुसार मोटरसाइकिल चोरी कर अन्य जिलों में मात्र 5 हजार रुपए तक में बेच देते थे।

'राजस्थान रिफाइनरी में इसी माह डीजल का उत्पादन'

इस रिफायनरी के उत्पादों का अधिकतम उपयोग राजस्थान में ही सुनिश्चित करेंगे, ताकि प्रदेश में निवेश, रोजगार और राजस्व बढ़ेगा : मुख्य सचिव

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा है कि एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी द्वारा रिफाइन डीजल, एलपीजी और पेट्रोल आदि उत्पादों का अधिकतम उपयोग राजस्थान में ही सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि प्रदेश में निवेश, रोजगार और राजस्व के नए अवसर विकसित हो सके। उन्होंने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी से कच्चे तेल के परिस्करण के बाद डीजल का उत्पादन इसी माह से होने लगेगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास रिफाइनरी के उत्पादों के प्रदेश में ही विपणन नेटवर्क के संबंध में माइंस, पेट्रोलियम, सामान्य प्रशासन, गृह, ट्रांसपोर्ट, राजस्व सहित संबंधित विभागों और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम रिफाइनरी के अधिकारियों की सचिवालय के चिंतन कक्ष में आयोजित बैठक को दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी राजस्थान की प्रेस्टिजियस परियोजना है और इसमें राजस्थान सरकार की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी शुरु होने पर सबसे पहले डीजल और एलपीजी का उत्पादन होगा। एक मोटे अनुमान के अनुसार राजस्थान रिफाइनरी से 4 मिलियन मेट्रिक टन डीजल सालाना परिसंस्करित होगा। उन्होंने रिफाइनरी के उत्पादों के राज्य में विपणन संभावनाओं को तलाशने और समन्वय के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए। समिति में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के निदेशक विपणन अमित गर्ग और संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रिफाइनरी प्रोजेक्ट को लेकर प्रदेश के सरकारी विभागों व हिन्दुस्तान पेट्रोलियम रिफाइनरी के अधिकारियों की सचिवालय में हुई बैठक को दिल्ली से वर्चुअली संबोधित किया।

श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी के उत्पादों का विपणन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम द्वारा राज्य में आउटलेट खोलकर किया जा सकेगा। इसके साथ ही राज्य में स्टेट मोटर गैराज, राजस्थान पथ परिवहन विभाग, पुलिस, कारागाह, राजस्थान पर्यटन विभाग के होटल्स व जिला स्तर पर आरंभ में डीजल, पेट्रोल आदि से समन्वय बनाते हुए आउटलेट शुरु करने की संभावनाओं को तलाशा जाएगा। उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में मोटर गैराज के पीओएल वितरण केन्द्र है। इनके अलावा शेष जिलों के जिला कलक्टर पूल में पीओएल आउटलेट शुरु करने की संभावनाएं देखी जाएगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी पूरी तरह से उत्पादन आरंभ होने पर 4 मिलियन टन सालाना डीजल, एक मिलियन टन सालाना पेट्रोल, एक मिलियन टन सालाना पॉलीप्रोपलिन सहित एलएलडीपीई, एचडीपीई, ब्यूटाडाइन, बेन्जीन, टोल्यूइन और सल्फर का उत्पादन होगा। रिफाइनरी के उत्पादों को राज्य में ही बाजार दिलाने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय बनाया जाएगा। इसके अलावा करीब 300 पीओएल वितरण केन्द्र हिन्दुस्तान पेट्रोलियम द्वारा राज्य में खोल कर संचालित करना प्रस्तावित किया गया है।

मणिपुर से राजस्थान आ रही 4.50 करोड़ रु. की अफीम जब्त

राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने मुख्य तस्कर सहित दो बदमाशों को दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए मणिपुर से राजस्थान लाई जा रही करीब 88.970 किलोग्राम अवैध अफीम की खेप जब्त की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 4.50 करोड़ रुपए बताई जा रही है। हरियाणा के सिरसा जिले में हरियाणा पुलिस के सहयोग से की गई इस कार्रवाई को हाल के वर्षों में एएनटीएफ की सबसे बड़ी और प्रभावशाली कार्रवाई माना जा रहा है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान के तहत एएनटीएफ ने उत्तर-पूर्वी राज्यों से राजस्थान में पहुंच रही मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क पर तकनीकी निगरानी शुरू की थी। एएनटीएफ के महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि 'मणिपुर मॉड्यूल' पर कई महीनों तक काम करने के बाद पांच राज्यों में फैले तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया।

जांच के दौरान पाली निवासी सुखराम विश्नोई एएनटीएफ के रडार पर आया, जो लगातार मणिपुर और राजस्थान के बीच आवाजाही कर रहा था। एएनटीएफ की टीमें उसके पीछे लगी रहीं। जांच में सामने आया कि नशे की खेप का सौदा तय करने के बाद सुखराम लखनऊ पहुंचा और वहां से नैनीताल व कैंची धाम भी गया। इस दौरान

राजस्थान पुलिस की ए.एन.टी.एफ. ने मणिपुर से राजस्थान लाई जा रही करीब 88.970 किलोग्राम अवैध अफीम जब्त की।

- आरोपियों ने ट्रक के नीचे बना था गुप्त तहखाना, इसी में छिपाकर लाते थे नशे की खेप

एजेंसियां लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थीं।

जब सुखराम जयपुर की ओर बढ़ा तो एएनटीएफ ने उसे पकड लिया, लेकिन उसके वाहन से कोई मादक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। पूछताछ और तकनीकी जांच में उसके रिसेट किए गए मोबाइल उपकरणों से एक संदिग्ध ट्रक के फास्टैग की जानकारी मिली। जांच में सामने आया कि उस ट्रक का फास्टैग भुगतान स्वयं सुखराम कर रहा था।

ट्रक मणिपुर से असम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश होते हुए हरियाणा पहुंच चुका था। इसी दौरान मुख्य सूत्रधार ने ट्रक चालक को कोड वर्ड में निर्देश देकर राजस्थान नहीं आने को कहा। इसके बाद ट्रक हरियाणा के सिरसा क्षेत्र में रुक गया।

आईजी विकास कुमार ने सिरसा एसपी दीपक सारण से संपर्क कर संयुक्त कार्रवाई की योजना बनाई। महिला निरीक्षक किरणजीत कौर के नेतृत्व में एएनटीएफ और हरियाणा पुलिस की टीम ने ट्रक को घेर लिया।

प्रारंभिक जांच में ट्रक खाली दिखाई दिया, लेकिन बारीकी से तलाशी लेने पर ट्रक के चेसिस के नीचे लोहे की प्लेटों और नट-बोल्ट से बनाया गया गुप्त तहखाना मिला।

इसे काटकर खोला गया तो उसमें से 95 पोटलियों में पैक 88.970 किलो अवैध अफीम बरामद हुई। मौके से पाली निवासी किशनाराम विश्नोई (44) को गिरफ्तार किया गया, जबकि मुख्य सूत्रधार सुखराम विश्नोई को हिरासत में लिया गया है। एएनटीएफ अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों और सप्लाई चेन की जांच कर रही है। आईजी विकास कुमार ने बताया कि 36 घंटे तक लगातार निगरानी और कार्रवाई कर इस जटिल ऑपरेशन को सफल बनाने वाली महिला निरीक्षक किरणजीत कौर और उनकी टीम को एएनटीएफ मुख्यालय जयपुर में विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि राजस्थान को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

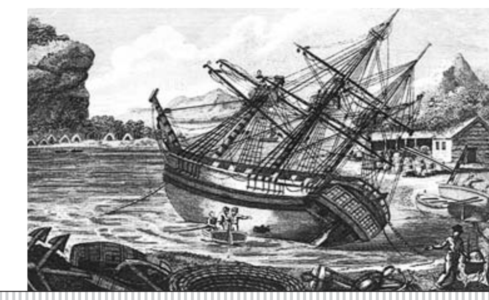

Captain Cook Encounters the Great Barrier Reef

On June 11, 1770, British explorer Captain James Cook made a dramatic discovery when his ship, HMS Endeavour, struck the Great Barrier Reef off the coast of present-day Queensland, Australia. While navigating the eastern coastline during his first Pacific voyage, Cook's vessel ran aground on the coral reef, forcing the crew to stop for repairs. This unexpected encounter led to one of the earliest recorded European observations of the world's largest coral reef system. Cook's journey later helped map Australia's eastern coast, bringing global attention to the vast and fragile marine ecosystem, now recognised as a UNESCO World Heritage Site.

#FABRIC

Fusion of Eri Silk and Kota Doria

The initiative could significantly boost livelihood opportunities for weavers, artisans, and designers associated with the handloom sector

The Ministry of Development of North Eastern Region (DoNER) is exploring a new initiative to combine Eri silk, popularly known as "peace silk," with the traditional Kota Doria weave of Rajasthan to develop a premium handloom fabric aimed at both domestic and international markets.

The proposed collaboration seeks to bring together the rich textile traditions of India's North Eastern states and Rajasthan, creating a sustainable and high-value product that reflects the country's diverse weaving heritage. Officials believe that the initiative could significantly boost livelihood opportunities for weavers, artisans, and designers associated with the handloom sector.

Eri silk is widely appreciated for its eco-friendly and ethical production process. Unlike conventional silk production, the Eri silkworm is not killed during extraction, earning the fabric the title of "peace silk." The fibre is known for its softness, durability, thermal properties, and natural appeal, making it increasingly popular among environmentally conscious consumers across global fashion markets.

Kota Doria, on the other hand, is one of Rajasthan's most celebrated handloom traditions. Originating from Kaithoon near Kota, the fabric is recognised for its lightweight texture, transparent weave, and signature square-check patterns known as "khat." Traditionally woven using cotton and silk blends, Kota Doria has long been valued for its elegance and comfort. As part of the initiative, DoNER Secretary Sanjay Jaju visited the Common Facility Centre at Kaithoon on May 17. He was accompanied by Kota District Collector Piyush Samaria and Managing Director of the North Eastern Handicrafts and Handlooms Development Corporation, Mara Kocho.

During the visit, the delegation interacted with local weavers, artisans, and fashion designers to understand the intricate weaving process of Kota Doria. Officials also explored possibilities for incorporating Eri silk into the fabric structure to create innovative textile products with enhanced aesthetic and commercial value.

The initiative aligns with the government's broader vision of promoting India's traditional handloom sector through innovation, sustainability, and inter-regional collaboration. By merging the craftsmanship of the North East with Rajasthan's weaving expertise, the project aims to strengthen India's position in the global handloom and sustainable fashion market.

Industry experts believe that such collaborations can help revive traditional crafts while opening new economic opportunities for artisan communities. If successfully implemented, the Eri silk-Kota Doria fusion could emerge as a distinctive premium textile representing both heritage and modern sustainable fashion trends.

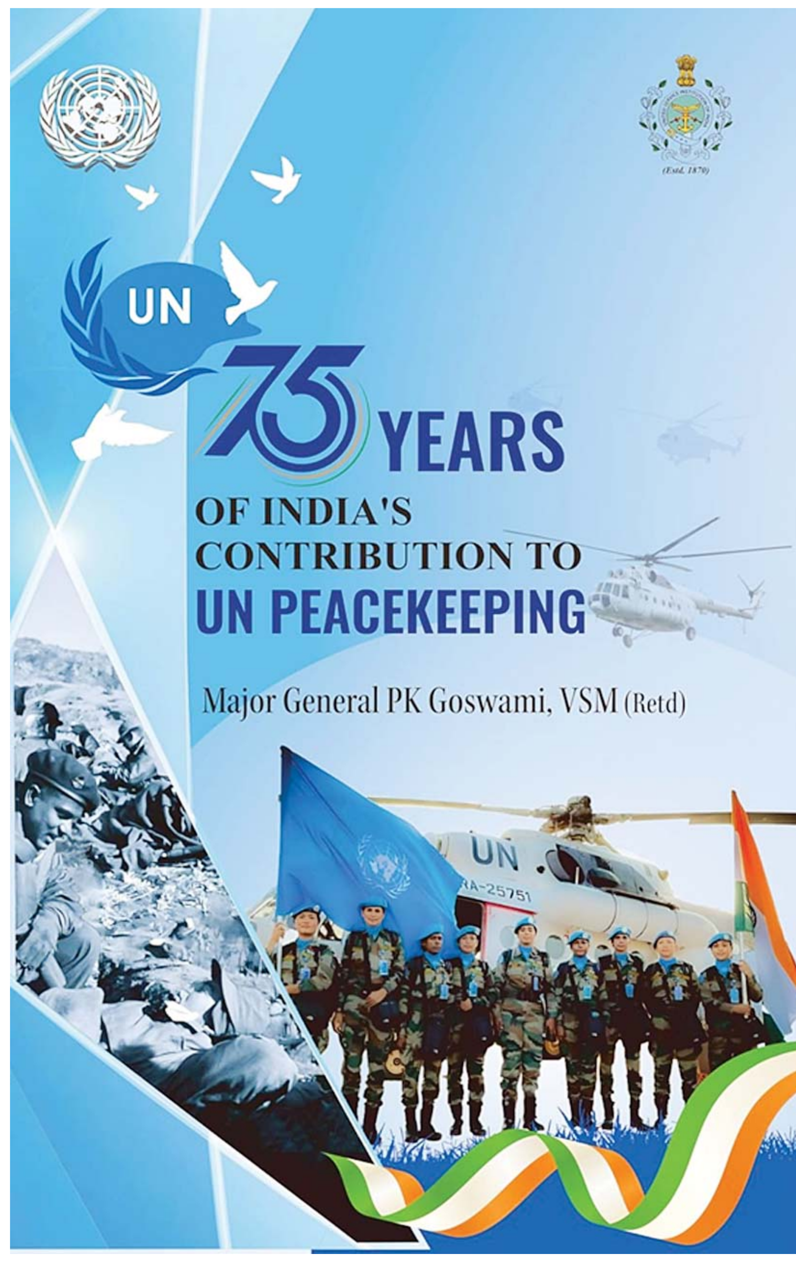

75 YEARS OF INDIA'S CONTRIBUTION TO UN PEACEKEEPING

Today, roughly 5,500 Indians are deployed in nine active missions. Over the years, India's peacekeepers have paid a high price as 182 have made the ultimate sacrifice in the line of duty. This blend of valour and sacrifice reflects India's traditions (often summarized as Vasudhaiva Kutumbakam, "the world is one family") in action, aligning its non-violent philosophy with UN values. Indian women have also been part of the missions since the 1960s, in Congo. India was first country to deploy an all-women contingent for a peacekeeping mission, in 2007 in Liberia. Today, women are part of all missions where Indian troops are deployed. More women in peacekeeping means a more effective peacekeeping.

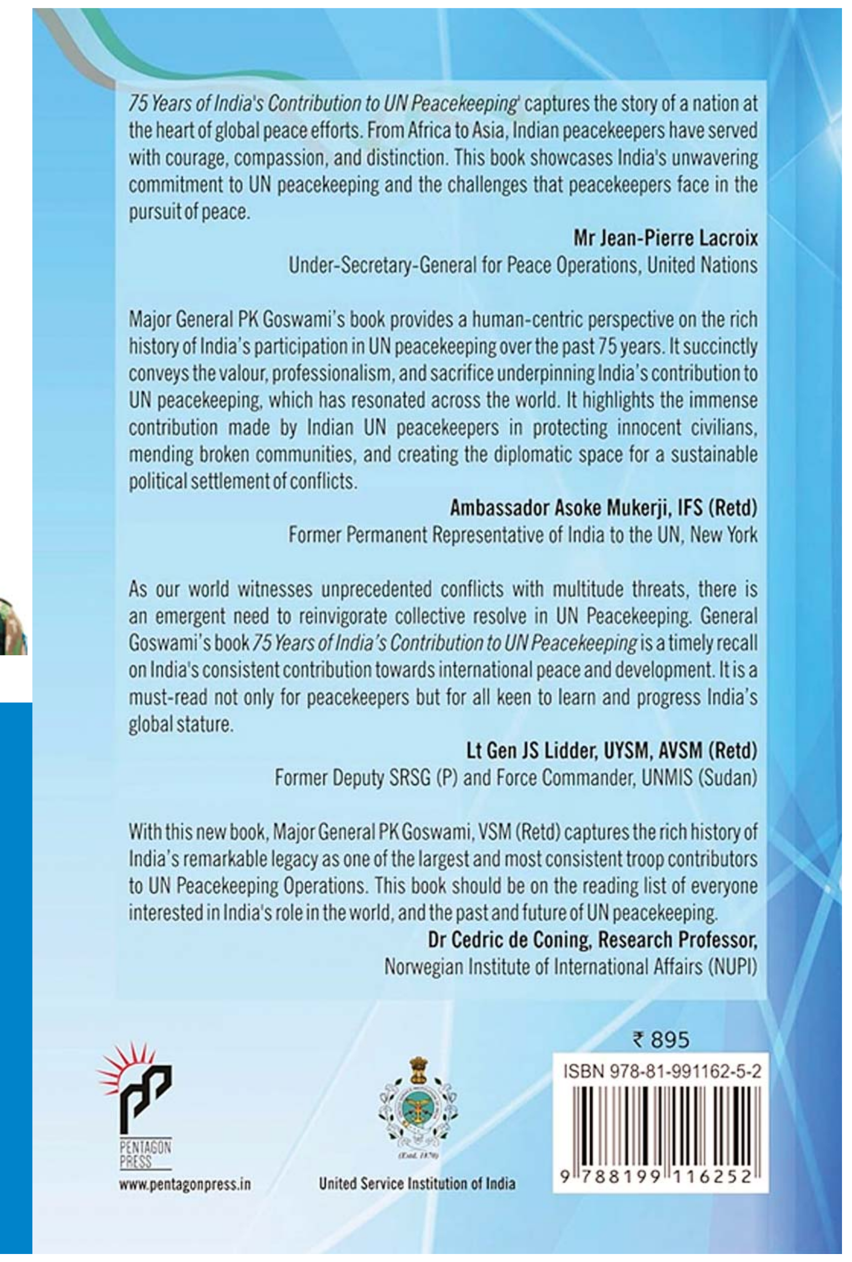

75 Years of India's Contribution to UN Peacekeeping' captures the story of a nation at the heart of global peace efforts. From Africa to Asia, Indian peacekeepers have served with courage, compassion, and distinction. This book showcases India's unwavering commitment to UN peacekeeping and the challenges that peacekeepers face in the pursuit of peace.

Mr Jean-Pierre Lacroix
Under-Secretary-General for Peace Operations, United Nations

Major General PK Goswami's book provides a human-centric perspective on the rich history of India's participation in UN peacekeeping over the past 75 years. It succinctly conveys the valour, professionalism, and sacrifice underpinning India's contribution to UN peacekeeping, which has resonated across the world. It highlights the immense contribution made by Indian UN peacekeepers in protecting innocent civilians, mending broken communities, and creating the diplomatic space for a sustainable political settlement of conflicts.

Ambassador Asoke Mukerji, IFS (Retd)
Former Permanent Representative of India to the UN, New York

As our world witnesses unprecedented conflicts with multitude threats, there is an emergent need to reinvigorate collective resolve in UN Peacekeeping. General Goswami's book *75 Years of India's Contribution to UN Peacekeeping* is a timely recall on India's consistent contribution towards international peace and development. It is a must-read not only for peacekeepers but for all keen to learn and progress India's global stature.

Lt Gen JS Lidder, UYSM, AVSM (Retd)
Former Deputy SRSG (P) and Force Commander, UNMIS (Sudan)

With this new book, Major General PK Goswami, VSM (Retd) captures the rich history of India's remarkable legacy as one of the largest and most consistent troop contributors to UN Peacekeeping Operations. This book should be on the reading list of everyone interested in India's role in the world, and the past and future of UN peacekeeping.

Dr Cedric de Coning, Research Professor,
Norwegian Institute of International Affairs (NUPI)

₹ 895
ISBN 978-81-991162-5-2
PENTAGON PRESS
www.pentagonpress.in
United Service Institution of India

Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

#BOOK REVIEW

75 Years of India's Contribution to UN Peacekeeping, written by Major General PK Goswami and published by Pentagon Press, captures the essence of India's peacekeeping contributions. It rightfully showcases India's unwavering commitment to the challenges that the peacekeepers face and how they serve distinctively with courage, commitment and compassion.

Over the years, from Korea in 1950 to the last deployment at Abyei in Sudan, India, by far, has deployed over 2,90,000 military personnel and nearly 15,500 police personnel across 50 out of 71 Peacekeeping missions, which remains one of the largest contributions by any country. The peacekeepers include military personnel, police forces and civilian experts and have played a crucial role in conflict resolution, humanitarian assistance and nation building in regions ravaged by war.

Beyond the mission areas, India has also played a critical role in shaping the doctrines and policies of UN peacekeeping operations. It has consistently advocated for stronger mandates, better equipped forces and a more representative global security architecture. India also continues to call for a reformed and equitable UN Security Council, further reflecting its capacities, capabilities and contributions.

Captain Gurbachan Singh Salaria.

About the Book

The Book, which has seven Chapters with seven Appendices, is a detailed chronicle of India's rich and multi-faceted peacekeeping journey, which analyses its impact, challenges and evolving role. It does this admirably by its historical and policy analyses, first-hand accounts and mission insights which provide a comprehensive understanding of India's role in UN peacekeeping operations over the last 75 years.

As one of the founding members of the UN, "India has consistently demonstrated strong commitment through its active cooperation and clear understanding of its obligations to UN activities."

For several decades, India has championed the cause of UN peacekeeping, earning global recognition for its focused resolve, impartiality and professionalism of its peacekeepers.

Today, roughly 5,500 Indians are deployed in nine active missions. Over the years, India's peacekeepers have paid a high price as 182 have made the ultimate sacrifice in the line of duty. This blend of valour and sacrifice reflects India's traditions (often summarized as Vasudhaiva Kutumbakam, "the world is one family") in action, aligning its non-violent philosophy with UN values.

Indian women have also been part of the missions since the 1960s, in Congo. India was first country to deploy an all-women contingent for a peacekeeping mission, in 2007 in Liberia. Today, women are part of all missions where Indian troops are deployed. More women in peacekeeping means a more effective peacekeeping.

Besides troops, India has regularly contributed senior leadership to include three Special Representatives of the Secretary General and a Deputy Special Representative of the Secretary General, fifteen Head of Missions and Force Commanders, two Divisional Commanders, and nine Deputy Head of Missions and Deputy Force Commanders so far, along with several Police Commissioners in various UN missions. In addition, two Military Advisors, two Police Advisors, which include one woman, and two Deputy Military Advisors to the UN Secretary General. There is also an instance where the Secretary General had to write to the Prime Minister J.L. Nehru for Ambassador Rajeshwar Dayal for Congo.

India's Initiative for ASEAN Women in UN Peacekeeping.

India has adhered to the principles of non-violence and peaceful dispute resolution through dialogue and mediation, which remain the central tenants of its foreign policy. Thus, the author writes that 'India's contribution to UN peacekeeping is not merely a calculated engagement but a reflection of its civilisational and cultural values, ethical foreign policy and commitment to global peace and security aimed at fostering harmony, cooperation and a stable international order.'

> India has adhered to the principles of non-violence and peaceful dispute resolution through dialogue and mediation, which remain the central tenants of its foreign policy. Thus, the author writes that 'India's contribution to UN peacekeeping is not merely a calculated engagement but a reflection of its civilisational and cultural values, ethical foreign policy and commitment to global peace and security...'

It is therefore evident that India's contribution is both sought and valued by the UN, due to its dedication and professionalism of its soldiers. The acceptability of Indian troops, by diverse communities in war-torn countries, lies in its deeply rooted social, cultural, and religious ethos.

This remarkable heritage is deeply ingrained in the Indian character and reflected in Indian troops and police personnel serving in the missions abroad. As a result, Indian peacekeepers quickly understand and respect different cultures, and effectively connect with local populations wherever they are deployed. This helps in building trust, leading to greater acceptance, and maintaining peace in conflict areas, resulting in effective peacekeeping.

Crucial themes in the book include leadership under fire, dedicated diplomacy, and the protection of civilians. For example, Captain Gurbachan Singh Salaria led a small Platoon against Katangese rebels in Congo in 1961 and he was posthumously awarded India's *Param Vir Chakra* (the nation's highest military honour), the only Indian to earn it in a UN mission.

Presently, Indian units often provide vital humanitarian aid. This year, Indian medical teams ran an outreach clinic in South Sudan that treated over 300 displaced people. Likewise, India operates a Level-III UN hospital in Goma, DR Congo, whose humanitarian outreach "aided FARDC (Congolese army) and civilians" and was praised by the UN's Special Representative for its professionalism.

In the Chapter, On the Way Forward, the author has stated that India's strength lies in its capacity to undertake peacekeeping operations in any terrain, social milieu, or adverse situations, and then sustaining such operations across the globe for prolonged periods. He further states that India's future peacekeeping approach should enhance its global standing and diplomatic influence by linking peacekeeping activities to its wider foreign policy objectives. For instance, the recently conducted Chiefs Conclave of UN Troop Contributing Countries in Delhi in October this year.

The Appendices, given in the book, give out various facts and data related to India's contribution such as the senior leadership from the Army which includes then Major General (later General) KS Thimayya, who was Chairman of the Neutral Nations Repatriation Commission, the list of those who laid down their lives and those awarded honours and awards for their service to the UN including the names of Lieutenant Colonel Rangaraj and Major NB Banerjee of the Army Medical Corps amongst the five *Maha Vir Chakra* awardees. There are also vintage newspaper cuttings of various international publications and a sonnet written by Brian Urqu-hart, the Executive Secretary to the Secretary General in December 1976, on the farewell of Maj General Dewan Prem Chand from Cyprus, encapsulating his contributions.

Conclusion

The book undoubtedly provides a human-centric perspective on the rich history of India's participation in UN peacekeeping over the last 75 years and succinctly conveys the professionalism, valour and sacrifice underpinning India's contribution. Written at a time of unprecedented armed conflicts raging worldwide with peacekeeping forces facing multiple challenges, from proxy wars and terrorism to climate-driven crises, the book reminds readers that strong multilateral resolve is essential.

The Blue Helmets play a vital role in preserving peace. India's remarkable and distinguished legacy, as one of the largest troop contributors, is admirable which not only reflects the growing global stature of India but also its commitment to uphold the values enshrined in the UN Charter. India's role has gone far beyond providing manpower: it has often led peace-enforcement efforts, protected civilians, and extended humanitarian aid under fire. The book is undoubtedly a must read for those interested in learning about India's consistent commitment and principled approach to global peace and its pivotal role in upholding the vision of a just world order. In an era of evolving security threats, India's continued engagement will be critical in strengthening peacekeeping mechanisms, promoting stability and upholding the vision of collective security as it marks 75 years of its peacekeeping legacy.

rajeshsharma1049@gmail.com

KS Thimayya.

#THE KHADA PARSI STATUE

Mumbai's Forgotten Monument of Reform, Education, and Heritage

The statue is believed to be made of cast iron with bronze elements and stands as an example of 19th-century colonial-era monument construction techniques

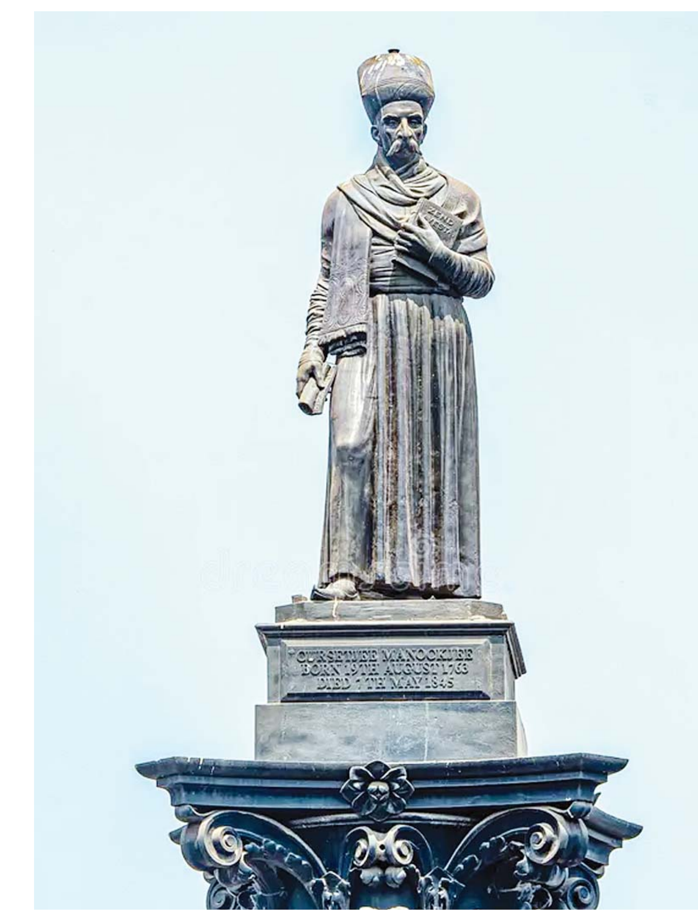

The statue, popularly known as "Khada Parsi" or "Standing Parsi," is one of Mumbai's most iconic yet widely neglected heritage structures. Standing tall at one of the city's busiest junctions, this almost 40-foot-high cast iron and bronze monument has silently witnessed the transformation of Mumbai from a colonial port city to a modern metropolis. Yet, despite its historical and cultural significance, it remains overlooked by most citizens rushing past it every day.

A Monument Dedicated to Seth Cursetjee Manockjee

The statue commemorates Cursetjee Manockjee, a prominent Parsi philanthropist and reformer of the 19th century. It was commissioned by his youngest son, Manockjee Cursetjee, in the 1860s, at an estimated cost of nearly one lakh rupees, a massive sum at the time.

The monument was not just a tribute to a father, but also to a legacy of social reform, education, and community service that the Parsi community contributed significantly to Mumbai's development.

A Pioneer in Women's Education

Manockjee Cursetjee is remembered as a reformer, especially in the field of education. One of his most important contributions was the establishment of one of Mumbai's earliest schools for girls in 1863.

This institution later evolved into the Alexandra Girls' English Institution, located in South Mumbai. At a time when female education was rare and often discouraged, this initiative represented a progressive shift in social thinking and laid the foundation for modern girls' education in the city.

Design and Construction from London

The Khada Parsi statue is also remarkable for its engineering and construction. It was fabricated in parts in London, reflecting the industrial capabilities of the era. These components were then transported to India by sea and assembled on-site in Mumbai. The statue is believed to be made of cast iron with bronze elements and stands as an example of 19th-century colonial-era monument construction techniques.

A Symbol of Parsi Contribution to Mumbai

The Parsi community has played a crucial role in shaping Mumbai's infrastructure, industry, and educational institutions. The Khada Parsi statue stands as a symbolic representation of that contribution.

It was intended not only as a memorial but also as a public reminder of philanthropy, reform, and civic responsibility.

The Statue and the Urban Landscape

Old photographs and local recollections from the 20th century, especially around the 1970s, often show busy junctions where the Khada Parsi statue stood amidst shops, traffic, and everyday life.

Nearby, small businesses such as stationery shops, fabric sellers, and vendors dealing in materials like rexine (a synthetic leather used in bags and upholstery) formed part of the surrounding commercial landscape. These ordinary details became part of the visual memory of the area.

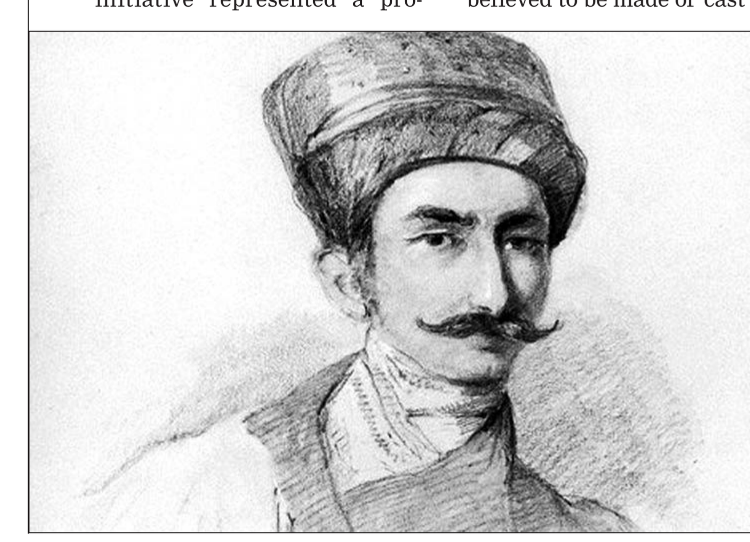

THE WALL

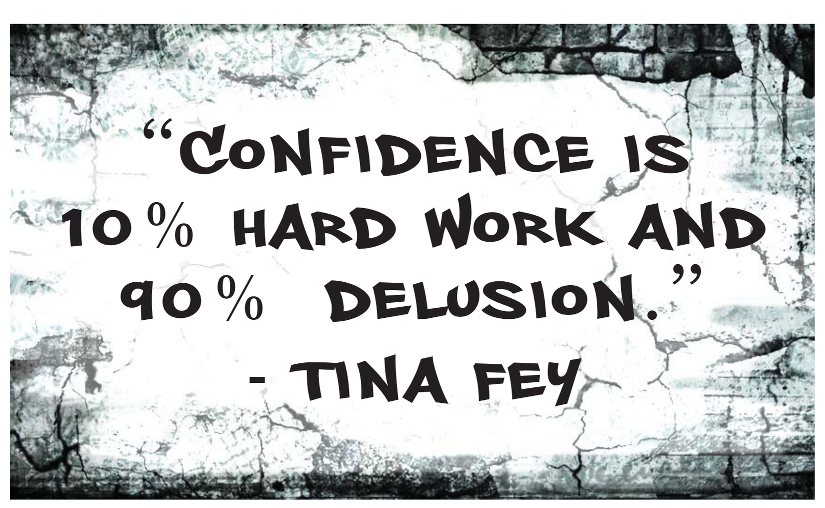

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

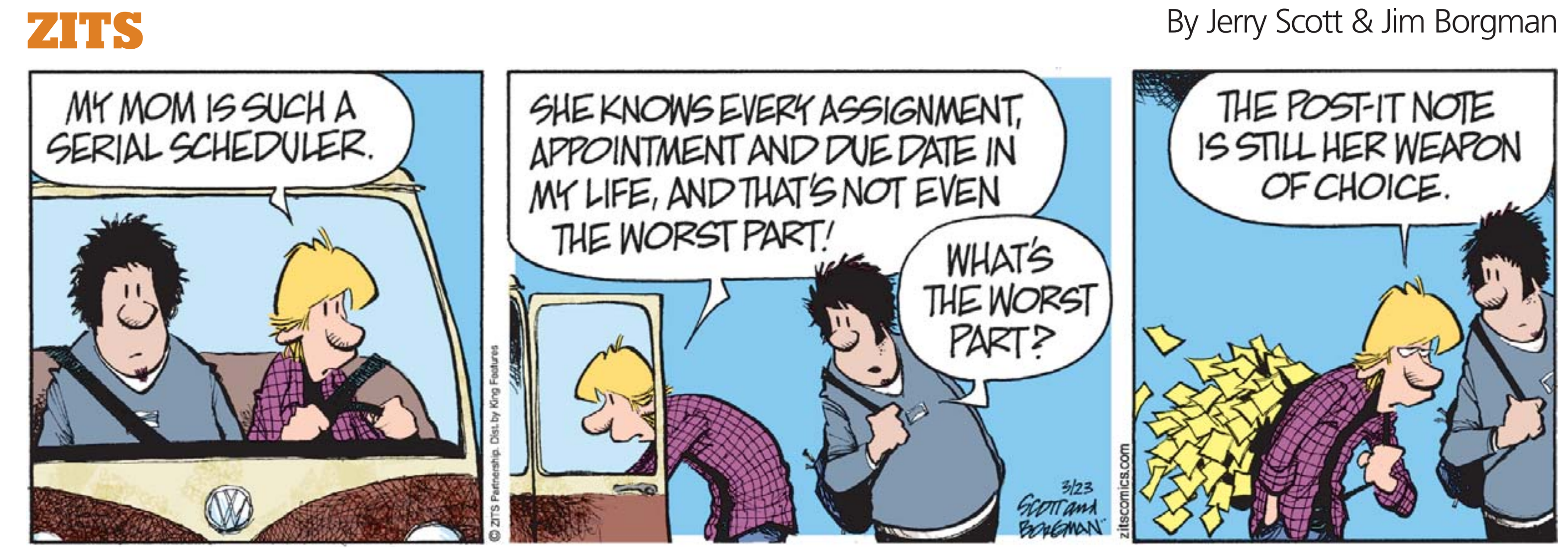

सुजानदेसर में 200 बीघा जमीन पर काले हिरणों के लिये नया आशियाना बनेगा

प्रोजेक्ट को अमलीजामा पहनाने के लिए करीब 3 से 4 करोड़ रुपए का बजट खर्च होने का अनुमान

बीकानेर, (निसं)। वन्यजीव प्रेमियों और बीकानेर के आमजन के लिए एक अच्छी खबर है। कभी बीछवाल क्षेत्र की शान रहे कृष्ण मृग (काले हिरण) की अब घर वापसी होगी। इन्हें कुछ साल पहले चूरू के तालछापर अभयारण्य भेज दिया गया था। नगर निगम सुजानदेसर के पास करीब 200 बीघा जमीन काले हिरणों के लिए सुरक्षित करने की बड़ी योजना पर काम कर रहा है। अगर यह प्रोजेक्ट धरातल पर उतरता है तो आने वाले समय में काले हिरणों के झुंड एक बार फिर बीकानेर में कुलांचें भरते नजर आएंगे। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को अमलीजामा पहनाने के लिए करीब 3 से 4 करोड़ रुपए का बजट खर्च होने का अनुमान है।

- **नगर निगम इस पूरे 200 बीघा क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए मजबूत तारबंदी कराएगा, साथ ही हिरणों के पसंदीदा भोजन सेवण घास उगाने और उनके लिए पानी का पुख्ता इंतजाम करने की तैयारी भी की जा रही है**

सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल भी इस प्रोजेक्ट में विशेष रुचि ले रहे हैं। उनकी मंशा है कि सुजानदेसर के आसपास का यह पूरा इलाका काले हिरणों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवास के रूप में तेजी से पनपे। नगर निगम इस पूरे 200 बीघा क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए मजबूत तारबंदी कराएगा। साथ ही हिरणों के पसंदीदा भोजन सेवण घास उगाने और उनके लिए पानी का पुख्ता इंतजाम करने की तैयारी भी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीछवाल क्षेत्र में आधुनिक बायोलॉजिकल पार्क (जैविक उद्यान) विकसित किया जा रहा है। इस पार्क में आने वाले समय में पैंथर्स, शेर और बाघ जैसे मांसाहारी जीवों को लाने के प्रयास चल रहे हैं। चूंकि सुजानदेसर शहर का बिल्कुल दूसरा कोना है और वहां का माहौल इनके अनुकूल है इसलिए नगर निगम अब इस नई जगह को काले हिरणों के लिए रिजर्व करने जा रहा है।

काले हिरण को भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे सुंदर और अद्वितीय वन्यजीव माना जाता है। नर काले हिरण की सबसे बड़ी खासियत उसकी घुमावदार, चक्राकार सींगें और उसकी पीठ का चमकीला काला रंग होता है। इसके विपरीत मादा और शावक भूरे रंग के होते हैं। उम्र बढ़ने के साथ नर का रंग और गहरा काला होता जाता है जो देखने में बेहद आकर्षक लगता है। चीते के बाद काले हिरण को सबसे तेज दौड़ने वाले वन्यजीवों में गिना जाता है। ये करीब 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकते हैं और खतरे का आभास होने पर हवा में ऊंची छलांग (कुलांच) मारते हैं, जो पर्यटकों के लिए एक दर्शनीय नजारा होता है।

राजस्थान में काले हिरणों का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। बिश्नोई समाज इन्हें अपने परिवार के सदस्य की तरह मानता है और इनकी रक्षा के लिए अपनी जान तक दांव पर लगा देता है। इन्हें गुरु जम्भेश्वर भगवान के अवतार और प्रकृति के संतुलन का प्रतीक माना जाता है।

चिराग गोयल, अधीक्षण अभियंता, नगर निगम बीकानेर का कहना है इस प्रोजेक्ट पर बात चल रही है। निगम का काम है मैदान तैयार करना। बाकी वन विभाग का काम है।

पाटन के मंदिर की 9.76 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा करने का प्रयास

पाटन, (निसं)। तहसील क्षेत्र के बक्शीपुरा गांव स्थित लगभग 500 वर्ष प्राचीन श्री ठाकुर जी सीताराम जी मंदिर की माफी भूमि पर कथित रूप से भूमाफिया द्वारा अवैध कब्जे और खेती करने के प्रयास का मामला सामने आया है। मंदिर के महंत बलबीर दास ने पुलिस थाना पाटन में शिकायत देकर आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने संगठित होकर मंदिर की भूमि पर जबरन प्रवेश कर अवैध रूप से कृषि कार्य शुरू करने का प्रयास किया तथा विरोध करने पर उनके साथ मारपीट और जान से मारने की धमकियां दी।

- **महंत का आरोप है कि 10 जून को कुछ लोग ट्रैक्टरों एवं कृषि उपकरणों के साथ मंदिर की भूमि पर पहुंचे और कब्जा कर खेती करने का प्रयास किया**
- **महंत ने पुलिस थाना पाटन में शिकायत देकर अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस प्रशासन से सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है**

शिकायत के अनुसार राजस्व ग्राम बक्शीपुरा में स्थित मंदिर की लगभग 9.76 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में मंदिर श्री ठाकुर जी सीताराम जी के नाम दर्ज है। महंत का आरोप है कि 10 जून को कुछ लोग ट्रैक्टरों एवं कृषि उपकरणों के साथ मंदिर की भूमि में पहुंचे और कब्जा कर खेती करने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने अभद्र व्यवहार करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। महंत बलबीर दास ने आरोप लगाया कि कुछ लोग फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से मंदिर की भूमि का अवैध क्रय-विक्रय करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना से ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में भारी रोष व्याप्त है तथा क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। महंत ने अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस प्रशासन से सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

मंदिर प्रबंधन का कहना है कि वर्ष 2022 में ग्रामवासियों के सहयोग से मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया था तथा जनवरी 2026 में बलबीर दास को विधिवत मंदिर का महंत नियुक्त किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ लोग पूर्व में भी मंदिर की धार्मिक परंपराओं और संपत्ति को प्रभावित करने के प्रयास कर चुके हैं। महंत ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मंदिर की भूमि पर किए जा रहे कथित अवैध कब्जे और कृषि कार्य को तत्काल रुकवाया जाए, भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए तथा आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मंदिर और महंत को सुरक्षा प्रदान की जाए।

छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

पचेरी कलां, (निसं)। पचेरी कलां थाना पुलिस ने घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट, छेड़छाड़ तथा जान से मारने की धमकी देने के गंभीर मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में आरोप लगाया कि मोनू पुत्र अशोक कुमार उसके घर में जबरन घुस आया और उसके साथ मारपीट की। आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

रिपोर्ट के आधार पर पचेरी कलां थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले का अनुसंधान सहायक उपनिरीक्षक नानचाराम द्वारा किया गया। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए आरोपी मोनू उर्फ मोहन निवासी नावता को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से मामले में गहन पूछताछ की जा रही है।

28 साल पहले पुलिस पर मिर्च डालकर हमला किया था, आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत तिजारा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस गार्ड पर जानलेवा हमले और बंदियों को छुड़ाकर फरार होने के करीब 28 वर्ष पुराने मामले में तीन हजार रुपये के इनामी स्थायी वारंटी दीनू उर्फ चीनू को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा दो गैर जमानती वारंटी मंजीत सिंह और अतरो कौर को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

- **पुलिस गार्ड पर जानलेवा हमला करने और बंदियों को छुड़ाकर फरार होने के मामले में कार्रवाई की**
- **दो गैर जमानती वारंटी मंजीत सिंह और अतरो कौर को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया**

पुलिस के अनुसार 21 अप्रैल 1998 को चालानी गार्ड प्रभारी मानसिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह हथियारबंद पुलिस जाब्ते के साथ बंदियों को न्यायालय तिजारा से पेशी के बाद किशनगढ़ बास जेल ले जा रहे थे। रास्ते में चिन्यूती जंगल के पास कुछ लोगों ने वाहन को रुकवाकर पुलिसकर्मियों की आंखों में लाल मिर्च झोंक दी और चाकू व अन्य हथियारों से हमला कर दिया। हमलावर अपने साथियों को पुलिस हिरासत से छुड़ाकर फरार हो गए थे। इस संबंध में तिजारा थाने में विभिन्न धाराओं सहित हत्या के प्रयास, सरकारी कार्य में बाधा, बंदी छुड़ाने तथा आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दीनू पुत्र श्योदान निवासी बैसी, थाना नूंह सदर, जिला नूंह (हरियाणा) घटना के बाद लगातार फरार चल रहा था। उसके खिलाफ न्यायालय से स्थायी वारंट जारी था तथा गिरफ्तारी पर तीन हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस टीम ने आरोपी के ठिकाने पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वांछित एवं फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

रोडवेज बस परिचालक से मारपीट

जोधपुर, (कासं)। मथानिया के उम्मेद नगर में फलोदी आगार की एक रोडवेज बस के चालक-परिचालक को रोककर मारपीट करने, टिकट मशीन को तोड़ने एवं धमकी दिए जाने का थाने में दर्ज हुआ है। मथानिया पुलिस ने बताया कि रामदेवरा के सुजासर निवासी रायपाल सिंह पुत्र जबर सिंह फलोदी आगार की रोडवेज बस में चालक-परिचालक पद पर कार्यरत है। वह मंगलवार को सुबह रोडवेज बस लेकर मथानिया के उम्मेद नगर से निकल रहा था। तब मनीष विश्नोई और श्यामलाल आदि ने बस को रूकवाया और मारपीट की। आरोपियों ने टिकट मशीन को भी तोड़ दिया। मथानिया पुलिस ने राजकार्य में बाधा डालने का केस दर्ज किया है। आशंका है कि इनके में बस रूट को लेकर यह विवाद किया गया है।

मोर के शिकार के आरोप में दो जने गिरफ्तार

छबड़ा, (निसं)। वन विभाग की टीम ने राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन मृत मोर व बाइक जब्त कर ली है।

- **आरोपियों के कब्जे से तीन मृत मोर व बाइक जब्त**

क्षेत्रीय वन अधिकारी भारत राठौर के अनुसार उनके नेतृत्व में मंगलवार को वनखंड खजूरी से राष्ट्रीय पक्षी मोर का जहरीले गेहूं के दाने डालकर शिकार करने के आरोप में जगदीश पुत्र कल्याण व गोलू पुत्र अमरलाल निवासीगण शंकर कॉलोनी को खैरखेड़ाभुरा वन क्षेत्र से बाइक सहित गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से तीन मृत मोर भी मिले है। आरोपियों को बुधवार को न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया है। राठौर के अनुसार राष्ट्रीय पक्षी मोर (पावो क्रिस्टेटस) शेड्यूल फर्स्ट का वन्य प्राणी है, जिसके शिकार पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत विभिन्न दफाओ में 3 से 7 वर्ष की सजा का प्रावधान है। कार्यवाही में नाका प्रभारी कड़ैयाहाट राकेश चौधरी वनरक्षक, वन रक्षक बलराम सहरिया वनरक्षक, सनी देओल सहरिया, भारतलाल मीणा इत्यादि वनकर्मी शामिल रहे।

घर में घुसकर जेवर व नकदी चुराई

उदयपुर, (कासं)। घर में घुस कर अज्ञात चोर चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ले गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित गंगा उर्फ गंगाराम निवासी कमला निवासी लालपुरा जगत कुराबड़ ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि 8 जून रात में घर में घुसे चोर अलमारी में रखी संदूक से चांदी के दो कंदोरे, मंगलसूत्र, 2 कातिरया, डंग, जोड़, चोखी तथा 30 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। दूसरे दिन जाग होने पर कमरे में सामान बिखरा पड़ा देख तलाश की तो चांदी के जेवरात व नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच एएसआई भगवतसिंह कर रहे हैं।

जोधपुर में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह पर चार और केस दर्ज

गिरोह ने एक्सपो प्लेटफार्म पर यूएसडीटी और क्रिप्टो में निवेश के नाम पर ठगी की

जोधपुर, (कासं)। शहर के लोगों को एक्सपो प्लेट फार्म पर यूएसडीटी एवं क्रिप्टो में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ एक साथ चार प्रकरण सरदारपुरा थाने में दर्ज हुए हैं। एक प्रकरण गत सप्ताह ही दर्ज हुआ था। अब तक एक दर्जन केस सामने आ चुके हैं। लोगों को बिना रसीद और लिखापढ़ी कर रकम ऐंठी गई थी। लेनदेन आमने-सामने हुआ था। अब तक दो से ढाई करोड़ तक की ठगी सामने आ चुकी है। भरतपुर जिले में प्रकरण सामने आए हैं।

- **अब तक एक दर्जन केस दर्ज हो चुके हैं, ठगी की रकम ढाई करोड़ से ज्यादा बताई जा रही है**
- **आरोप है कि यह लोग एक्सपो प्लेटफार्म संचालित करते थे और वहां पर पैसा लगाना बताते थे**

सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि खारिया कुआं उदयमंदिर निवासी मो. फैजल, कविराज का बाड़ा सोजती गेट निवासी जावेद खां, वैशाली टाउनशिप झंवर रोड निवासी सैयद अशमत अली और उदयपोल नागौरी गेट निवासी बिलाल खां की तरफ से चार अलग-अलग प्रकरण जितेंद्र जांगिड़, पूजा भाटी, रजत शर्मा, विकास मोर्य आदि के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। इन सभी का आरोप है कि उन्हें क्रिप्टो एवं यूएसटीडी में निवेश के लिए बड़े लाभांश का प्रलोभन दिया गया था। यह लोग एक्सपो प्लेटफार्म संचालित करते थे और वहां पर पैसा लगाना बताते थे। आरोपियों ने अपना एक कार्यालय भी नागौरी गेट क्षेत्र में खोल रखा था। यहां सरदारपुरा चिल्ड्रन पार्क क्षेत्र में आई फर्जी चाय कैफे पर आरोपियों ने उनसे लाखों की रकम ली थी। इन्हें सप्ताह में 4-5 प्रतिशत एवं मासिक तौर 8-12 फीसदी तक लाभांश का प्रलोभन दिया गया था। इनमें फैजल, जावेद खां एवं सैयद अशरत से 1 जनवरी 2026 से 28 मार्च 2026 तक रकम ली गई। वहीं बिलाल खां ने 21 सितंबर 2025 से 28 मार्च 2026 तक रकम को जमा करवाया था।

थानाधिकारी जयकिशन सोनी ने बताया कि लेनदेन संबंधी जानकारी जुटाई जा रही है। लेनदेन करते समय कोई कागजी कार्रवाई का फिलहाल पता नहीं चला है। पहले भी एक प्रकरण दर्ज हुआ है। थाने में अब तक पांच मामले दर्ज हो चुके हैं।

दूध कारोबारी पर हमला करने के दो आरोपी गिरफ्त में

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र में दो माह पहले बुजुर्ग दूध कारोबारी पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले मामले के मुख्य साजिशकर्ता लक्ष्मण सिंह और उसके सहयोगी टीकमचंद उर्फ टिकसा को गिरफ्तार किया जा चुका है।

- **मुंबई के बदमाशों से हमला कराया था, एक लाख में सौदा तय हुआ था**

पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी लक्ष्मण सिंह और पीड़ित शंकरलाल दोनों दूध का बिजनेस करते थे। वणी और सेमटाल गांव में दूध सप्लाई को लेकर दोनों के बीच व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा थी। लक्ष्मणसिंह पीड़ित शंकरलाल की सफलता से जलता था। इसी वजह से उसने शंकरलाल को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। जांच के अनुसार लक्ष्मण सिंह ने मुंबई में रहने वाले अपने परिचित मनोहर सिंह के माध्यम से बदमाशों से संपर्क किया और शंकरलाल की हत्या के लिए 1 लाख रुपए में सौदा तय किया गया। योजना के तहत आरोपियों को हमले की पूरी जानकारी और वारदात की जगह भी दिखाई गई थी। पुलिस ने मनीष उर्फ मुना उर्फ राणा निवासी रामा सुखेर और वीरेन्द्र सिंह उर्फ विज्जू निवासी खंडावली घोड़च राजसमंद को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार मामला 2 अप्रैल का है। सेमटाल निवासी शंकरलाल पालीवाल वणी गांव से दूध लेकर बाइक से गोगुंदा लौट रहे थे। इसी दौरान सुनसान रास्ते में तीन नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ पांच वार किए। हमले में एक चाकू उनकी पीठ में ही धंस गया था। आरोपी उन्हें मृत समझकर मौके से फरार हो गए। बाद में राहगीरों की मदद से घायल शंकरलाल को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और साजिश से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है।

राजस्थान में खपाने वाले थे 15 करोड़ के नकली बीज, एफआईआर में खुलासा

बीकानेर, (निसं)। यहां मूंगफली के 15 करोड़ के सीज़ घटिया बीजों को गुजरात वापस भेजने के बजाय राजस्थान में ही खपाने की तैयारी चल रही थी। जयपुर कृषि विभाग के दुर्गापुरा केंद्र से सैंपल पास करवाने और जांच रिपोर्ट आने से पहले ही माल डिस्पैच कराने की योजना बनाई गई थी। इस काम के लिए 2.45 करोड़ रुपए की घूस ली गई थी। यह खुलासा एसीबी की 10 पेज की एफआईआर में हुआ है। एफआईआर में जयपुर में एक महिला के माध्यम से रुपयों के लेनदेन की बात और सतीश नाम के व्यक्ति की भूमिका के साथ एक मंत्री और डॉक्टर का जिक्र भी है। एफआईआर में कई बड़े रिश्वतखोर अफसरों के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल भी लिखी गई है, जिससे पूरे प्रदेश में फैले नेटवर्क को जांच के दायरे में लिया गया है।

- **एफआईआर में जयपुर में एक महिला के माध्यम से रुपयों के लेनदेन की बात और सतीश नाम के व्यक्ति की भूमिका के साथ एक मंत्री और डॉक्टर का जिक्र भी है**

जानकारी के अनुसार सात जून को लूणकरणसर (बीकानेर) में एक प्राइवेट बस में जा रहे स्वतंत्र ज्याणी को 85 लाख रुपए के साथ पकड़ा गया, जो बीज निगम के तत्कालीन नामित (नॉमिनेटेड) डायरेक्टर जुगल किशोर बिश्नोई का भांजा है। इसके बाद एसीबी ने बीकानेर में जयपुर रोड स्थित जुगल किशोर के घर पर छापा मारा, जहां से 1 करोड़ 58 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। इसके बाद जयपुर में बीटू बाइपास स्थित अरावली अपार्टमेंट से जुगल किशोर बिश्नोई को हिरासत में लिया। वहीं गोपालपुरा स्थित सफारी होटल से किरण कपाड़िया ('गजराज' ब्रांड का स्वामित्व) और कथित दलाल सुनील सेठिया को एक ही जगह से पकड़ा गया। वहीं सहयोगी गणपत बिश्नोई को जयपुर और सतपाल को फलोदी से पकड़ा गया। सरकार ने भी जुगल किशोर को पद से हटाने के आदेश जारी कर दिया।

कोटा में सूने मकान से जेवर चोरी

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में सूने मकान में चोरी का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार उद्योग नगर इलाके के प्रेम नगर प्रथम में एक सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर घर में रखे आभूषण को चोरी कर ले गये, घटना के समय महिला बच्चो को लेकर कोटा से बाहर गई हुई थी। मामले में सामने आया कि महिला बच्चों के साथ प्रेम नगर प्रथम में रहती है और उसका पति कोटा से बाहर काम करता है। सात जून को मीना बच्चों को लेकर कोटा से बाहर गई हुई थी। पीछे से सूने मकान में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पीड़ित परिवार कोटा पहुंचा और मकान में चोरी की रिपोर्ट उद्योग नगर थाने में दर्ज कराई। उद्योग नगर थानाधिकारी मांगेलाल यादव ने बताया कि प्रेम नगर प्रथम में सूने मकान में चोरी का मामला सामने आया है। रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश की जा रही है।

खाद से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

छबड़ा, (निसं)। कृषि विभाग द्वारा बुधवार को कार्यवाही करते हुए गुगोर चेकपोस्ट पर यहां से एमपी में जा रहे खाद से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। कृषि अधिकारी सुरेश कुमार मालव ने बताया कि गुगोर चेकपोस्ट पर किए जा रहे निरीक्षण के दौरान छबड़ा से मध्यप्रदेश की ओर जा रहे संदिग्ध ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवाया। जिसमें 15 यूरिया के कट्टे व सात डीएपी के खाद कट्टे भरे हुए थे, जिनके बारे में पूछताछ करने पर चालक ने ये कट्टे शहर स्थित धाकड़ फर्टिलाइजर एंड केमिकल से लाना बताया। इस पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर संबंधित फर्म पर लाया गया।

हनुमानगढ़ में 34 लाख की अवैध बीयर पकड़ी

पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार किया

हनुमानगढ़, (निसं)। पल्लू थाना पुलिस ने पंजाब निर्मित बीयर की 6720 कैन बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 34 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में बीयर से भरी एक पिकअप को जब्त कर ड्राइवर दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। दिनेश कुमार बाड़मेर के अमलखानियों की ढाणी, चाडी का निवासी है।

- **पिकअप से पंजाब निर्मित बीयर की 6720 कैन बरामद की**
- **आरोपी अवैध रूप से पंजाब से बीयर लेकर दूसरे राज्य में परिवहन कर रहा था**

पल्लू थाना प्रभारी सुरेश मील के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बुधवार को भारतमाला रोड स्थित उदासर रोही क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस को मुखबिरों से शराब के परिवहन की सूचना मिली थी, जिसके बाद इलाके में नाकाबंदी बढ़ाई गई। इसी दौरान एक संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर तलाशी ली गई। जांच में वाहन से 6720 कैन पंजाब निर्मित किंगफिशर बीयर बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही पिकअप वाहन को जब्त कर ड्राइवर दिनेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अवैध रूप से पंजाब से शराब लेकर दूसरे राज्य में परिवहन कर रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था।

माण्डल में मजदूरी के विवाद में युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। माण्डल थाना पुलिस ने ग्राम संतोकपुरा में हुई एक हत्या के मामले का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर मुख्य आरोपी अंकित पीटर उर्फ किटू को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात की वजह मजदूरी के पैसों को लेकर हुआ आपसी विवाद बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

- **पुलिस अब आरोपी से हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी को लेकर पूछताछ कर रही है**

थानाधिकारी रोहिताश्व यादव ने बताया कि झाबुआ मध्य प्रदेश निवासी ठेकेदार दीपक कुमार माहेश्वरी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट के अनुसार, 8 जून को सुबह उन्हें सूचना मिली कि उनके साले हितेश उर्फ गोलू की तबीयत खराब है। जब वह परिवार सहित भीलवाड़ा पहुंचे, तो पता चला कि हितेश का उसके साथ रहने वाले अंकित पीटर उर्फ किटू के साथ मजदूरी की बात को लेकर झगड़ा हो गया था। विवाद के दौरान आरोपी अंकित ने हितेश पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। लहूलुहान हालत में हितेश को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत मौके पर मोबाइल फॉरेंसिक टीम और स्पेशल मोबाइल अनुसंधान टीम को बुलाकर वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए। इसके बाद पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी अंकित पीटर (38) पुत्र अशोक पीटर, निवासी गांधीनगर, रतलाम, एमपी को डिटेन किया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी वर्तमान में माण्डल चौराहा के पास किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस अब आरोपी से हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी को लेकर पूछताछ कर रही है।

श्रीगंगानगर के सरकारी अस्पताल में आग लगी, हादसा टला

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला अस्पताल की ओपीडी में बुधवार सुबह करीब 10 बजे बिजली बोर्ड के कंट्रोल पैनल में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग की लपटें और घना धुआं देख अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। मरीज-डॉक्टर और स्टाफ इधर-उधर भागने लगे। यह हादसा जब हुआ जब ओपीडी में मरीजों की भीड़ थी। पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। 30 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मरीजों को तुरंत बाहर निकाला गया। सुरक्षा को देखते हुए अस्पताल की सारी लाइटें बंद कर दी गई। जिससे पूरा परिसर अंधेरे में डूब गया। अस्पताल प्रशासन ने तुरंत फायर बिग्रेड और पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद सदर थाना पुलिस की टीम और फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। फायर कर्मियों ने करीब 30 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। सूचना मिलते ही अस्पताल अधीक्षक और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण बताया गया है। आग से ओपीडी ब्लॉक के कई उपकरण जले हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- **प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण बताया गया है**

23 सांपों का रेस्क्यू किया

उदयपुर, (कासं)। ढिकली गांव में वाइल्ड एनिमल रेस्क्यू सेंटर के संभागीय अध्यक्ष वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ. चमन सिंह चौहान ने सांप के कुनबे का रेस्क्यू किया, जिसमें 22 सांप के बच्चे व उनकी मां सहित 23 सांपों का रेस्क्यू किया। चौहान ने बताया कि सूचना उन्हें मिली तो वे टीम के लक्ष्मीलाल गमेती के साथ मौके पर पहुंचे। जहां ट्यूबवेल के चेम्बर में एक सांप दिखाई दिया। चेम्बर में सांपों का कुनबा मिला जिसमें 22 सांप के बच्चे व मां सहित 23 सांप थे, जिन्हें रेस्क्यू किया गया।

दौसा में करोड़ों की जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार करने के दो आरोपियों को पकड़ा

दौसा, (निसं)। दौसा शहर वृत्ताधिकारी धमेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने बहुचर्चित फर्जी इकरारनामा प्रकरण में करोड़ों की जमीन के कूटरचित दस्तावेज करने के आरोप में दो आरोपित विवेक उर्फ नवीन सैनी और गिर्राज प्रसाद गुप्ता को गिरफ्तार किया है।

वृत्ताधिकारी दौसा शहर धर्मेन्द कुमार ने बताया कि बद्रीप्रसाद मीना के दौसा कोतवाली थाना में आरोपी गिर्राज प्रसाद गुप्ता वगैराह लोगों के खिलाफ दौसा कलां स्थित अपनी आराजी के फर्जी तरीके से स्टाम्प व अन्य दस्तावेजों की कूटरचना व खाली स्टाम्प पेपरों पर बड़ी संख्या में अंगूठा निशानी लगाकर दस्तावेजों की कूटरचना की है तथा कूटरचना के आधार पर प्लाटों का बेचान का मामला दर्ज कराया था। जिस पर थाना कोतवाली दौसा पर प्रकरण दर्ज कर तफ्तीश की गई। उन्होंने बताया कि आरोपी गिर्राज गुप्ता ने प्लाटिंग करने के लिये एसटी समाज की जमीन एसटी के अनपढ़ लोगों के नाम धोखाधड़ी पूर्वक मंशा से खातेदार बद्री, सीताराम, रामकिशन मीना के नाम करवायी। गिर्राज का पार्टनर विवेक उर्फ नवीन सैनी दोनों ने मिलकर प्लाटिंग 92 प्लाट की योजना बनाकर 130 खातेदारों के नाम स्टाम मंगवाकर खातेदारों के हस्ताक्षर करवा एक प्लाट का दो जगह बैचान कर दिये। गिर्राज व नवीन सैनी द्वारा धोखाधड़ी कर इकरारनामा तैयार कर एक प्लाट के दूसरे व्यक्ति को बैचान किये एवं खाली स्टाम्पों पर दोनो साक्षी बने, अन्य लोगों से मुकदमा दर्ज करवाकर खातेदार पार्टनरों को जेल भिजवाया। समझौता पत्र में आरोपी गिर्राज गुप्ता द्वारा स्वीकार किया गया है कि खाली स्टाम्प पैपर व कूटरचित इकरारनामा बनाने में पूर्व में मुकदमों में ड्रोप करवाने के लिये उक्त दोनों आरोपियों का कृत्य धोखाधड़ी कर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर दोनों साक्षी बने। जिससे विवेक उर्फ नवीन व गिर्राज प्रसाद गुप्ता को गिरफ्तार किया।

कोटपूतली में कलक्टर ने जनसुनवाई प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए

■ जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में लंबित प्रकरणों, सरकारी भूमि संरक्षण एवं पोर्टल अपडेट की प्रगति पर की विस्तृत समीक्षा

कोटपूतली(निसं)। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने बुधवार को आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में राजस्व प्रशासन से जुड़े विभिन्न विषयों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को राहत पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक अधिकारी मिशन मोड में कार्य करते हुए जनहित से जुड़े मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करे।

जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने बुधवार को राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में जिला कलक्टर ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, नामांतरण, सीमांकन, रास्ता, विरासत, पत्थरगढ़ी, संपरिवर्तन प्रकरणों तथा जनसुनवाई से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए कहा कि राजकीय भूमि, मंदिर भूमि एवं चरागाह भूमि पर अतिक्रमण के मामलों में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए और नियमित मॉनिटरिंग के साथ प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने संपर्क पोर्टल एवं मुख्यमंत्री जनसुनवाई प्रकोष्ठ से प्राप्त प्रकरणों का संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही निस्तारित परिवादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए परिवादियों से रेंडम आधार पर व्यक्तिगत संपर्क कर फीडबैक लेने पर भी जोर दिया।

जिला कलक्टर ने सभी उपखंड अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में राजस्व कार्यों की नियमित निगरानी करें तथा लंबित मामलों को स्थानीय स्तर पर ही प्राथमिकता से निपटाने का प्रयास करें, जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। उन्होंने ई-डाक के माध्यम से पत्राचार को बढ़ावा देने तथा विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों पर अद्यतन जानकारी समय पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए। सरकारी भूमि संरक्षण एवं पोर्टल मॉनिटरिंग पर विशेष जोर: बैठक में भूमि अवाप्ति, गैर खातेदारी, 90 ए, आरओडब्ल्यू पोर्टल, लंबित नामांतरण, सीपी ग्राम पोर्टल, शहरी विकास, कानून एवं व्यवस्था, अवैध खनन की मॉनिटरिंग, मासिक सारांश रिपोर्ट, न्यायालयों में लंबित प्रकरण, एलआर/पीडीआर एक्ट, जीएलएमएसी, जीसीएमएस पोर्टल, सड़क सुरक्षा, गिरदावरी, राजस्व वसूली एवं सहायता प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने अधीनस्थ कार्यालयों के नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखने तथा एलआर सेक्शन से समन्वय स्थापित कर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने न्यायालय एवं लाइट्स पोर्टल पर लंबित वादों की समीक्षा करते हुए समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों पर नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा। बजट घोषणाओं से संबंधित भूमि आवंटन एवं अन्य लंबित प्रकरणों पर भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कार्यक्रम स्थलों पर चिकित्सा, पेयजल, एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लाइव प्रसारण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने योग संगम पोर्टल पर कार्यक्रमों की जानकारी 15 जून तक अपलोड कर अधिकाधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही आगामी दिनों में आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के संबंध में पारदर्शिता, सुरक्षा एवं परीक्षा केंद्रों पर चिकित्सा, बिजली एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

'महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति रहे जागरूक'

निवाई(निसं)। पंचायत समिति सभागार में नारी चौपाल के अंतर्गत नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, उपखंड अधिकारी अजीत सिंह राठौड़, तहसीलदार नरेश गुर्जर, विकास अधिकारी नंदकिशोर शर्मा व अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को जागरूक करना है।

उन्होंने महिलाओं को लखपति दीदी योजना के बारे में भी विस्तृत से जानकारी दी। विधायक ने राजीविका सदस्यों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा महिलाओं के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की है। जिसमें महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अपने अधिकारों के बारे में लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत के गांव-गांव ढाणी-ढाणी की महिलाओं को योजनाओं के बारे में जानकारी देकर योजना का लाभ दिलाने का प्रयास करें। उन्होंने बताया कि लखपति दीदी योजना के अंतर्गत महिलाओं को सरलता से ऋण उपलब्ध होता है। वर्तमान समय में महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक भी हो रही है। गर्भवती महिलाओं को बालिका के जन्म से लेकर शिक्षित होने तक लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं को आरक्षण भी दिया।

नाबालिग बेटे ने पिता की गला काटकर हत्या की

अलवर(निसं)। 17 साल के बेटे ने गंडासे (लकड़ी काटने वाला धारदार हथियार) से अपने पिता की गला काटकर हत्या कर दी। उसने एक के बाद एक 6 वार किए। मौके पर ही पिता ने दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद नाबालिग बेटे ने अपने मामा को फोन कर कहा- घर जाकर पापा को बचा लो। पुलिस ने बेटे को डिटेन कर लिया है। यह मामला अलवर के अरावली विहार थाना क्षेत्र का है।

बेटे ने पिता पर हमला उस समय किया, जह वह गहरी नींद में थे। पुलिस की मानें तो शुरुआती पूछताछ में उसने हत्या के कारणों का कोई खुलासा नहीं किया है। लड़के की मां अपने भाई की शादी में पीहर गई थी। घर पर सिर्फ पिता और बेटा थे। 7 जून को साले की शादी थी। पूरा परिवार शादी समारोह में गया था। 8 जून को बेटा और पिता अलवर लौट आाए थे। पुलिस की मानें तो पिता शराब का आदी था। वह ई-रिक्शा चलाता था। हत्या करने के बाद घबराए या गुमराह करने के लिए नाबालिग ने पास ही मौजूद अपने मामा को फोन कर पिता को बचाने की गुहार लगाई।

अरावली विहार थाने के एसएचओ रामेश्वर दयाल ने बताया- मंगलवार रात करीब 10 बजे पुलिस को इस घटना की सूचना मिली थी। पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे, तो कमरे का नजारा देखकर सन्न रह गए। बिस्तर पर लहूलुहान शव पड़ा था। उसका गला बुरी तरह कटा हुआ था। पुलिस ने तुरंत शव को जिला अस्पताल की मॉच्र्युरी में रखवाया, जहां बुधवार सुबह पोस्टमॉर्टम किया गया। मामा ने पुलिस को बताया- भांजे का फोन आया कि मामा घर जाओ और पापा को बचा लो। मैं जब भागकर वहां पहुंचा, तो जीजाजी खून से सने पड़े थे। उनकी सांसें थम चुकी थीं।

डेढ़ किलो डोडा पोस्त के साथ आरोपी गिरफ्तार

लालसोट(निसं)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लालसोट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.525 किलोग्राम डोडा पोस्त के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ बरामद कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

किशनगढ़ बास उपकारागृह में विधिक सेवा प्राधिकरण ने जागरूकता शिविर लगाया

किशनगढ़ बास (निसं)। उपकारागृह में लगे विधिक जागरूकता शिविर में 156 विचाराधीन बंदियों को यही समझाया गया। कानून सबके लिए बराबर है, और गरीब को भी इंसाफ मिले, यही विधिक सेवा का मकसद है बुधवार को राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर लगे इस शिविर में पीएलवी सूरजभान कछवाहा, मनीष कुमार और सुप्रिया जोशी ने बंदियों को जमानत, चालान और मुफ्त कानूनी मदद के अधिकार बताए।

कैदियों के अधिकारों पर जेल में विशेष जागरूकता शिविर आयोजित कर जानकारी देते पीएलवी।

यह शिविर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा जिला सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के आदेशानुसार और सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजीत कुड़ी के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। बंदियों को बताया विधिक सहायता का मकसद संविधान के मुताबिक सभी को न्याय देना और गरीब, दलित, कमजोर वर्ग को समान न्याय दिलाना है। जिनके पास कोर्ट जाने के पैसे नहीं, उन्हें मुफ्त या बहुत कम खर्च में कानूनी सहायता मिलती है। किसी भी आपराधिक मामले में पुलिस को 90 दिनों के अंदर अदालत में चालान दायर करना जरूरी है। तय समय में चालान पेश न हो तो आरोपी को जमानत मिलने का सीधा फायदा मिल सकता है। जमानतीय अपराध में पुलिस को जमानत देने का अधिकार है। चालान दायर होने के बाद नियमित जमानत के लिए कोर्ट में जमानत बॉन्ड भरना पड़ता है। पुलिस किसी भी गिरफ्तार व्यक्ति को 24 घंटे से ज्यादा हिरासत में नहीं रख सकती। हर वो नागरिक जिसकी सभी स्त्रोतों से सालाना आय 1 लाख रुपये तक है, वह नि:शुल्क विधिक सेवा का पात्र है। विशेष मामलों में विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष की मंजूरी से भी मुफ्त मदद मिल सकती है। इस मौके पर पीएलवी सूरजभान कछवाहा, सुप्रिया जोशी, जेल प्रहरी स्टाफ सहित 156 विचाराधीन बंदी मौजूद रहे। बंदियों ने अपने केस से जुड़े सवाल भी पूछे, जिनका टीम ने समाधान किया। पीएलवी सूरजभान ने कहा शिविर का मकसद बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना था ताकि वे न्याय प्रक्रिया में अपनी बात मजबूती से रख

पावटा में नारी चौपाल व नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम

पावटा, (निसं)। राज्य सरकार के दिशा-निर्देशानुसार महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता सामाजिक जागरूकता एवं जनकल्याण की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उपखंड स्तरीय नारी चौपाल-नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को पावटा कस्बे के किला स्थित हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जहां उपखंड अधिकारी पावटा डॉ. साधना शर्मा, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी कृष्ण सिंह, डॉ देवेंद्र शर्मा, समाज सेवी रामदीन मीणा, भाजपा पावटा बालाजी मंडल अध्यक्ष विरेंद्र राठी, काशीराम लंबोरा, टिंकू प्रजापति, गिरिराज ओला सहित

पावटा में उपखंड स्तरीय नारी चौपाल-नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में महिलाओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं सर्वजन कल्याण की मंगल कामना की।कार्यक्रम में महिलाओं को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी, स्वरोजगार एवं महिला उत्थान योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इसके पश्चात पंचायत समिति सभागार में आयोजित नारी चौपाल में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चौपाल के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, सामाजिक सहभागिता तथा महिला अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने महिलाओं को समाज की वास्तविक शक्ति बताते हुए उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने और आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महिलाओं को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के तहत समाज एवं परिवार के निर्माण में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान का सम्मान करते हुए उनके दायित्वों और उपलब्धियों की सराहना की गई। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण समाज एवं राष्ट्र के विकास का आधार है।

अलवर कलेक्टर का योजनाओं को जागरूक रहकर लाभ उठाने का आव्हान

अलवर,(निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को जिला स्तर पर प्रताप ऑडिटोरियम में सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण को बढावा देने, विभागों द्वारा महिलाओं के कल्याणार्थ संचालित योजनाओं तक महिलाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'नारी चौपाल-नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, एडीजे मोहन लाल सोनी, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता सहित अन्य अतिथिगणों ने विभिन्न योजनाओं में महिला 10 लाभार्थियों को सांकेतिक चेक सौंपे। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने नारी चौपाल में उद्बोधन देते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं यथा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना एवं लाडो प्रोत्साहन योजना इत्यादि का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं से आव्हान किया कि योजनाओं का पात्रतानुसार अधिकाधिक लाभ उठावें तथा अन्य महिलाओं को भी जागरूक कर योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं की सुविधाओं में विस्तार हेतु मिनी सचिवालय में क्रैच की स्थापना, एसएचजी महिला समूह द्वारा संचालित कैंटीन की स्थापना एवं शहर में पांच से अधिक पिक टॉयलेट का निर्माण कराया गया है। उन्होंने परिवार के संचालन में महिलाओं के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष संघर्ष की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा महिलाओं से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्याओं का अधिक संवेदनशीलता से त्वरित समाधान किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में एडीजे मोहनलाल सोनी ने महिलाओं से संबंधित संवैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों यथा घरेलू हिंसा रोकथाम अधिनियम, पीओएसएच एक्ट, लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम इत्यादि के बारे में की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नालसा एवं रालसा द्वारा संचालित कार्यक्रमों एवं योजनाओं जिसमें नारी संवाद एवं समाधान मंच, नि:शुल्क विधिक सहायता, नालसा संवाद योजना-2025 एवं पीड़ित प्रतिकर योजना इत्यादि के बारे में महिलाओं को अवगत कराया। साथ ही इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।

कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, एडीजे मोहन लाल सोनी, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता सहित अन्य अतिथिगणों ने विभिन्न योजनाओं में महिला लाभार्थियों को सांकेतिक चेक सौंपे

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत, दूसरा घायल

निवाई। गुंसी राहोली सडक़ मार्ग पर स्थित सजिया गांव में स्थित रेलवे फाटक के समीप मुख्य रोड पर मंगलवार की रात एक अज्ञात वाहन ने बाईक पर सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। जिससे एक युवक की मौत हो गई एवं दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

आम सूचना:-हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या फर्म विधि जैम्स एण्ड ज्वेल्स जरिये प्रोपराईटर श्री ममता हल्दिया एवं रवि हल्दिया पुत्र स्व. सूरज नारायण हल्दिया, निवासीगण फ्लेट नं. 101, केशव पर्ल पलासिया अपार्टमेन्ट, 31, तख्तेशाही रोड, जयपुर द्वारा मेरी अभिभाष्या फर्म की प्रोपराईटर के पति रवि हल्दिया ने जितेन्द्र जैन व स्वीटी जैन के स्वामित्व की दुकान 36, 37, सेक्टर-6, जोन-64, योजना प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर जिसका संयुक्त कुल क्षेत्रफल 27.00 वर्गमीटर है, को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के द्वारा दिनांकित 31.10.2023 को क्रय कर लिया है। मेरी अभिभाष्या फर्म बैंक में, अपने पति के स्वामित्व की उपरोक्तवर्णित अचल सम्पत्ति को बतौर संयुक्त ऋणी दी बैंक ऑफ नैनिताल बैंक शाखा शास्त्री नगर, जयपुर में बंधक रख वित्तीय सुविधा प्राप्त कर रहा है। यदि किसी भी व्यक्ति/ संस्था को रवि हल्दिया की सम्पत्ति को बंधक रख वित्तीय सुविधा प्राप्त करने बाबत कोई उज्र, आपत्ति या एतराज या कोई वाद विवाद है तो 3 दिवस में सूचित करे। अन्यथा 3 दिवस पश्चात कोई उज्र, आपत्ति शून्य एवं निष्प्रभावी मानी जावेगी।

एडवोकेट (योगेन्द्र शर्मा) मो. 9414073565

खोया पाया

मेरा फ्लेट नं. 29/एच-74, गोदावरी अपार्टमेन्ट प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर संपर्क करें- राजेश कुमार-9024964918

मेरा मकान सं. 265/256 प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का मूल भौतिक कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- वर्षा बिटलानी- 7226975162

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री रिया मिश्रा के शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम श्याम मिश्रा की जगह श्याम बाबू मिश्रा के नाम से जाना पहचाना जावेगा। निवासी गोरधनपुरा, तहसील टहला, अलवर-301410

मेरी पुत्री रिया मिश्रा के शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम मंजू मिश्रा की जगह मंजू देवी के नाम से जाना पहचाना जावेगा। निवासी गोरधनपुरा, तहसील टहला, अलवर-301410

मैंने अपना नाम रामअवतार जाट (Ramavtar Jat) से बदलकर रामअवतार चौधरी (Ramavtar Choudhary) पुत्र श्री प्रभु नारायण चचौधरी रख लिया है। रामअवतार जाट एवं रामअवतार चौधरी दोनों मेरे ही नाम है निवासी 1/236 SFS अग्रवाल फार्म, नियर ICG कॉलेज, मानसरोवर जयपुर। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड राजस्थान
महेन्द्र बनाम अशोक वगैरह
मु.नं. 217 सन् 2022
T.I. No. 214/22

दावा बाबत तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा T.I.

बनाम अनोप पत्नि स्व. लीलाराम, साक्षी, मिनाक्षी, पूजा, विशाखा, हिमटिम, मानवी पुत्रीयान स्व. लीलाराम, नीरज पुत्र स्व. लीलाराम, मगना राम पुत्र मोहन लाल, मीरा पुत्री मोहन लाल, संतोष पुत्री मोहन लाल, बल्ला पुत्री मोहन लाल जाति मीणा निवासीयान पाथरेडी तहसील पावटा, ओमसिंह पुत्र मंगेज सिंह, कानसिंह पुत्र मंगेज सिंह, महेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, गजेन्द्र सिंह, गोपाल सिंह माता स्व. प्रेम कँवर पुत्र मंगेज सिंह, संतोष माता स्व. प्रेम कँवर पुत्र मंगेज सिंह, गुलाब कँवर पुत्री सांग सिंह, मगन कँवर पुत्री सांग सिंह, मान कँवर पुत्री सांग सिंह, सुप्यार पत्नि रामसिंह पुत्र सांग सिंह, अंजू, मंजू, पुत्रीयान रामसिंह पुत्र स्व. सांग सिंह, रतन सिंह पुत्र रामसिंह पुत्र स्व. सांग सिंह, श्री कँवर पुत्री सांग सिंह, सोहन कँवर पुत्री सांग सिंह जाति राजपूत निवासीयान पाथरेडी तहसील पावटा फूली पत्नि जयराम, मूर्ती, चिड़िया, कृष्णा पुत्रीयान स्व. जयराम, रामशरण, मानसिंह पुत्रान स्व. जयराम, रामकुवार पुत्र प्रभाता जाति गुर्जर निवासीयान पाथरेडी तहसील पावटा, निशांत सिंह पुत्र प्रतापसिंह, प्रतिभा पुत्र प्रताप सिंह, शोभा कंवर पत्नि प्रताप सिंह, भवानी सिंह पुत्र रोहताश सिंह, मंजू कंवर पुत्री रोहताश सिंह, विरेन्द्र पुत्र रोहताश सिंह समस्त जाति राजपूत निवासीयान पाथरेडी तहसील पावटा, गणपत पुत्र बल्ला, गोठी पत्नि बल्ला, गणपत, बनवारी, राजेन्द्र, अर्जुन पुत्रान प्रहलाद, फूली देवी, रामकला, मिश्री, भरपाई, सन्तोष पुत्रीयान प्रहलाद, प्रेम पत्नि जगदीश, सुनिल पुत्र जगदीश सुरेन्द्र, सुनिल माता राजबाला पुत्री स्व. प्रहलाद, बनवारी पुत्र बल्ला, रामेश्वर पुत्र बल्ला समस्त जाति अहीर निवासीयान गोरधनपुरा तहसील कोटपूतली जिला कोटपूतली बहरोड राजस्थान वादी ने आपके विरुद्ध वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 18.06.2026 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के वाद उपावद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता. 08 माह 06 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

उपखण्ड अधिकारी
पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर 161/2026

चूंकि प्रार्थी श्री दोलत राम गोयल निवासी वार्ड न० 4 शाहपुरा रोड़, नीम का थाना, जिला सीकर राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत पुष्पावती गोयल चौरिटेबल ट्रस्ट शाहपुरा रोड नीम का थाना जिला सीकर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन -पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 8/6/26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी ... 11/8/26

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (द्वितीय), देवस्थान विभाग, जयपुर

आम सूचना

दिनांक- 08.06.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विनोद कुमार अटल पुत्र श्री राजेन्द्र अटल निवासी भगवान पुरा जयपुर द्वारा अजय पुत्र श्री रामचन्द्र निवासी सी-174 जे.डी.ए. कॉलोनी पालडी मीणा आगरा रोड, जयपुर से प्लाट नंबर 22, स्कीम सिद्धी नगर योजना, थावास अजमेर रोड जयपुर क्षेत्रफल 136.1 वर्गगज क्रय कर रहे है, इस बाबत किसी भी दीगर व्यक्ति, बैंक, संस्था, सोसायटी, सरकारी कार्यालय या अर्द्धसरकारी कार्यालय को कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो सात दिवस की अवधि में मय सबूत मुझ से सम्पर्क करें अवधि समाप्ती पर मेरे मुवक्किल के विरुद्ध आपत्ति अमान्य व शुन्य मानी जावेगी।

अब्दुल हनीफ खान/साहिल खान, एडवोकेट
कार्यालय-एस 2, सैकेण्ड फ्लोर डीलर्स प्लाजा, स्पेस सिनेमा के सामने झोटवाडा रोड, जयपुर, मो. 9929655751, 7062200272

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-1356 दिनांक-10.06.2026

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 80/83 (EWS), (एरिया 72.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री कल्याण चन्द गुप्ता पुत्र श्री नन्द किशोर गुप्ता को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1370 दिनांक 11.08.1989 को जारी किया गया। श्रीमती पुष्पा लखानी पत्नी श्री किशन चन्द लखानी के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 2251/1199 दिनांक 04.06.2010 के द्वारा किया गया। श्रीमती पुष्पा लखानी की मृत्यु दिनांक 11.12.2011 को हो जाने के कारण शपथ पत्र क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, घोषणा पत्र के आधार पर इनके पुत्र श्री हरीश कुमार लखानी पुत्र श्री किशन चन्द लखानी द्वारा उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अत उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री हरीश कुमार लखानी पुत्र श्री किशन चन्द लखानी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति कामां जिला-डीग (राजस्थान)

(E-mail : kums.kaman@rajasthan.gov.in)

कमांक : 166-190 दिनांक : 25.05.2026

आवंटन विज्ञप्ति

कृषि उपज मण्डी समिति कामां के मुख्य मंडी प्रांगण में निर्मित रिक्त 05 फुटकर दुकान मय बरामदा एवं 01 निर्मित ग्रामीण गोदाम का अचल सम्पत्ति आवंटन नीति 2005 एवं समय-समय पर जारी संशोधित प्रावधानों में वर्णित पश्चात्वर्ती चरणों के प्रावधानो के तहत 99 वर्षीय लीज पर आवंटन किये जाने हेतु दिनांक 08.06.2026 से 10.07.2026 तक मण्डी समिति द्वारा निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किए जाते है। आवंटन के सम्बन्ध में अधिक जानकारी व आवेदन प्रपत्र मण्डी समिति कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में प्राप्त कर सकते है।

आवंटन योग्य रिक्त फुटकर दुकानो का विवरण	सामान्य वर्ग	एस. सी.वर्ग	एस. टी.वर्ग	नि:शक्तजन	जैविक उत्पाद विक्रय	कृषि स्नातक
मुख्य मण्डी प्रांगण कामां में अवस्थित 05 फुटकर दुकान मय बरामदा साईज 11'x20'6"	00	01	01	–	01	02

ग्रामीण गोदाम क्षमता का विवरण	क्षमता व साईज (फुट में)
मुख्य मण्डी प्रांगण कामां में अवस्थित 01 ग्रामीण गोदाम	250 ट्रिक टन क्षमता साईज

1. आवंटन की दर अचल सम्पति आवंटन नीति 2005 एवं समय-समय पर संशोधित प्रावधानो के अनुरूप प्रभावी डी.एल.सी दर व निर्माण लागत के अनुसार होगी।
2. फुटकर दुकान का आवंटन खाद बीज दवाईयों वारदान, पशुआहार, कृषि साहित्य, कृषि यंत्र एवं अन्य संबंधित कृषि व्यवसाय से जुडी विभिन्न वस्तुएं एवं सेवाओं यथा एग्री यथा एग्री क्लीनिंग (केवल कृषि स्नातकां हेतु 2 दुकाने) वायदा बाजार केन्द्र, बायों प्रोडक्ट शॉप, सर्टिफिकेशन, लेब टेस्टिंग लेबोटरी, गो सेवा आयोग द्वारा प्रमाणित उत्पादों के विक्रय केन्द्र, निर्यात सलाह केन्द्र सरस उत्पाद विपणन केन्द्र, कियोस्क, एसटीडी, पी.सी.ओ. एवं जैविक उत्पाद विक्रय आदि प्रयोजनो हेतु आवंटित की जावेगी।
3. ग्रामीण गोदाम का उपयोग कृषि जिंसों के भण्डारण हेतु किया जायेगा।
4. भण्डारण हेतु कृषकों द्वारा भण्डारण किए जाने पर भण्डारण की दर राजस्थान भण्डार व्यवस्था निगम द्वारा निर्धारित दर से अधिक नही होगी।
5. ग्रामीण गोदाम के आवंटी को मण्डी समिति से भण्डारण का अनुज्ञापत्र प्राप्त करना होगा।
6. आवंटन हेतु आवेदन पत्र 500/- रूपये कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति कामां में नगद जमा कराकर दिनांक 08.06.2026 से 09.07.2026 को सांय 5:00 बजे तक कार्यालय समय में मण्डी समिति कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है। आवेदन पत्र भरकर कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति कामां में अन्तिम दिनांक 10.07.2026 को दोपहर 02.00 बजे तक जमा करवाये जा सकते है।
7. फुटकर दुकान हेतु आवेदन पत्र के साथ धरोहर राशि के रूप में 10000/- रूपये एवं ग्रामीण गोदाम हेतु धरोहर राशि 100000/-रूपये का डी.डी संलग्न करना अनिवार्य होगा जो सचिव, कृषि उपज मण्डी समिति कामां के नाम से देय हो। बिना धरोहर राशि आवेदन फार्म मान्य नहीं होगा।
8. जैविक उत्पाद विक्रय को सम्बन्धित विभाग द्वारा जारी किये गये अनुज्ञापत्र की प्रति आवश्यक रूप से संलग्न करनी होगी।
9. आवंटन के लिए वे व्यक्ति/फर्म पात्र होंगे जिन्हे मुख्य मण्डी प्रांगण/गौण मण्डी प्रांगण में कोई दुकान/भूखण्ड आवंटित नही है।
10. आवंटन हेतु उपलब्ध दुकान/भूखण्डों की संख्या व साईज में आवंटन प्रक्रिया के दौरान कभी भी किसी भी स्तर पर कमी/वृद्धि की जा सकती है। आवंटन करने/नही करनें का अधिकार मण्डी समिति के पास सुरक्षित रहेगा।
11. शेष शर्ते व ले आउट प्लान मंडी समिति कामां में किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में देखी जा सकती है एवं विभागीय वेबसाईट www.agriculture.rajasthan.gov.in/Mandi पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/4583 प्रशासक सचिव

कार्यालय नगर पालिका पिलानी

जिला-झुंझुनू (राज.) फोन नं. 01596-242129
E-mail: pilani.jaipur@gmail.com

क्रमांक- न.पा.पि./2026-27/976 दिनांक- 10.06.2026

आपत्ति-विज्ञप्ति

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्ति उनके नाम के आगे अंकित पत्रावलिया 69-कृषि भूमि नियमन निर्माण स्वीकृति हेतु आवेदन पालिका में प्राप्त हुये है अत जिस किसी को भी ऐतराज हो उक्त विज्ञप्ति प्रकाशत होने के 07 दिवस में मय सबूत प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद प्रस्तुत ऐतराज मान्य नहीं होंगे।

क्र. सं.	आवेदक मय/पिता/पति का नाम	क्षेत्रफल	भूमि का प्रयोजन	क्षेत्र	खसरा नं.	चतुर्थ सीमा			
						उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
1	नरेन्द्र कुमार गहलावत पुत्र श्री रामकिशन गहलावत	363.43 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन	बाईपास रोड के पास, पिलानी	1214/908	एन.के.मार्बल	अन्य का प्लाट	आम रास्ता	प्लाट नं. 31
2	नरेन्द्र कुमार गहलावत पुत्र श्री रामकिशन गहलावत	392.03 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन	बाईपास रोड के पास, पिलानी	1214/908	प्लाट गोर्वधन	श्री कृष्ण कुमार	नरेन्द्र	बाईपास रोड
3	रामकिशन गहलावत पुत्र श्री रणसिंह	783.33 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन	बाईपास रोड के पास, पिलानी	899	प्लाट नं. 05	शीतल दास	अन्य प्लाट	आम रास्त
4	प्रतिभा अहलावत पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार गहलावत	391.66 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन	विद्याआश्रम स्कूल के पास पिलानी	899	रामकिशन	जितेन्द्र कस्वा	श्याम स्टील अन्य	आम रास्ता
5	बबूलाल सैनी पुत्र श्री रामजीला सैनी	217.17 वर्गगज	निर्माण स्वीकृति	वार्ड नं. 13 राजपूरा मोहल्ला पिलानी	-	सुभाष सैनी	आम रास्ता	द्वारका प्रसाद	मदनलाल
6	अन्तर सिंह पुत्र श्री महावीर सिंह	813.56 वर्गगज	69-क	वार्ड नं. 12 श्याम मंदिर के पिछले पिलानी	-	जोगियों की भूमि	आम रास्ता	आम रास्ता	छोटेलाल रूंगटा

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, पिलानी

बिजली-पानी संबंधित परिवेदनाओं का शीघ्र निराकरण करें : वन राज्यमंत्री

संजय शर्मा ने अलवर सर्किट हाउस में जिले में सुचारू विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के संबंध में बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

■ विद्युत एवं पेयजल की शिकायत हेतु आमजन के फोन उठाकर परिवेदना का निराकरण कर उनके संतुष्टि स्तर में वृद्धि करें

अलवर (निसं)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने आज अलवर सर्किट हाउस में जिले में सुचारू विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के संबंध में बैठक लेकर विद्युत एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि विद्युत के साथ पेयजल व्यवस्था आमजन की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी हुई है, गर्मी के मौसम में तूफान, अधड आदि परिस्थितियों में आमजन को विद्युत एवं पेयजल की समस्याओं का सामना नहीं करना पडे, इसके लिए विद्युत एवं जलदाय विभाग के अधिकारी जिले सहित शहर में निर्बाध विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि कंट्रोल रूम अथवा अन्य माध्यमों से प्राप्त विद्युत एवं पेयजल समस्याओं का अलर्ट मोड रहकर समयबद्ध रूप से निराकरण कर आमजन को राहत प्रदान करें। विद्युत एवं पेयजल की शिकायत हेतु आमजन के फोन उठाकर परिवेदना का निराकरण कर उनके संतुष्टि स्तर में वृद्धि करें। उन्होंने निर्देश दिये कि अधीक्षण अभियन्ता स्वयं विद्युत एवं पेयजल व्यवस्थाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करें। इसमें कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पटरी पार क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ करने हेतु राजर्षि कॉलेज के पास एवं अम्बेडकर नगर में बनाए जाने वाले दो 33 केवी के सब स्टेशन के कार्यों की समीक्षा कर विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि जीएसएस के कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करावे, ताकि आमजन को सुचारू विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। साथ ही निर्देशित किया कि जिले में फाल्ट व ट्रिपिंग होने पर यथाशीघ्र दुरूस्त करें। साथ ही विद्युत उपकरण जलने पर भी त्वरित रूप में बदले जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि अधिकारी फील्ड में रहकर जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पर निगरानी बनाए रखे। उन्होंने निर्देश दिये कि आमजन की विद्युत संबंधी समस्याओं पर तुरन्त रेस्पोंस लेते हुए उनका यथाशीघ्र निराकरण किया जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले में विद्युत व्यवस्था के सुदृढीकरण हेतु आवश्यकतानुसार नए प्रस्ताव तैयार करें तथा प्रगतिरत कार्यों को टाइमलाइन के अनुरूप पूर्ण करावे। उन्होंने कहा कि आमजन को सुचारू पेयजल आपूर्ति हेतु शहर में नए बोरिंग कराए गए है, अतः सुनिश्चित करें कि आमजन को पेयजल समस्या का सामना नहीं करना पडे। उन्होंने निर्देश दिये कि आवश्यकतानुरूप और अधिक बोरिंग कराने के प्रस्ताव तैयार करे। उन्होंने निर्देश दिये कि बोरिंग के खराब होने पर उसे यथाशीघ्र दुरूस्त कराया जावे। साथ ही निर्देश दिये कि पेयजल व्यवस्था से संबंधित प्रगतिरत कार्यों को समयबद्ध रूप में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करावे।

पावटा में कांग्रेस पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर नीलका पुलिया निर्माण कार्य के दौरान बनाए गए डायवर्जन स्थल पर हुई सड़क दुर्घटना में आंतेला निवासी सुरजाराम यादव की मौत के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पावटा के पदाधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मामले की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच करवाने, दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

नीलका पुलिया हादसे पर कांग्रेस का आक्रोश, निष्पक्ष जांच और मुआवजे की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन।

■ प्रसाद यादव ने कहा कि प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए

कांग्रेस नेताओं ने अपने ज्ञापन में बताया कि विराटनगर पावटा-आंतेला क्षेत्र में स्थित नीलका पुलिया निर्माण कार्य के दौरान बनाए गए डायवर्जन स्थल पर हुई दुर्घटना में सुरजाराम यादव की दर्दनाक मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि सामने आए सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तथ्यों से प्रथम दृष्टया निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों और यातायात प्रबंधन में गंभीर लापरवाही दिखाई देती है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि यदि डायवर्जन स्थल पर पर्याप्त चेतावनी संकेतक, बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टर, सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रभावी यातायात नियंत्रण की व्यवस्था होती तो इस दुर्घटना को रोका जा सकता था। ऐसे में निर्माण एजेंसी और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पावटा के अध्यक्ष महादेव प्रसाद यादव ने कहा कि एक परिवार ने अपने सदस्य को खो दिया है और प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता एवं मुआवजा देने की भी मांग की। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर चल रहे सभी निर्माण कार्यों एवं डायवर्जन स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था की तत्काल समीक्षा की जाए तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सार-समाचार

विशेष अभियान में 50 वाहनों के चालान काटे

टोंक(निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये गये विशेषय अभियान के तहत निवाई में बरोनी थाना पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर विशेष अभियान चलाकर वाहनों की चेकिंग करते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 50 वाहनों के चालान काटे। अभियान के तहत दुपहिया, चौपहिया और बड़े वाहनों की जांच की गई। ओवरलोडिंग, काली फिल्म, सीट बेल्ट का उपयोग न करना और नंबर प्लेट संबंधी नियमों का उल्लंघन करने पर ये चालान काटे गए।

बढ़ती मंहगाई के विरोध में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

अलवर(निसं)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी शाखा गोबिंदगढ़ के तत्वाधान में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पदमुक्त करने के लिए प्रतिनिधिमंडल ने उपखंड अधिकारी गोविंदगढ़ को ज्ञापन सौंपा। पार्टी के सचिव पुरुषोत्तम दास मजोका ने बताया की राष्ट्रीय स्तर नीट परीक्षा का पेपर लीक होना एक बड़ी कमजोरी को दर्शाता है। पेपर लीक होने से लाखों छात्रों का जीवन अंधकार में हो गया है व कई विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर ली है। इससे अभिभावकों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए पार्टी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करती है दूसरी और बढ़ती महंगाई को लेकर जनता में असंतोष पनप रहा है। लगातार रसोई गैस, डीजल व पेट्रोल के दामों में भारी वृद्धि की जा रही है जिससे आम जनता त्रस्त हो रही है। उन्होंने किसानों को दिन में बिजली देने की भी मांग की। ज्ञापन देने वालों में तेजपाल सैनी जिला सचिव अलवर, श्रीनिवास शर्मा, जयमल, हरि सिंह, अमरचंद, भोलाराम लोहार, भुवनेश, सुजान सिंह, रघुवीर सिंह, तेजपाल सैनी, राजकुमार बक्शी मौजूद रहे।

विधायक डॉ. गर्ग ने सुनी जनसमस्याएं

भरतपुर (निस)। पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने बुधवार को ग्रामीण क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न सामाजिक कार्यों में भाग लिया तथा विकास कार्यों का अवलोकन करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से क्षेत्र की समस्याओं के बारे में जानकारी ली। विधायक डॉ गर्ग ने दौरे के दौरान विधानसभा क्षेत्र के चिकसाना, हेतमपुर, ऊंदरा, चक ऊंदरा, नगला पूंठिया, बांसी बिरहाना आदि गांवों में पहुंचकर लोगों के सुख दुख में भागीदारी निभाई और सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने क्षेत्र में हुए विकास कार्यो का भी अवलोकन कर ग्रामीण सरदारी से उनकी समस्याओं को सुना। लोगों ने उन्हें बिजली -पानी की समस्या से अवगत कराया। जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों से गर्मी के मौसम को देखते हुए विधुत व पेयजल की आपूर्ति निर्बाध रूप से सुचारू रखने के निर्देश दिए। विधायक डॉ. गर्ग ने क्षेत्रवासियों को विश्वास दिलाया कि वे किसी भी समस्या से संबंधित शिकायत के लिये कभी भी उनसे मिलने आ सकते हैं। उनकी जायज समस्याओं का पूरी तरह से समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। विधायक गर्ग ने रंजीत नगर कार्यालय पर भी जनसुनवाई की और आमजन की समस्याओं का समाधान कराने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती को लेकर शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

निवाई(निसं)। कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती में पदों के वर्गीकरण से संबंधित समस्याओं को लेकर विशाल जांगिड़, देवेंद्र शर्मा एवं अजय ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ज्ञापन सौंपकर विद्यार्थियों की समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल के विशाल जांगिड़ ने बताया कि कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती में पर्याप्त परिपूरक पद नहीं होने से अभ्यर्थियों को हो रही परेशानियां होने से छात्र निराश हो रहे है। उन्होंने पदों में वृद्धि करवाने की मांग की। विद्यार्थियों बताया कि वर्तमान पद वर्गीकरण के कारण जनरल, ओबीसी, ईडब्लूएस एवं एमबीसी वर्ग के कई अभ्यार्थी शत प्रतिशत अंक प्राप्त लाने के बावजूद भी चयन से वंचित रह रहे हैं। अभ्यार्थियों मंत्री दिलावर से मांग की है कि जनरल, ओबीसी, ईडब्लूएस एवं एमबीसी वर्ग के पदों में शीघ्र वृद्धि की जाए एवं परीक्षा तिथि में उचित संशोधन किया जाए, ताकि पद वृद्धि के लिए प्रयासरत युवाओं को अपनी तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके और भर्ती प्रक्रिया अधिक न्यायसंगत एवं संतुलित बन सके।

स्नातक प्रथम वर्ष की मेरिट व वेटिंग लिस्ट जारी

निवाई(निसं)। राजकीय महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष की मेरिट व वेटिंग लिस्ट जारी कर दी गई है। प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी बघेल ने बताया कि आयुक्तालय के निर्देशानुसार ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के तहत स्नातक प्रथम वर्ष के कला व विज्ञान संकाय की मेरिट व वेटिंग लिस्ट जारी की गई है। प्रवेश नोडल अधिकारी प्रोफेसर मदनमोहन महावर ने बताया कि महाविद्यालय में दस्तावेज का सत्यापन 10 से 13 जून तक किया जाएगा। मेरिट व वेटिंग सभी विद्यार्थी ई-मित्र से बधाई पत्र निकलवाकर अपने सभी मूल दस्तावेज व सभी की प्रतिलिपि लेकर महाविद्यालय में 11 से 2 बजे तक उपस्थित होवें। वेटिंग लिस्ट के विद्यार्थियों को भी अभी फीस जमा करवानी है।

अलवर में डीएनटी समाज का महाजुटान कल

अलवर(निसं)। अपनी वर्षों पुरानी मांगों को लेकर घुमंतु, अर्द्ध घुमंतु एवं विमुक्त (डीएनटी) समाज अब निर्णायक लड़ाई के मूड में नजर आ रहा है। 12 जून को अलवर शहर के कटी घाटी स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर के पास डीएनटी समाज का विशाल जेल भरो आंदोलन आयोजित होगा, जिसमें प्रदेशभर से 5 से 7 हजार लोगों के पहुंचने का दावा किया गया है। राष्ट्रीय पशुपालक संघ एवं डीएनटी संघर्ष समिति द्वारा आयोजित इस आंदोलन को समाज के अधिकारों और पहचान की लड़ाई का बड़ा पड़ाव बताया जा रहा है। प्रेस वार्ता में पदाधिकारियों ने कहा कि यदि सरकार ने 11 सूत्रीय मांगों पर गंभीरता नहीं दिखाई तो आंदोलन को और उग्र एवं व्यापक रूप दिया जाएगा। आंदोलन में जोगी, रैबारी, कालबेलिया, नायक, भोपा, बंजारा, गाडिया लोहार, बावरी, कंजर, सांसी, मोगिया, नट, भाट, सिकलीगर सहित डीएनटी वर्ग की 32 जातियों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है।

महिलाओं के सशक्तिकरण व जागरूकता पर विशेष जोर

टोंक, (निसं)। महिलाओं में आर्थिक सशक्तिकरण, निर्णय क्षमता एवं नेतृत्व को बढ़ावा देकर समाज में मजबूती प्रदान करना आवश्यक है। साथ ही सरकार की महिलाओं के हित की योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत सुनिश्चित हो।

टोंक में नारी चौपाल, नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में महिलाओं को चैक बांटे।

इसे लेकर बुधवार को जिला मुख्यालय एवं ब्लॉक स्तर पर नारी चौपाल, नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद सभागार टोंक में किया गया। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग के राजीविका, पुलिस विभाग द्वारा संचालित महिला केन्द्रित योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी गई।

साथ ही बाल विवाह रोकथाम, साइबर सुरक्षा, एनीमिया एवं सवाईकल कैंसर को लेकर जागरुकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद गतिविधियों का आयोजन किया। एडीएम विनोद कुमार मीना ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। महिलाओं को जागरुक रहकर इन योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना देश, समाज एवं परिवार का विकास संभव नही है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिन, सहायिका एवं राजीविका की महिलाओं को ग्रामीण परिवेश में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को जागरुक करने के निर्देश दिए। राजेन्द्र कुमार सैनी (बबलू टेंकर), विनायक जैन और अंजली गुप्ता ने महिलाओं के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान महिला चिकित्सक डॉ. अंकित सिंघल ने सवाईकल कैंसर की रोकथाम एवं इलाज को लेकर महिलाओं को जागरुक किया।

स्वदेशी जागरण मंच का जिला विचार वर्ग संपन्न

दौसा (निसं.)। आज दौसा के रामकरण जोशी उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्वदेशी जागरण मंच का जिला विचार वर्ग संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक सुरेंद्र नामा, प्रांत महिला प्रमुख डॉ. मनीषा शर्मा, जयपुर प्रांत के पूर्णकालिक कार्यकर्ता पंकज सैनी, जिला संयोजक राजेंद्र शर्मा, जिला सहसंयोजक डॉ. राजेश शर्मा तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जिला सहसंयोजक डॉ. राजेश शर्मा ने विचार वर्ग में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को स्वदेशी का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। विचार वर्ग में सुरेंद्र नामा ने स्वदेशी आंदोलन का परिचय दिया तथा स्वदेशी वस्तुओं को उपयोग में लेने पर जोर दिया। बौद्धिक संपदा के विदेश में हो रहे पलायन को रोकने पर जोर दिया। डॉ.मनीषा शर्मा ने दौसा जिले में रोजगार प्रदाता महिलाओं तथा उनके द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का परिचय करवाकर सम्मानित किया उन्होंने कहा कि स्वदेशी आंदोलन से राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक जुड़ सकता है।

टोंक में बिजली कटौती के विरोध में रैली निकाली

टोंक(निसं)। शहर में लगातार हो रही बिजली कटौती और शिकायतों के समाधान में देरी के विरोध में बुधवार को प्रोग्रेसिव वेलफेयर सोसायटी के कार्यकर्ताओं एवं शहरवासियों द्वारा रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान घंटाघर से बिजली निगम कार्यालय तक पैदल मार्च किया तथा प्रदर्शन के बाद निगम अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर शिकायत निवारण के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की गई।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि टोंक शहर के 60 वार्डों में इन दिनों बिजली संबंधी समस्याओं का सामना करना पड रहा है। उनका कहना है कि शहर में बार-बार बिजली कट रही है। फॉल्ट होने के बाद कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पाती और शिकायतों के समाधान में भी काफी समय लग रहा है। इससे आमजन, व्यापारी, स्टूडेंट्स, किसान और बुजुर्ग प्रभावित हो रहे हैं। उन्होने बताया कि पूरे शहर में बिजली संबंधी शिकायतों और फॉल्ट सुधार के लिए केवल एक वाहन उपलब्ध है। उनका कहना है कि शहर के क्षेत्रफल और आबादी को देखते हुए यह व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, एक वाहन होने के कारण कई इलाकों में शिकायतों का समाधान समय पर नहीं हो पाता। वही भीषण गर्मी के दौरान बार-बार बिजली कटने से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है।

छात्र,शिक्षक,समाज के मुद्दे और मजबूती से उठाऊंगा : प्रो. बैरवा

अलवर। बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर में करीब 23 वर्ष तक सेवा दे चुके,करीब 31 वर्ष की सेवा पूर्ण कर 31 मई को राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी से सेवानिवृत प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रो. रमेश बैरवा का अलवर आगमन पर आज बड़ी संख्या में छात्र,शिक्षक एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर तथा शॉल,स्मृति चिन्ह,महापुरुषों की तस्वीर भेंट कर हार्दिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर इनकी पत्नी सीपीआईएम की अलवर जिला सचिव एवं पूर्व सदस्य किशोर न्याय बोर्ड रईसा ने अतिथियों का स्वागत एवं एमबीबीएस छात्र इनके बेटे साहिल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

वक्ताओं ने कहा कि प्रसिद्ध विश्वविद्यालय जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली के मेधावी विद्यार्थी एवं छात्र नेता रहे प्रो.बैरवा राजकीय कला महाविद्यालय अलवर के राजनीति विज्ञान के विभाग अध्यक्ष एवं महाविद्यालय अनुशासन समिति के संयोजक रह चुके हैं। छात्रों में अत्यंत लोकप्रिय रहे हैं। शोध कार्य को बढ़ावा देते रहे हैं। शिक्षक नेता रहे प्रो.रमेश बैरवा विद्यार्थी,शिक्षक एवं समाज हित के मुद्दे बहुत मजबूती से उठाते रहे हैं। सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। प्रो.रमेश बैरवा ने कहा कि अलवर वासियों का भी इन्हें प्यार बहुत मिला है। विद्यार्थी,शिक्षक और समाज हित के मुद्दे अब और मजबूती से उठाऊंगा। विकास के लिए भाईचारा बहुत जरूरी है।

भंडाना में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आज

दौसा। पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री, किसान नेता एवं जननायक राजेश पायलट की पुण्यतिथि 11 जून को प्रातः 10 बजे राजेश पायलट स्मारक, भंडाना (दौसा) में मनाई जायेगी। इस मौके पर सर्वधर्म सभा का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री व एआईसीसी के महासचिव सचिन पायलट मुख्य वक्ता होंगे। इनके अलावा दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, दौसा विधायक डीसी बैरवा, जीआर खटाना, वेद प्रकाश सोलंकी, पूर्व विधायक राकेश पारीक, हेमा राम चौधरी नमोनारायण मीणा सहित राजस्थान प्रदेश के अनेक वरिष्ठ कांग्रेसजन, जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे। सर्वधर्म सभा में विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं द्वारा राजेश पायलट के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए जाएंगे। कार्यक्रम में राजेश पायलट के किसान हितैषी, जनसेवी एवं राष्ट्रिहत में दिए गए योगदान को याद किया जाएगा।

दौसा में महिलाओं एवं छात्राओं को सुरक्षा के लिए किया जागरुक

दौसा (निसं.)। कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, दौसा के तत्वावधान में महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा के लिए चलाये जा रहे जागरूकता कार्यक्रम के तहत अनेक जगह पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दौसा में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट महिलाओं को जागरुक किया।

कार्यक्रम के दौरान कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा महिलाओं को सेल्फ डिफेंस (आत्मरक्षा) का प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन भी दिया गया। महिलाओं को विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले महत्वपूर्ण उपायों एवं तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही महिलाओं को राजकोप सिटिजन ऐप, महिला सुरक्षा, महिला हेल्पलाइन 1090/1091, पुलिस कंट्रोल रूम 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, गुड टच-बैड टच, पॉक्सो एक्ट एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। महिलाओं को ऑनलाइन ठगी, साइबर फ्रॉड एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के प्रति भी जागरूक किया गया। इसी क्रम में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, देहरादून क्लासेस एवं पीजी कॉलेज में भी महिलाओं व छात्राओं को जागरूक किया गया। उन्हें यातायात नियमों के पालन, आत्म सुरक्षा, महिला अधिकारों एवं पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न सुरक्षा अभियानों की जानकारी प्रदान की गई। दौसा पुलिस द्वारा महिलाओं एवं छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

लालसोट में धड़ल्ले से गैस रिफ्लिंग का खेल जारी

■ खटवा रोड, सवाईमाधोपुर रोड सहित कई स्थानों पर खुलेआम हो रही गैस रिफ्लिंग, घरेलू सिलेंडरों से वाहनों में भरी जा रही है गैस

लालसोट(निसं)। नगरपरिषद क्षेत्र में अवैध गैस रिफ्लिंग का कारोबार प्रशासनिक कार्रवाई के बावजूद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में पुलिस प्रशासन द्वारा गैस रिफ्लिंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की गई थी, लेकिन इसके बावजूद शहर के खटवा रोड, सवाईमाधोपुर रोड सहित कई क्षेत्रों में खुलेआम गैस रिफ्लिंग का कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार कुछ लोग घरेलू एचपी गैस सिलेंडरों से वाहनों की टंकियों में गैस भरकर मनमाने दाम वसूल रहे हैं। वहीं कई वाहन चालक भी अपने घरों में उपयोग होने वाले रसोई गैस सिलेंडरों से सीधे वाहनों में गैस भरते देखे जा रहे हैं। सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए की जा रही यह गतिविधि किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रिहायशी क्षेत्रों और गली-मोहल्लों में हो रही गैस रिफ्लिंग से हमेशा आगजनी और विस्फोट का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की निगरानी और कार्रवाई प्रभावी नहीं दिखाई दे रही है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं संबंधित गैस कंपनियों से अवैध गैस रिफ्लिंग पर सख्त कार्रवाई करने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की है।

बाबा श्याम नगरी को स्वच्छ, सुंदर बनाने में अधिकारी समन्वय से कार्य करें : के.के. गुप्ता

खाटूश्यामजी/सीकर (निस)। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री महोदय भजन लाल शर्मा का संकल्प है कि राजस्थान के सभी धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित और पर्यावरण अनुकूल बनाया जाए। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रदेश की प्रमुख धार्मिक नगरी खाटूश्यामजी में स्वच्छता एवं नगर विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर पालिका, विद्युत विभाग, सीवरेज परियोजना तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया गुप्ता ने बताया कि जिला कलेक्टर श्री आशीष मोदी द्वारा नियमित रूप से स्वच्छता के कार्यों की समीक्षा करना तथा सीकर जिले को स्वच्छता में रोल मॉडल बनाने का जो कार्य किया जा रहा है वह अति प्रशंसनीय है।

धार्मिक नगरी खाटूश्यामजी में स्वच्छता एवं नगर विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए के.के. गुप्ता ने कहा कि खाटूश्यामजी देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में नगर की स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, आधारभूत सुविधाएं एवं पर्यावरण संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नगर के सभी गली-मोहल्लों, नालियों एवं नालों की सफाई समय रहते पूर्ण कर ली जाए, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव और गंदगी की समस्या उत्पन्न न हो।

उन्होंने सीवरेज परियोजना से जुड़े अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी मानसून में किसी भी स्थिति में गटर लाइन का गंदा पानी सड़कों पर नहीं आना चाहिए। इसके लिए आवश्यक तकनीकी सुधार एवं रखरखाव कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि सीवरेज व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि नगर में लगभग 35 किलोमीटर लंबाई तक अंडरग्राउंड विद्युत लाइन बिछाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन अब तक केवल 15 किलोमीटर कार्य ही पूर्ण हो पाया है। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए के.के. गुप्ता ने निर्देश दिए कि संबंधित ठेकेदार को शीघ्र शेष कार्य पूर्ण करने के लिए पाबंद किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि कार्य में अनावश्यक विलंब किया जाता है तो ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत प्लास्टिक मुक्त खाटूश्यामजी की परिकल्पना को साकार करने पर भी विशेष जोर दिया गया। गुप्ता ने कहा कि नगर में सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक थैलियों के उपयोग पर प्रभावी रोक लगाई जाए। आमजन को कपडे एवं अन्य पर्यावरण हितैषी थैलियों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए तथा नगर पालिका द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाकर प्लास्टिक थैलियों की धरपकड की जाए।

भरतपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पायलट का अभिनंदन किया

भरतपुर (निस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार सम्माननीय सचिन पायलट साहब के भरतपुर आगमन पर रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा के नेतृत्व में जिले के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

डीसीसी संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि सोगरिया एक्सप्रेस से हिण्डौन जाते समय भरतपुर रेलवे स्टेशन पर सर्वप्रथम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश सूपा ने सचिन पायलट को जिले के समस्त कांग्रेसजनों की ओर से सूत की माला तथा पटका पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने बड़ी फूल माला तथा पार्टी का पटका एवं पुष्पगुच्छा भेंटकर पायलट साहब का स्वागत किया। इस अवसर पर अपने स्वागत से अभिभूत होकर संक्षिप्त उद्बोधन में सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद प्रकट करते हुए कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की बात कही। सचिन पायलट रवाना होते समय भरतपुर जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा को भी अपने साथ बिठाकर हिंडौन ले गए।

दोनों क्लबों के बीच रिश्ते खराब कैसे हो सकते हैं, जब रियल मैड्रिड उन्हें उनके दूसरे प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना से भी अधिक मनोरंजन प्रदान करता है। इस टिप्पणी को फुटबॉल जगत में बड़ी चर्चा का विषय माना जा रहा है। – एटलेटिको मैड्रिड

फुटबॉल खिलाड़ी, अर्जेंटीना के जूलियन अल्वारेज के विवाद को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी: मानव सुथार

भारत के युवा स्पिनर मानव सुथार को इंग्लैंड की काउंटी टीम वारविकशायर ने मौजूदा काउंटी चैंपियनशिप के अगले दो मुकाबलों के लिए अनुबंधित किया है। हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट पदार्पण करने वाले मानव सुथार अब 12 जून से स्कारबोरो में यॉर्कशायर के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलेंगे। इसके बाद अगले सप्ताह टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ भी टीम का हिस्सा रहेंगे। वारविकशायर के प्रदर्शन निदेशक जेम्स थॉमस ने कहा कि मानव टीम के गेंदबाजी आक्रमण को नया आयाम देंगे और उनका भारतीय टेस्ट टीम में चयन उनकी क्षमता को दर्शाता है।

क्या आप जानते हैं ?... ओलंपिक में चौथा स्थान : 1956 के मेलबर्न ओलंपिक में भारत ने चौथा स्थान हासिल किया था, जो भारतीय फुटबॉल टीम का अब तक का सबसे बड़ा ओलंपिक प्रदर्शन है।

आरसीए ने स्पोर्ट्स काउंसिल को केपीएल सीजन के दौरान आरसीए एकेडमी ग्राउंड पर शराब/बीयर परोसने की शिकायत की

जयपुर, 10 जून। राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल ने 09 जून 2026 से 11 जून 2026 तक केपीएल सीज़न ऑर्गनाइज़ करने के लिए आरसीए एकेडमी ग्राउंड एक प्राइवेट पार्टी को अलॉट किया है। आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर डॉ मोहित यादव ने बताया कि आज उस इवेंट के दौरान ऑर्गनाइज़र ग्राउंड की जगह पर शराब और बीयर परोस रहा था। स्टेडियम की जगह के अंदर ऐसी एक्टिविटीज़ पूरी तरह से मना हैं और स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के स्टैंडर्ड डेकोरम और इस्तेमाल के नियमों के खिलाफ हैं। उस ग्राउंड का मेंटेनेंस राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) कर रहा है, और ऐसी घटनाओं से राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल और आरसीए दोनों की इमेज और रेप्युटेशन पर बुरा असर पड़ता है। किसी स्पोर्ट्स वेन्यू के अंदर मना की गई एक्टिविटीज़ की इजाज़त देने से एक गलत मैसेज भी जाता है और स्पोर्ट्स के माहौल की पवित्रता पर असर पड़ता है। यह पहली बार नहीं है ऐसा पहले भी देखने को मिला है कि स्पोर्ट्स काउंसिल आरसीए क्रिकेट अकादमी किराए पर देती है, ओर वहाँ खुलेआम शराब बीयर पीते खिलाड़ियों को देखा जा सकता है। कोई भी जिम्मेदार कर्मचारी इन सब को लेकर सीरियस नहीं है। कन्वीनर डॉ मोहित ने स्पोर्ट्स काउंसिल सेक्रेटरी को लेटर लिखकर दिया है कि इस मामले को तुरंत देखें और सही एक्शन लें ताकि यह पक्का हो सके कि ऐसी एक्टिविटीज़ तुरंत बंद हो जाएं और वेन्यू पर इवेंट्स के दौरान ज़रूरी नियमों का पालन हो।

भारतीय टीम को झटका, पंड्या फिर चोटिल, अफगानिस्तान एकदिवसीय सीरीज से बाहर

नई दिल्ली, 10 जून। भारत के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या खेलने की स्वीकृति मिलने के कुछ घंटे बाद बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए जब उनकी जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। पंड्या बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपनी पीठ की ऐंठन की चोट से उबरने के बाद खेलने की मंजूरी लेने गए थे।

यह चोट उन्हें आईपीएल में मुंबई इंडियन्स के लिए खेलते समय लगी थी। हो सकता है कि यह नई चोट सीओई में आकलन के दौरान पूरे 10 ओवर की गेंदबाजी करने की वजह से लगी हो। अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला शनिवार को धर्मशाला में शुरू होगी। इसके बाद लखनऊ और चेन्नई में क्रमश: 17 और 20 जून को दो अन्य मैच खेले जाएंगे। बीसीसीआई के

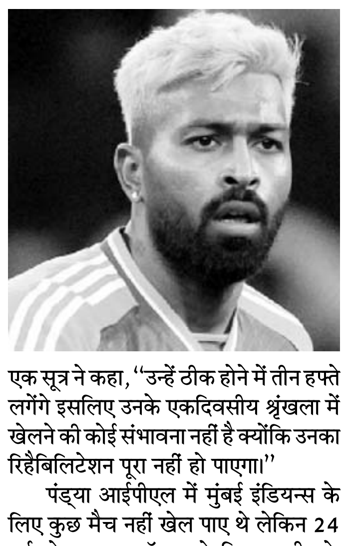

एक सूत्र ने कहा, "उन्हें ठीक होने में तीन हफ्ते लगेंगे इसलिए उनके एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि उनका रिहैबिलिटेशन पूरा नहीं हो पाएगा।"

पंड्या आईपीएल में मुंबई इंडियन्स के लिए कुछ मैच नहीं खेल पाए थे लेकिन 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टीम के आखिरी मैच में वापसी की थी। इस 32 साल के ऑलराउंडर को यह नई चोट ऐसे समय में लगी है जब अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें अधिक एकदिवसीय क्रिकेट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। एकदिवसीय विश्व कप 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ पहले दौर के मैच के दौरान पंड्या के बाएं टखने में लगी चोट ने टीम का संतुलन बिगाड़ दिया था। दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत की योजनाओं में पंड्या अहम बने हुए हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला और फिर अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ भी इतने ही मैच की श्रृंखला के लिए पंड्या को मैच फिट रखने के मकसद से उन्हें भारत की टी20 टीम से बाहर रखा गया है जबकि वह इस प्रारूप में दो बार विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं।

विश्व कप से पहले अंतिम अभ्यास मैच में अर्जेंटीना ने आइसलैंड को 3-0 से हराया

ऑबर्न, 10 जून। मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने विश्व कप से पहले अपने अंतिम अभ्यास मुकाबले में बुधवार को आइसलैंड को 3-0 से हराकर दमदार तैयारी का संकेत दिया। अमेरिका के अलबामा राज्य के ऑबर्न स्थित जॉर्डन-हेयर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में लियोनेल मेसी ने बेंच से उतरकर पेनल्टी पर गोल दागा और टीम की जीत को यादगार बना दिया। अर्जेंटीना ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मैच के पहले दस मिनट के भीतर वेलेंटिन बार्को ने शानदार गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में लगभग 20 मिनट शेष रहते लियोनेल मेसी मैदान पर उतरे। कुछ ही मिनट बाद अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली, जब लाउतारो मार्टिनेज़ को बॉक्स के अंदर फाउल किया गया। मेसी ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए गेंद को जाल में पहुंचा दिया।

ब्रूक बने दुनिया के नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज, रूट तीसरे स्थान पर खिसके, शुभमन गिल शीर्ष-10 में

नई दिल्ली, 10 जून। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताज़ा टेस्ट रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज़ हैरी ब्रूक ने अपने ही देश के दिग्गज बल्लेबाज़ जो रूट को पीछे छोड़ते हुए दुनिया के नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज़ का स्थान हासिल कर लिया है। ब्रूक वर्ष 2024 के बाद पहली बार टेस्ट बल्लेबाज़ी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचे हैं। वहीं, जो रूट दो स्थान नीचे खिसक कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

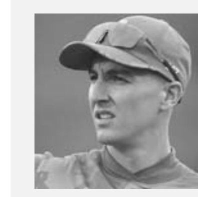

हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में ब्रूक ने 56 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। दूसरी ओर जो रूट दोनों पारियों में केवल 1 और 8 रन बना सके थे। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल को भी शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। अफगानिस्तान के खिलाफ शतक लगाने के बाद गिल दो स्थान की छलांग लगाकर टेस्ट बल्लेबाज़ों की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। गिल ने उस मुकाबले में 126 रन बनाए थे और भारत ने पारी और 300 रनों से अपनी सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज की थी। गेंदबाज़ों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज़ गस एटकिंसन ने बड़ी छलांग लगाई है। लॉर्ड्स टेस्ट में सात विकेट लेने के बाद वह सात स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष-10 में शामिल हो गए हैं। एटकिंसन ने दूसरी पारी में पांच विकेट भी लिए थे। हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में भी एटकिंसन को फायदा मिला और वह आठवें से छठे स्थान पर पहुंच गए।

लोग क्रिकेट किटबैग को हॉकी बैग समझते थे : मितालीराज

नई दिल्ली, 10 जून। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम पिछले साल की वनडे विश्व कप खिताबी जीत के बाद अब टी20 विश्व कप खिताब जीतने की मुहिम में जुटी है और पूर्व कप्तान मिताली राज ने बुधवार को कहा कि उनका सफर देश में महिला क्रिकेट की उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है जिसमें सीमित मौकों से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनना शामिल है। मिताली ने कहा कि उनका व्यक्तिगत सफर देश में इस खेल के विकास की कहानी भी है।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली महिला भारतीय टीम इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को बर्मिंघम में अपने अभियान की शुरूआत करेगी और 1990 के दशक से लेकर यह खेल काफी आगे बढ़ चुका है जब महिला क्रिकेट को पहचान और

मजबूत ढांचा पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। इस बदलाव का सबसे बड़ा परिणाम पिछले साल भारत और श्रीलंका में आयोजित महिला वनडे विश्व कप में भारत की पहली खिताबी जीत रही जिसने लंबे समय से चली आ रही धारणाओं को बदलने में मदद की। भारत अब अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब की तलाश में है ताकि वह अपने वनडे विश्व कप खिताब के साथ एक और विश्व खिताब जोड़ सके।

अपने शुरुआती दिनों की चुनौतियों को याद करते हुए मिताली ने कहा कि जब वह बड़ा किटबैग लेकर ट्रेन से यात्रा करती थीं तो लोग अक्सर उन्हें हॉकी खिलाड़ी समझ लेते थे क्योंकि बहुत कम लोगों को पता था कि भारत में महिलाएं भी क्रिकेट खेलती हैं। मिताली ने कहा, "जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, तब बहुत कम लोग जानते थे कि महिलाएं भी क्रिकेट खेलती हैं।

लोग मेरा किटबैग देखकर पूछते थे कि क्या मैं हॉकी खेलती हूं। किसी ने यह कल्पना भी नहीं की कि यह किसी महिला क्रिकेटर का बैग हो सकता है।" 10,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाली एकमात्र महिला क्रिकेटर मिताली ने कहा कि 1990 के दशक में आम धारणा यही थी कि महिलाएं क्रिकेट नहीं खेलतीं। उन्होंने याद करते हुए कहा, "लोगों की सोच थी कि हमने कभी महिलाओं को सड़कों पर क्रिकेट खेलते नहीं देखा, इसलिए शायद वे क्रिकेट खेलती ही नहीं हैं।'

चार साल बाद टेनिस कोर्ट पर लौटी सेरेना, जीत के साथ वापसी

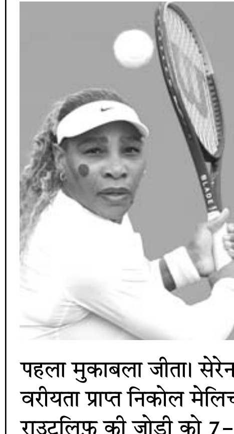

लंदन, 10 जून। टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने लगभग चार वर्ष बाद पेशेवर टेनिस में वापसी करते हुए क्वींस क्लब ग्रास कोर्ट प्रतियोगिता में मंगलवार को युगल मुकाबले में यादगार जीत दर्ज की। अमेरिकी स्टार ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ मिलकर अपना पहला मुकाबला जीता। सेरेना और म्बोको की जोड़ी ने तीसरी वरीयता प्राप्त निकोल मेलिचार-मार्टिनेज और एरिन राउटलिफ़ की जोड़ी को 7-6 (2), 6-2 से हराया। यह मुकाबला वर्ष 2022 के अमेरिकी ओपन के बाद सेरेना का पहला पेशेवर मैच था। मैच के दौरान सेरेना ने 120 मील प्रति घंटे तक की रफ्तार से सर्विस की और कई दमदार विनर शॉट लगाए। मुकाबले का अंत भी उन्होंने अपने अंदाज़ में किया-दो ऐस और एक शानदार सर्विस विनर के साथ। जीत के बाद सेरेना ने कोर्ट पर कहा, यह बहुत मजेदार था। विक्टोरिया के साथ खेलकर मुझे बहुत आनंद आया। हमने पहले कभी साथ नहीं खेला, लेकिन कोर्ट पर सब कुछ बहुत स्वाभाविक लगा। हालांकि, बाद में प्रेस वार्ता में उन्होंने अपने प्रदर्शन को लेकर विनम्रता दिखाई।

फिट इंडिया मूवमेंट को जन-जन तक पहुंचाना है : प्रवीण गुप्ता

66वां केंद्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर जयपुर में शुरु

जयपुर, 10 जून। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा आयोजित 66वें केंद्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का बुधवार को जयपुर में शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग तथा राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए फिटनेस और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश दिया। प्रवीण गुप्ता ने बताया कि पिछले 65 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा यह शिविर 14 विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध करायेगा। उन्होंने कहा कि यहां अनुभवी और योग्य प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खिलाड़ी अपनी तकनीकी दक्षता और प्रदर्शन को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि शारीरिक रूप से फिट खिलाड़ी ही उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अपने संबोधन में उन्होंने तीरंदाजी, बास्केटबॉल, शूटिंग, क्याकिंग और साइक्लिंग जैसे खेलों में खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, समर्पण और निरंतर अभ्यास से सफलता अवश्य मिलती है। प्रवीण गुप्ता ने यह भी कहा कि शिविर के दौरान वे खिलाड़ियों और अभिभावकों से संवाद कर व्यवस्थाओं के संबंध में सुझाव प्राप्त करेंगे, ताकि भविष्य में और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने खिलाड़ियों को हाई परफॉर्मेंस सेंटर का अवलोकन करने और बायोमैकेनिक्स जैसी आधुनिक खेल विज्ञान तकनीकों की जानकारी लेने की सलाह दी। इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता कर रहे पूर्व ओलम्पियन और क्रीडा भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सैनी ने कहा कि अनुषासन के साथ नियमित अभ्यास किया जाये, तो सफलता जरूर मिलती है। उन्होने षिविर के विधिवत उद्घाटन की घोषणा भी की। इस अवसर पर राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजकेष मीणा ने षिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इससे पहले उन्होने मुख्य अतिथि का स्वागत भी किया। षिविर निदेषक रामनिवास ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया, खेल प्रबन्धक रणविजय सिंह चाम्पावत और अनिरूद्ध जगधारी भी उपस्थित थे।

सिंधु की अगुआई में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई

नई दिल्ली, 10 जून। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू की अगुआई में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया जबकि तन्वी शर्मा भी उलटफेर करने में सफल रहीं। तीसरी वरीय सिंधू, तन्वी, मालविका बंसोड, ईशारानी बरुआ और तान्या हेमंत सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों के लिए हालांकि बुधवार का दिन खराब रहा जब किरण जॉर्ज, थारुन मान्नेपल्ली और क्वालीफायर सनीथ दयानंद पहले दौर में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। सिंधू ने महिला एकल के पहले दौर के एकतरफा मुकाबले में पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो सालाजार को सीधे गेम में सिर्फ 32 मिनट में 21-13, 21-11 से हराया। सिंधू अगले दौर में हमवतन ईशारानी से भिड़ेंगी जिन्होंने एक घंटा तीन मिनट चले कड़े मुकाबले में चीन की हान कियान को 22-20, 10-21, 21-14 से शिकस्त दी। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर 17 साल की तन्वी ने किया जिन्होंने पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी चीनी ताइपे की च्यु पिन चियान को 45 मिनट में 21-12, 22-20 से शिकस्त दी। दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी अगले दौर में साथी भारतीय खिलाड़ी मालविका से भिड़ेंगी जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए थाईलैंड की तोंरुंग सेहेंग को 15-21, 21-7, 21-13 से हराया। तान्या ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 39 मिनट में 21-17, 21-18 से हराया। वह अगले दौर में थाईलैंड की दूसरी वरीय और दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी। पुरुष एकल में किरण को कड़े मुकाबले में मलेशिया के जस्टिन हो के खिलाफ एक घंटा दो मिनट में 19-21, 21-14, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। क्वालीफायर दयानंद भी चीन के हू झिआन के खिलाफ सिर्फ 35 मिनट में 8-21, 10-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

आर्चर की वापसी, जो रूट बने इंग्लैंड के नए कप्तान

नई दिल्ली, 10 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के नियमित कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को अनुशासनात्मक कारणों से टीम से बाहर कर दिया गया है। इसके बाद अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को अंतरिम कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मौजूद जानकारी के अनुसार इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने दोनों खिलाड़ियों को टीम चयन के लिए उपलब्ध नहीं माना है। यह फैसला टीम के नए मध्यरात्रि अनुशासन नियम के उल्लंघन के बाद लिया गया है। बताया जा रहा है कि लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के बाद बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन एक नाईट क्लब पर मौजूद थे, जहां एक रग्बी खिलाड़ी से जुड़ा विवाद सामने आया था। गौरतलब है कि यह घटना सोमवार तड़के हुई थी। इसके बाद इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड तथा स्वतंत्र क्रिकेट नियामक संस्था ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच पूरी होने तक दोनों खिलाड़ियों को दूसरे टेस्ट के लिए चयन से बाहर रखा गया है।

एशियाई खेल 2026 के लिए पाकिस्तानी टीम घोषित, साहिबजादा फरहान बने कप्तान

नई दिल्ली, 10 जून। पीसीबी ने जापान के आइची-नागोया में सितंबर-अक्टूबर 2026 में होने वाले एशियाई खेलों के लिए पुरुष क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज़ साहिबज़ादा फरहान को सौंपी गई है, जबकि अब्दुल समद को उपकप्तान बनाया गया है। साहिबज़ादा फरहान अब तक पाकिस्तान के लिए 46 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं, लेकिन पहली बार उन्हें किसी सीमित ओवर प्रारूप में टीम की कप्तानी मिली है। घोषित 15 सदस्यीय टीम में चार ऐसे खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है जिन्होंने अभी तक पाकिस्तान के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण नहीं किया है। इनमें आकिफ जावेद, अली रज़ा, माज़ सादाकत और साद मसूद शामिल हैं। इस बार पाकिस्तान ने अपेक्षाकृत नई टीम चुनी है। हाल ही में टी20 विश्व कप खेलने वाले कई बड़े खिलाड़ियों को इस टीम में जगह नहीं मिली है। नियमित कप्तान सलमान अली आगा, तथा प्रमुख खिलाड़ी बाबर आज़म, शाहीन अफरीदी और शादाब खान चयन से बाहर हैं।

राज्य जूनियर हैंडबॉल में श्रीगंगानगर लड़कों में व जयपुर लड़कियों में चैम्पियन

बालक वर्ग में श्रीगंगानगर का रोहित तथा बालिका वर्ग में जयपुर की ममता सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

जयपुर, 10 जून। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के तत्वाधान में जिला हैंडबॉल संघ, श्रीगंगानगर द्वारा लालगढ़ जाटान में आयोजित 43वी राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता में मेजबान श्रीगंगानगर के लड़के एवं जयपुर की लड़कियाँ चैंपियन रही। बालक वर्ग के ख़िताबी मुक़ाबले में श्रीगंगानगर ने ज्ञान ज्योति हैंडबॉल अकादमी को 28-21 (14-11) से तथा बालिका वर्ग के फाइनल में जयपुर ने हनुमानगढ़ को 20-17 (11-09) से हराया। बालक वर्ग में जयपुर हैंडबॉल अकादमी ने बूंदी को 23-15 (15-11) से तथा बालिका वर्ग में मेजबान श्रीगंगानगर ने भीलवाड़ा को 19-11 (11-06) से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में श्रीगंगानगर का रोहित बालक वर्ग में तथा जयपुर की ममता सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही। दोनों खिलाड़ियों को स्व. लोकेंद्र सिंह गौड़ एवं स्व. इंजि. तनेराम मेघवाल की स्मृति में राज्य हैंडबॉल संघ द्वारा 2100-2100 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनके अलावा जिला हैंडबॉल संघ, श्रीगंगानगर ने बालक वर्ग में जयपुर हैंडबॉल अकादमी के अकलेश तथा बालिका वर्ग में जयपुर की मुस्कान को बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार दिया गया तथा बालक वर्ग में श्रीगंगानगर का मोक्ष तथा बालिका वर्ग में जयपुर की हिना बेस्ट गोलकीपर रही। सेमीफाइनल मैचों के परिणाम इस प्रकार रहे:- बालक वर्ग:- श्रीगंगानगर ने बूंदी को 22-14 (19-11) से तथा ज्ञान ज्योति हैंडबॉल अकादमी ने जयपुर हैंडबॉल अकादमी को 27-22 (10-10)से हराया। बालिका वर्ग:- जयपुर ने भीलवाड़ा ने 19-16 (08-07) से तथा हनुमानगढ़ ने श्रीगंगानगर को 19-18 (10-09) से हराया।

रेलवे ग्राउंड पर 9वीं हाजी गनी बाबा टी-20 टूर्नामेंट का आरंभ

जयपुर, 10 जून। जयपुर के स्थानीय गणपति नगर रेलवे ग्राउंड पर 9वीं हाजी गनी बाबा टी-20 टूर्नामेंट का आरंभ हुआ। जिसमें सबा क्लब के सचिव सलीम कामरेड ने राजस्थान के पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी विनोद माथुर व राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष इकबाल व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी गौरव का स्वागत किया। आरंभ मुकाबला इंस्पायर अकादमी और शास्त्री अकादमी के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए शास्त्री अकादमी 18.5 ओवर में 124/10 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें वरुण ने 44 रन व नावेद खान ने 26 रन की पारी खेली। इंस्पायर की गेंदबाजी की ओर से रोहित राज ने 4 विकेट व रजत सिंह ने 2 विकेट लिए। जवाब में इंस्पायर ने 15.2 ओवर में 126/2 रन बना कर जीत हासिल की। जिसमें अमन सिंह शेखावत ने 67 रन व हरि सिंह ने 30 रन की पारी खेली।

राज्य की युवा महिला प्रतिभाओं हेतु पहली बार अंडर-19 बालिका राज्य चैम्पियनशिप का आयोजन : अरिष्ट सिंघवी

जयपुर, 10 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य अरिष्ट सिंघवी के अनुसार राज्य की बेटियों को अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने व राज्य की महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने एवं युवा प्रतिभाओं को आगे लाने की दिशा मेंएडहॉक समिति संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव व सभी सदस्योंने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए राज्य क्रिकेट में पहली बार अंडर-19 बालिका राज्य चैम्पियनशिप आयोजित करने की घोषणा की है।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रदेश की उभरती हुई महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जिससे वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और भविष्य में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

एडहॉक समिति ने कहा कि महिला खिलाड़ियों को पुरुष खिलाड़ियों के समान अवसर उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। इसी सोच के साथ पहली बार अंडर-19 बालिका राज्य चैम्पियनशिप का आयोजन किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के सभी जिलों की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

अरिष्ट सिंघवी के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी के निर्देशानुसार आयोजित की जाने वाली यह प्रतियोगिता न केवल महिला क्रिकेट को नई दिशा देगी, बल्कि ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी आगे आने का मंच प्रदान करेगी।

राज्य क्रिकेट के इतिहास में पहली बार आयोजित होने जा रही यह चैम्पियनशिप महिला सशक्तिकरण, खेलों में समान अवसर और महिला क्रिकेट के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर, उदयपुर, अलवर, जोधपुर, झुंझनू, राजसमंद, भीलवाड़ा में शुरू हुई राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता उदयपुर टीमों ने जीत दर्ज की।

जयपुर में खेले गए मैचों का परिणाम :-

जयपुर -भरतपुर, जयपुर 108 रन से जीती, बाड़मेर -झालावाड़, बाड़मेर 54 रन से जीती। कोटा - टोंक, कोटा 30 रन से जीता । धौलपुर -बीकानेर, धौलपुर 31 रन से जीती।

अलवर में खेले गए मैचों का परिणाम :-दौसा - सिरोही, दौसा 10 विकेट से जीती। हनुमानगढ़ -अलवर, हनुमानगढ़ 15 रन से जीती ।

जोधपुर में खेले गए मैचों का परिणाम :- जोधपुर - बूंदी, जोधपुर 85 रन से जीती। जैसलमेर - चित्तौड़गढ़, चित्तौड़गढ़ 10 विकेट से जीती ।

उदयपुर में खेले गए मैचों का परिणाम :- श्रीगंगानगर -उदयपुर, उदयपुर 9 विकेट से जीती। बारां -सवाई माधोपुर, सवाई माधोपुर 5 विकेट से जीती ।

झुंझनू में खेले गए मैचों का परिणाम :- डूंगरपुर - सीकर, सीकर 10 विकेट से जीती। चूरू -झुंझनू(झुंझनू9 विकेट से जीता।

राजसमंद में खेले गए मैचों का परिणाम :- नागौर - बांसवाड़ा, नागौर 89 रनो से जीती। राजसमंद - प्रतापगढ़, राजसमंद 132 रनो से जीती।

भीलवाड़ा में खेले गए मैचों का परिणाम :- भीलवाड़ा - करौली, भीलवाड़ा 275 रनो से जीती। अजमेर -जालोर, जालोर 3 विकेट से जीती।

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 1334 | दिनांक :- 09/06/2026

निविदा सूचना संख्या : 01/2026-27

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर आवासीय योजनाओं के अन्तर्गत विविध कार्यों हेतु इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 12.06.2026 से 22.06.2026 को सायं 5.00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल **http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in** व मण्डल की वेबसाईट **http://rhb.rajasthan.gov.in** पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

यू.बी.एन. नं. :- RHB2627WSOB00061 to RHB2627WSOB00067

राज.संवाद/सी/26/4586 | उप आवासन आयुक्त, वृत्त - प्रथम, जयपुर

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

ई - निविदा | दिनांक :- 09/06/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम./एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस./प्रमुख एंव प्रभारी-एलएस/संविदा-04/2026-27 दिनांक 08.06.2026 UIBN No. MML2627WSOB00056	सानू माईन्स जैसलमेर के लिये पानी स्प्रिंकलरयुक्त दो 10,000 लीटर अथवा इससे अधिक क्षमता के ट्रक चैसिस (मॉडल वर्ष 2022 अथवा उसके बाद का) पर बने पानी के टैंकरों द्वारा रामगढ़ नहर/रामगढ़ स्थित पी.एच.ई.डी. हाईड्रेट से कम्पनी की सानु लाईमस्टोन माईन्स तक पानी परिवहन कर निविदा में दर्शित विभिन्न कार्य निष्पादित करना। अनुमानित राशि- रू. 68.40/- लाख, धरोहर राशि - रू. 136000/-, निविदा प्रपत्र मूल्य- रू 4720/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट **www.rsmm.com** अथवा **www.sppp.rajasthan.gov.in** अथवा **www.eproc.rajasthan.gov.in** अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/26/4525 | उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

Rajasthan University of Health Sciences

सेक्टर-18, कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, जयपुर-302033

दूरभाष: 0141-2795501 Email: registrar@ruhsraj.org, ruhsstore@gmail.com

No. :- F.6 ( ) RUHS/Store/2026-27/9080 | Date :- 08/06/2026

Notice Inviting E-Bids

Single Stage Two envelope online bids (e-bids) are invited upto 02.00 pm of 29.06.2026 for Rate Contract for preparation of Answer Books Including Coding Work at Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur (Total Est. Cost Rs. 1 Crore 60 Lacs). Details may be seen in the Bidding Documents at the Website **sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in.**

(UBN-RUH2627SLRC00010) | **Registrar, RUHS, Jaipur**

Raj.Samwad/C/26/4531

नगर विकास न्यास, पाली

डाक बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com

क्रमांक :- न्या.पा./विज्ञापन/2026/560 | दिनांक :- 08/06/2026

ई-निविदा सूचना संख्या - 21/2026-27

नगर विकास न्यास, पाली की ओर न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कार्यों हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण **https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. :- **ITP2627SLSOB00024**

राज.संवाद/सी/26/4542 | अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान सरकार

कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.

(आपकी सेवा में सदैव तत्पर)

पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी

Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com

क्रमांक : न.पा.सा./2026/1174-1176 | दिनांक 05.06.2026

-:: Notice Inviting Bid ::-

Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.

UBN NO :- DLB2627WSOB06696 | अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सादड़ी

राज.संवाद/सी/26/4520

प्र.मंत्री मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने पर भजनलाल ने मोती डूंगरी में पूजा की

उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर राजस्थान की साढे आठ करोड़ जनता की ओर से बधाई दी

जयपुर, 10 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मोती डूंगरी स्थित गणेश जी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देश व प्रदेश की उन्नति तथा प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस समयावधि में प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक कार्यों एवं निर्णयों से देश में सकारात्मक परिवर्तन आया है। जनकल्याण एवं विकास की योजनाएं, नक्सलवाद एवं आतंकवाद का खात्मा तथा दुनिया में बढ़ता भारत का गौरव इसका प्रमाण है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान की साढ़े 8 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि किसान कल्याण, नारी शक्ति वंदन, युवा सशक्तिकरण और सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन से 140 करोड़ देशवासियों में 'मोदी है तो मुमकिन है' की भावना का संचार हुआ है। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि 12 वर्ष के कालखण्ड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनेक जनकल्याणकारी पहल राजस्थान की धरती से हुई हैं। झुन्झुनूं से "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" अभियान का राष्ट्रीय विस्तार, "पोषण अभियान" का शुभारम्भ तथा अजमेर से "सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण" अभियान की शुरूआत इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री के सान्निध्य और मार्गदर्शन में प्रदेश विकसित राजस्थान-2047 के संकल्प की ओर तेजी से अग्रसर है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि इस समयावधि में प्रधानमंत्री मोदी के ऐतिहासिक कार्यों व निर्णयों से सकारात्मक परिवर्तन आया। दुनिया में बढ़ा भारत का गौरव इसका प्रमाण है।**

ममता बनर्जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोष दस्तीदार के नेतृत्व में 20 बागी सांसदों ने भी लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर खुद को अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग की है। बुधवार को ममता बनर्जी को दो और झटके लगे। पार्टी सांसद सायोनी घोष, जो ममता की सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं, बागी गुट के साथ चली गईं। वहीं वरिष्ठ नेता और ममता की करीबी मानी जाने वाली सुष्मिता देव ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। पूरी तरह राजनीतिक अलगाव का सामना कर रहीं ममता बनर्जी के बारे में खबर है कि यदि उन्हें अच्छा प्रस्ताव मिलता है तो वे कांग्रेस में शामिल होने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें पार्टी का उपाध्यक्ष पद देने और अभिषेक बनर्जी को महासचिव बनाने का प्रस्ताव दिया है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल गुरुवार को इस मामले पर चर्चा के लिए टीएमसी और कांग्रेस के राज्य अध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर सकते हैं। इस बात का संकेत देते हुए कि कांग्रेस शायद बनर्जी के लिए दरवाज़े पूरी तरह बंद नहीं करेगी, पश्चिम बंगाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा, "कौन किसके पास जा रहा है, यह उन्हें ही बताना है। विलय होगा या नहीं, मुझे नहीं पता। कांग्रेस यदि कोई फैसला लेती है तो वह सभी को इसकी जानकारी देगी।"विलय की संभावनाओं को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने भी एक महत्वपूर्ण संकेत दिया। उन्होंने कहा, "राजनीति संभावनाओं की कला है। जो भी राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार करता है और भाजपा से लड़ने की क्षमता रखता है, उसका कांग्रेस में स्वागत किया जाएगा।"

जनता उसी नेतृत्व को पसंद करती है जो संकट में साथ खड़ा रहे- पायलट

सकरघटा गाँव में राजेश पायलट की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम में सचिन ने किसान सम्मेलन को संबोधित किया

हिण्डौन सिटी, 10 जून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार को हिण्डौन क्षेत्र के सकरघटा गांव में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिनके साथ हमने काम किया है, उस प्रत्येक व्यक्ति का मैं दिल से सम्मान करता हूं। हमारे विचारों में मतभेद हो सकते हैं लेकिन मन में मतभेद नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीति का स्वरूप भले ही बदल गया हो, लेकिन जनता उसी नेतृत्व को पसंद करती है, जो संकट के समय लोगों के साथ खड़ा रहे।

- **पूर्व मंत्री रमेश मीणा ने कहा कि अशोक गहलोत और उनका, दोनों का नार्को टैस्ट करा लो। मैंने 10 करोड़ रूपए लिये या गहलोत ने निर्दलीय, बीटीपी व भाजपा विधायकों को कितने रूपए दिए, पता चल जाएगा।**

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने हिण्डौन के सकरघटा गांव में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण किया।

पायलट ने कहा कि प्रदेश में मनरेगा सहित कई जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति खराब हो गई है, महंगाई लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम आमजन की पहुंच से बाहर हो रहे हैं। फसल खराब होने पर किसानों को समय पर राहत नहीं मिलती। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं सपोटरा के पूर्व विधायक रमेश चंद मीणा ने मंच से बहुत तीखे तेवर दिखाए। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गहलोत बार-बार दोहराते हैं कि मानेसर गए विधायकों को 10-10 करोड़ रुपये दिए गए। रमेश मीणा ने कहा, अगर उन्होंने 10 करोड़ लिए हैं तो उनका नार्को टेस्ट कराएँ और अपना भी नार्को टेस्ट कराएँ कि उन्होंने निर्दलीय, बीटीपी और भाजपा के विधायकों को कितने रुपये दिए। हमारे पास भी कागजात हैं।

आखिर भाजपा को मीनाक्षी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लीक हुए थे। विजयवर्गीय ने कहा, "हमें ये दस्तावेज किसने दिए? आप इससे कांग्रेस पार्टी की हालत समझ सकते हैं। हमें तेलंगाना से दस्तावेज मिल रहे हैं, जहां उनकी सरकार है।"उन्होंने एक कदम आगे बढ़ाते हुए यह भी कहा कि हो सकता है कि भाजपा को मदद कांग्रेस के भीतर से मिली हो। उन्होंने कहा, "हमें जानकारी कांग्रेस के अंदर के लोगों से ही मिली होगी।" सिर्फ भाजपा ही "आंतरिक साजिश" की बात नहीं कह रही है। तेलंगाना में विपक्षी दल बीआरएस ने भी राज्य में कांग्रेस के "आंतरिक सत्ता संघर्ष" को इस मामले के लीक होने और नटराजन के राज्यसभा नॉमिनेशन के खारिज होने के पीछे की वजह बताया है। मीनाक्षी नटराजन तेलंगाना में कांग्रेस की प्रभारी हैं। बीआरएस नेता एम कृशांक ने कहा, "नटराजन ने पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ड्रीम प्रोजेक्ट्स, जैसे एमयूएसआई (मुसी) ब्यूटीफिकेशन और खम्मम में तोड़-फोड़ (डेमोलिशन) व हैदराबाद विश्वविद्यालय के वृक्षों की कटाई जैसे विवादास्पद कदमों का विरोध किया था, जिससे राज्य सरकार के सामने परेशानी खड़ी हो गई थी।" तथापि, भाजपा सूत्रों के अनुसार, दस्तावेज़ किसी रहस्यमय कांग्रेस लीक के जरिए नहीं, बल्कि एक योजनाबद्ध राजनीतिक चैनल के जरिए मिले थे। समझा जाता है कि तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष रामचंद्र राव ने मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को मीनाक्षी नटराजन से जुड़े कागजात, जिनमें कोर्ट केस और कानूनी नोटिस शामिल थे, उपलब्ध कराए।एनडीटीवी को जानकारी मिली है कि ये दस्तावेज पिछले सोमवार को भोपाल भेजे गए। जैसे ही कागजात मध्य प्रदेश भाजपा नेतृत्व तक पहुंचे, पार्टी ने तुरंत कार्रवाई की। सूत्रों के अनुसार, खंडेलवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ब्रीफ किया। फिर भाजपा ने अपनी कानूनी रणनीति को अंतिम रूप दिया और रिटर्निंग ऑफिसर के सामने आपत्ति उठाने का काम पार्टी नेता राहुल कोठारी और पूर्व न्यायाधीश रोहित आर्य को सौंपा।इसके बाद जो हुआ, वह एक तीव्र कानूनी और राजनीतिक चुनौती थी, जिसने राज्यसभा चुनाव के समीकरण को पूरी तरह बदल दिया। यह विवाद 2022 के तेलंगाना के एक मामले से जुड़ा है, जिसमें एक महिला ने एक कांग्रेस नेता पर उत्पीड़न और धमकियों का आरोप लगाया था। महिला का दावा था कि उनकी शिकायत के बावजूद, कांग्रेस नेतृत्व ने रेड्डी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की।शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने यह मामला मीनाक्षी नटराजन के समक्ष भी उठाया था, जो उस समय तेलंगाना में कांग्रेस संगठन से जुड़ी थीं।हालांकि, कांग्रेस ने तर्क दिया कि नटराजन किसी भी एफआईआर में आरोपी नहीं थीं और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ था। इसलिए पार्टी का कहना था कि नामांकन हलफनामे में इस मामले का उल्लेख करने की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं थी।

बॉम्बे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण उन्हें और उनके परिवार को लगभग 10 महीनों से धमकियां मिल रही हैं।

न्यायमूर्ति पटेल के अनुसार, ये धमकियां अप्रैल 2024 में दिए गए उनके उस फैसले से जुडी हैं, जिसमें उन्होंने सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन को दाऊदी बोहरा समुदाय का वैध दाई-अल-मुतलक (सर्वोच्च आध्यात्मिक प्रमुख) घोषित किया था।

वर्तमान में यूनाइटेड किंगडम में रह रहे न्यायमूर्ति पटेल और उनके परिवार ने, वर्ष 2025 से लगातार डराने-धमकाने की कई घटनाओं का आरोप लगाया है।

सेवानिवृत्त न्यायाधीश के अनुसार, अगस्त 2025 के मध्य में लंदन के एक उपनगर स्थित उनके घर में घुसने की कोशिश भी की गई थी। इस घटना की शिकायत स्थानीय पुलिस में दर्ज कराई गई थी।

'दो अविवाहित वयस्कों के बीच सहमति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामाजिक धारणा को भी खारिज किया है कि यदि कोई संबंध विवाह तक नहीं पहुंचता, तो अवश्य ही किसी एक पक्ष के साथ गलत हुआ होगा। न्यायाधीशों ने स्पष्ट कहा कि हर संबंध का अंत विवाह में नहीं होता। इसलिए किसी संबंध के टूट जाने को अपने-आप में धोखा नहीं माना जा सकता। यह बात सुनने में सामान्य लग सकती है, लेकिन ऐसे देश में इसका बड़ा महत्व है, जहां ब्रेकअप के बाद अक्सर आरोप-प्रत्यारोप, सामाजिक जांच-पड़ताल और बढ़ते हुए कानूनी विवाद देखने को मिलते हैं। कई वर्षों से अदालतों के सामने ऐसे मामले आते रहे हैं, जिनमें लंबे समय तक चले संबंध बाद में विवाह के झूठे वादे के आरोपों वाले आपराधिक मामलों में बदल गए। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उस वास्तविकता को स्वीकार करता है, जिसे बहुत से लोग अपने जीवन में अनुभव कर चुके हैं, कभी-कभी संबंध केवल इसलिए समाप्त हो जाते हैं, क्योंकि वे सफल नहीं हो पाते। यह कोई कानूनी सिद्धांत नहीं है, लेकिन फैसले की मूल भावना को अच्छी तरह व्यक्त करता है। केवल असफल प्रेम संबंध को अपराध का प्रमाण नहीं माना जाना चाहिए। फैसले में बार-बार एक मूल सिद्धांत पर जोर दिया गया है - सहमति। अदालत ने कहा कि जब दो वयस्क लंबे समय तक किसी संबंध में रहते हैं, तो यह मानने का मजबूत आधार होता है कि वह संबंध सहमति पर आधारित था। इसका अर्थ यह नहीं है कि जबरदस्ती या शोषण के वास्तविक मामले अब मौजूद नहीं रहेंगे। लेकिन इसका अर्थ यह अवश्य है कि केवल संबंध टूट जाने के आधार पर गलत आचरण मान लेने में संस्थाओं को सावधानी बरतनी चाहिए। यदि देश की सर्वोच्च अदालत मानती है कि सहमति से बने विवाह-पूर्व संबंध किसी व्यक्ति के चरित्र का निर्धारण नहीं कर सकते, तो फिर समाज के इतने बड़े हिस्से में आज भी यह सोच क्यों बनी हुई है? आज भी परिवार अरेंज मैरिज की बातचीत के दौरान लोगों के पुराने प्रेम संबंधों की जांच-पड़ताल करते हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला विवाह-पूर्व यौन संबंधों पर चल रही बहस को समाप्त नहीं करता है, न ही लोगों को यह बताता है कि उन्हें अपने जीवन में कैसा आचरण करना चाहिए। यह तो भारत की एक प्राचीन धारणा को चुनौती देता है, जिसमें नैतिकता का आकलन व्यक्ति के रोमान्टिक अतीत के आधार पर किया जाता है। ऐसा करके अदालत ने चर्चा को निर्णयात्मक सोच से हटाकर आधुनिक भारत के लिए अधिक प्रासंगिक मुद्दों - सहमति, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपने जीवन साथी का चुनाव करने की आजादी - की ओर मोड़ दिया है, बिना इस डर के कि किसी व्यक्ति के चरित्र पर जीवनभर के लिए दाग लग जाएगा, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह फैसला किसी एक लिंग के पक्ष में नहीं है। इससे दोनों पक्षों को लाभ मिल सकता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908